नई दिल्ली

सोमवार 4 मई 2026

ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
तृतीया वर्ष : 30, अंक : 15
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 38
न्यून. 28

# हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com


हरिभूमि समूह के जनता टीवी आईएनएच न्यूज और न्यूज पोर्टल पर सबसे सटीक अपडेट के लिए जुड़ें

असम में भाजपा दोबारा जीत को लेकर आत्मविश्वास से लबरेज,जश्न की तैयारी

# आज आएंगे 5 राज्यों के चुनाव नतीजे, सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतगणना,तमिलनाडु से बंगाल तक सियासी धड़कनें तेज

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

देश की राजनीति के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने जा रहा है। आज तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम, केरल और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम घोषित होंगे। इन पांच राज्यों में पिछले कई सप्ताहों से अलग-अलग चरणों में मतदान संपन्न हुआ था और अब जनता की अदालत का फैसला सामने आएगा। एक्जिट पोल की पोल खुलेगी, या घोषणा सच साबित होगी, देखना दिलचस्प होगा। पश्चिम बंगाल को लेकर दिलचस्पी ज्यादा इसलिए बढ़ गई है क्योंकि भाजपा ने इस बार पूरी शक्ति से चुनाव लड़ा। फिर भी तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने 222 सीटें जीतने का दावा किया है। पश्चिम बंगाल को लेकर कई एक्जिट पोल ने खुलासा करने से भी मना कर दिया। इससे उत्सुकता और बढ़ गई है। राजनीतिक दलों के लिए यह चुनाव केवल सरकार बनाने का सवाल नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाला संकेत भी माना जा रहा है। खासकर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में मुकाबला बेहद दिलचस्प और कांटे का बताया जा रहा है।

### पीएम मोदी दुख व्यक्त किया

दिल्ली हादसे पर पीएम नरेंद्र मोदी ने दुख जताते हुए एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि आग लगने की घटना में लोगों की जान जाना बेहद दुखद है, जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायलों को शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। जिन लोगों की जान गई है, उनके परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि और घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

### सुबह 8 बजे से शुरू होगी मतगणना

*निर्वाचन आयोग के अनुसार मतगणना आज सुबह 8 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की जाएगी, जिसमें सेवा में तैनात जवानों, चुनाव ड्यूटी पर लगे कर्मचारियों और अन्य विशेष मतदाताओं के वोट शामिल होते हैं। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के वोटों की गिनती शुरू होगी। प्रत्येक ईवीएम अधिकृत अधिकारियों और प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में खोली जाएगी, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी बनी रहे। शुरुआती रुझान पहले कुछ घंटों में सामने आने लगेंगे, जबकि देर शाम तक अधिकांश सीटों की तस्वीर साफ हो जाने की संभावना है।*

### कई सीटों पर कांटे की टक्कर

*इस बार के चुनाव में कई क्षेत्रों में रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया। चुनाव प्रचार के दौरान सभी प्रमुख दलों ने पूरी ताकत झोंक दी थी। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री और बड़े राष्ट्रीय नेताओं ने लगातार रैलियां कीं। पश्चिम बंगाल में सत्ता की लड़ाई सबसे ज्यादा चर्चा में रही, जहां हर सीट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला। तमिलनाडु में गठबंधन राजनीति ने चुनाव को दिलचस्प बनाया, जबकि असम और केरल में भी सत्ता वापसी और बदलाव दोनों की संभावनाएं बनी हुई हैं। पुडुचेरी में छोटी विधानसभा होने के बावजूद राजनीतिक समीकरण काफी संवेदनशील हैं।*

### कहां और कैसे देखें नतीजे

*मतदाता और राजनीतिक कार्यकर्ता आज पूरे दिन चुनावी नतीजों पर नजर बनाए रखेंगे। चुनाव परिणाम चुनाव आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर देखे जा सकते हैं, जहां सीटवार और प्रत्याशीवार अपडेट उपलब्ध होंगे। इसके अलावा हरिभूमि समूह के जनता टीवी, आईएनएच न्यूज और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर भी सबसे सटीक लगातार लाइव कवरेज जारी रहेगी। टीवी पर लाइव कवरेज, चुनावी विश्लेषण, ग्राउंड रिपोर्ट और विशेषज्ञों की राय के जरिए दर्शक हर सीट की स्थिति समझ सकेंगे। हरिभूमि मोबाइल ऐप और न्यूज पोर्टल्स पर भी मिनट-दर-मिनट अपडेट मिलेंगे।*

### राष्ट्रीय राजनीति पर भी असर

*राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन पांच राज्यों के नतीजे केवल क्षेत्रीय सरकारों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि आने वाले लोकसभा चुनावों की रणनीति पर भी असर डालेंगे। विपक्षी दलों और सत्ताधारी दल—दोनों के लिए यह परिणाम मनोवैज्ञानिक बढ़त तय कर सकते हैं।*
*विशेष रूप से दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर के राज्यों में प्रदर्शन को राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जाएगा।*

### जनता का फैसला आज

*कई सप्ताह के चुनाव प्रचार, आरोप-प्रत्यारोप, वादों और रणनीतियों के बाद अब अंतिम फैसला मतदाताओं के हाथ से निकलकर मतगणना केंद्रों तक पहुंच चुका है। आज यह तय होगा कि किस राज्य में सत्ता बरकरार रहेगी और कहां बदलाव की बयार चलेगी।*


प्लाट उपलब्ध है
भोपाल की सबसे ज्यादा विकासशील लोकेशन
अयोध्या बायपास
10 लेन रोड और 66 फीट मेन रोड महोली खोजड़ा की प्राईम लोकेशन में जयवर्धन, सर्वसुविधायुक्त, पीपुल्स मॉल, पीपुल्स हास्पीटल, मीनाल मॉल और मेन मार्केट के नजदीक
संपर्क-9755600569
8200502943, 7748022609

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला
एमआई एलएसजी
शाम 7.30 बजे से


## दिल्ली के विवेक विहार में चार मंजिला इमारत में एसी में ब्लास्ट

# कोई बिस्तर पर नींद में जलकर मर गया कोई सीढ़ियों पर झुलसकर

- ▶▶ रविवार तड़के करीब 3:30 बजे भीषण आग
- ▶▶ इमारत की दूसरी मंजिल के पिछले हिस्से में लगे एसी में धमाका
- ▶▶ शवों की पहचान करना हुआ मुश्किल, डीएनए सैंपलों से जांच होगी

यह इमारत जिसमें ब्लास्ट के बाद आग लगी थी

### एसी बन गया बम 9 लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली के विवेक विहार इलाके में एक चार मंजिला इमारत में रविवार तड़के करीब 3:30 बजे भीषण आग लग गई। इमारत की दूसरी मंजिल के पिछले हिस्से में लगे एयर कंडीशनर (एसी) में जोरदार धमाका हुआ, जिसने देखते ही देखते ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज और अचानक थी कि बिल्डिंग में सो रहे लोगों को

संभलने या जान बचाने का जरा भी मौका नहीं मिला। चश्मदीदों केमुताबिक आग की लपटें इतनी भयानक थीं कि सुबह 5 बजे तक पूरा इलाका धुएं और रोशनी से भर गया था। हादसे का सबसे दर्दनाक मंजर तब सामने आया जब बचाव दल अंदर पहुंचा और उन्हें बिस्तर पर ही जली हुई लाशें मिलीं। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि तीन लोग बिस्तर ▶▶ शेष पेज 5 पर

### रेस्क्यू ऑपरेशन में जाल और इकलौती सीढ़ी बनी बाधा

फायर विभाग के मुताबिक बिल्डिंग के पिछले हिस्से में आग लगने और बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक बीच की सीढ़ी होने के कारण लोग फंस गए। बालकनी में सुरक्षा के लिए लगाए गए लोहे के जालों ने बचाव कार्य को और मुश्किल बना दिया, जिसे काटकर दमकल कर्मियों को अंदर घुसना पड़ा। हालांकि आगे की तरफ रहने वाले कुछ लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया, जिनमें एक बच्ची और एक महिला शामिल हैं, लेकिन पीछे के हिस्से में मौजूद लोगों के लिए कोई रास्ता नहीं बचा था. इकलौती सीढ़ी और जालों की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में देरी हुई जो कई जिंदगियों पर भारी पड़ गई।

## मित्तल-पूनावाला बने नए मालिक

# डेढ़ महीने में दूसरी बार बिकी राजस्थान रॉयल्स फ्रेंचाइजी

1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर की बोली लगाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आईपीएल की फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार बिक गई है। मशहूर उद्यमी लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर इस टीम को खरीदा। पूनावाला और मित्तल ने 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 15600 करोड़ से अधिक) की बोली लगाई। यह करार तब पूरा होगा जब इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), सीसीआई और आईपीएल शीर्ष परिषद की बैठक से मंजूरी मिलेगी। माना जा रहा है कि यह करार 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा हो सकता है। *(खेल पेज भी देखें)*

## खबर संक्षेप

### आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर रोहित जैन बने

**नई दिल्ली।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) में एक बड़ा प्रशासनिक बदलाव हुआ है। केंद्र सरकार ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। रोहित जैन की यह नियुक्ति 3 मई, 2026 से प्रभावी होगी और वे तीन वर्षों तक अपनी सेवाएं देंगे।

### बीमा पॉलिसी के नाम पर 63 लाख की ठगी

**रायपुर।** पुलिस ने बीमा के नाम पर 63 लाख की धोखाधड़ी के आरोप में एक निजी कंपनी के सेल्स मैनेजर मयूर बारमेडा को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने भनपुरी निवासी अमन अग्रवाल को अधिक रिटर्न का लालच देकर 29 चेक के माध्यम से यह रकम वसूली। आरोपी ने परिवार की पुरानी पॉलिसियों का सहारा लिया, लेकिन नई पॉलिसी के दस्तावेज देने में टालमटोल करता रहा। पता चला कि पॉलिसी जारी नहीं हुई।

## ओलंपियन विनेश फोगाट का बड़ा खुलासा

# बृजभूषण ने मेरा भी किया शोषण मैं भी पीड़ित 6 लड़कियों में से एक

*गोंडा में मेरे या मेरी टीम के साथ कुछ हुआ जिम्मेदार भारत सरकार होगी*

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ओलंपियन विनेश फोगाट ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा है कि वह पूर्व भारतीय कुश्ती महासंघ प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने वाली छह महिला पहलवानों में से एक हैं। वीडियो संदेश में विनेश ने कहा कि मौजूदा हालात और 2026 एशियन गेम्स से पहले उनकी वापसी रोकने की कोशिशों के कारण उन्हें अपनी पहचान उजागर करनी पड़ी।

उन्होंने गोंडा में ट्रायल कराने के फैसले पर भी सवाल उठाए और निष्पक्ष प्रतियोगिता पर संदेह जताया। गौर हो कि पेरिस ओलंपिक 2024 के बाद करीब 18 महीने के ब्रेक के बाद विनेश वापसी की तैयारी कर रही हैं। उन्होंने कहा कि गोंडा में अगर प्रतियोगिता के दौरान मेरे साथ, मेरी टीम के साथ या मेरे समर्थकों के साथ कोई भी अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदार भारत सरकार होगी। उधर, मुजफ्फरनगर में फोगाट द्वारा लगाए गए आरोपों के संबंध में पूछे जाने पर भी बृजभूषण सिंह ने जवाब देने से परहेज किया। उन्होंने इस संवेदनशील मुद्दे पर फिलहाल कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

विनेश फोगाट

बृजभूषण सिंह

### बृजभूषण के कॉलेज में प्रतियोगिता करवाई जा रही

*उन्होंने कहा कि आज से करीब एक महीना पहले रेसलिंग फेडरेशन द्वारा एक कंपटीशन का अनाउंसमेंट किया गया। यह टूर्नामेंट जहां पर आयोजित करवाया जा रहा है। वो गोंडा यूपी है। जहां बृजभूषण का घर है। उनका अपना निजी कॉलेज है और यह प्रतियोगिता वहीं कराई जा रही है। वहां हर मेहनती खिलाड़ी को उसका हक मिलेगा, यह बहुत कम संभव है, लगभग नामुमकिन है। विनेश ने दावा किया कि भले ही बृजभूषण आधिकारिक पद पर नहीं हैं, लेकिन महासंघ पर अब भी उनका प्रभाव बना हुआ है। उन्होंने कहा कि किस मैच में कौन रेफरी होगा, किसे कितने अंक दिए जाएंगे? यह सब बृजभूषण और उनके लोग नियंत्रित करेंगे। और सरकार व खेल मंत्रालय मूक दर्शक बने हुए हैं।*

## डायरेक्टर शुभ्रा रंजन को बागसेवनिया के फ्लैट में बंधक बनाया, कोई शोर न सुने इसलिए वहां सुंदरकांड का पाठ रखवा दिया

# दिल्ली की आईएएस एकेडमी की महिला डायरेक्टर का अपहरण.. पिस्टल सटाकर करीब 2 करोड़ वसूले, विदेश भागने की फिराक में था मास्टरमाइंड

शुभ्रा रंजन

प्रियंक (आरोपी)

- भोपाल में कोचिंग की दूसरी ब्रांच खोलने और उस जगह का निरीक्षण कराने दिल्ली से बुलाया था
- गिरफ्तारी के डर से आरोपी एम्स अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हो गया वहीं से दबोचा गया
- पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

संजय कुमार

राजधानी में बदमाशों ने दिल्ली की केयर आईएएस एकेडमी की महिला डायरेक्टर को किडनैप कर लिया। उन्हें 4 घंटे तक बंधक बनाकर रखा। इस दौरान कनपटी पर देसी पिस्टल सटाकर करीब 1 करोड़ 89 लाख रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी विदेश भागने की तैयारी में था, लेकिन एम्स से पकड़ा गया। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के मुताबिक वारदात को अंजाम देने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि उसी संस्थान की फ्रेंचाइजी चलाने वाला युवक प्रियंक शर्मा (32) है। आरोपी भेल के एक रिटायर्ड अधिकारी का बेटा है। वह पहले दिल्ली में रहकर आईएएस कोचिंग के जरिए यूपीएससी की तैयारी कर चुका है। डायरेक्टर शुभ्रा रंजन के मुताबिक ▶▶ शेष पेज 5 पर

### एम्स में आरोपी ने छाती में दर्द की नौटंकी की थी

प्रियंक वारदात के बाद विदेश भागने की तैयारी में था। इसके लिए वह कई एजेंट्स के संपर्क में था। शिकायत के बाद पुलिस ने उसके संभावित ठिकानों पर दबिश दी। उसके रिश्तेदारों की निगरानी शुरू की। गिरफ्तारी के डर से वह एम्स अस्पताल के आईसीयू में भर्ती हो गया। उसने डॉक्टरों के सामने छाती में दर्द की नौटंकी की और जमीन पर गिर गया। क्राइम ब्रांच को भनक लगते ही टीम ने अस्पताल पहुंचकर आईसीयू से ही उसे गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान उसकी मां, साला और पत्नी गरिमा ने गिरफ्तारी का विरोध किया, लेकिन पुलिस ने कार्रवाई जारी रखते हुए उसे हिरासत में ले लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने अन्य 5 आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।

### वारदात के लिए 5-5 लाख में बुलाए थे बदमाश

*प्रियंक शर्मा भोपाल के अयोध्या बाइपास का रहने वाला है। पिता विष्णु शर्मा भेल के रिटायर्ड अधिकारी हैं। वह ग्रेजुएट है। कोचिंग सेंटर चलाता है। पहले यूपीएससी की तैयारी कर चुका है। इसी ने पूरी वारदात की साजिश रची। उसे अंजाम तक पहुंचाया। रामजी उर्फ निहाल प्रजापति और रामू उर्फ रामेश्वर उर्फ शिव फिलहाल फरार हैं। इन्हें भी विक्की ने वारदात में शामिल होने के एवज में पांच-पांच लाख रुपए का लालच देकर बुलाया था। पुलिस इनकी तलाश में जुटी है।*


भारत की जनगणना 2027 CENSUS OF INDIA

गृह मंत्रालय भारत सरकार
सत्यमेव जयते

हमारी जनगणना हमारा विकास

(जनगणना 2027 का पहला चरण)
स्व-गणना (Self Enumeration) से जुड़े सामान्य प्रश्न और उत्तर (भाग-2)

स्व-गणना क्या है?
स्व-गणना एक ऑनलाइन प्रक्रिया है जिसमें आप प्रगणक की प्रतीक्षा किए बिना, स्वयं SE पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने परिवार की जानकारी भर सकते हैं

स्व-गणना के क्या लाभ हैं?
- अपनी सुविधा से जानकारी भर सकते हैं
- गोपनीयता सुनिश्चित
- जनगणना प्रक्रिया को तेज़ और कुशल बनाती है

स्व-गणना पोर्टल में लॉग-इन कैसे करें?
- राज्य / संघ राज्य क्षेत्र चुनें
- मुखिया का नाम, मोबाइल नंबर और ईमेल (वैकल्पिक) भरें
- OTP द्वारा सत्यापन करें
- स्व-गणना शुरू करें

अपने घर का सही स्थान कैसे चिन्हित करें?
- जिला / पिनकोड चुनें
- क्षेत्र / लैंडमार्क दर्ज करें
- मैप पर ज़ूम करें और घर के पास लोकेशन मार्क करें (सटीक पता न दिखने पर घबराएं नहीं)
- सही लोकेशन चिन्हित करना आवश्यक है

क्या मैं अपनी जानकारी बाद में संशोधित कर सकता / सकती हूँ?
- सबमिट करने से पहले एडिट कर सकते हैं
- सबमिशन के बाद, प्रगणक के आने पर ही बदलाव संभव होगा

क्या स्व-गणना (SE) पोर्टल को भारत के बाहर से एक्सेस किया जा सकता है?
नहीं, यह सुविधा केवल भारत की भौगोलिक सीमा के भीतर उपलब्ध है

यदि सबमिशन के बाद गलती पता चले तो क्या करें?
प्रगणक के आने पर SE ID के साथ सुधार करवाया जा सकता है

क्या मैं फॉर्म सेव करके बाद में पूरा कर सकता / सकती हूँ?
हां, आप प्रोग्रेस सेव कर सकते हैं और निर्धारित समय के भीतर फॉर्म पूरा कर सकते हैं

CBC 19108/13/0066/2627

टोल फ्री - 1855

चलो निभाएं अपनी ज़िम्मेदारी, करें जनगणना में भागीदारी
CensusIndia2027

## खबर संक्षेप

### दो करोड़ की रंगदारी में सांगवान गिरोह का बदमाश गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** क्राइम ब्रांच ने छावला इलाके के दो करोड़ की रंगदारी मामले में कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के बदमाश कप्तान को गिरफ्तार किया है। आरोपी पीड़ित के घर पर सुनियोजित गोलीबारी के लिए रेकी करने और हथियार सप्लाई करने में शामिल था। वह बार-बार अपना ठिकाना बदलकर पुलिस को चकमा दे रहा था। इसके खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और रंगदारी के 10 मामले दर्ज पाये गये हैं। आरोपी दीनपुर एक्सटेंशन, नजफगढ़ का रहने वाला है। यह मामला दीनपुर के रहने वाले एक शख्स की शिकायत पर दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता को एक अज्ञात नंबर से व्हाट्सएप पर एक वीडियो और धमकी भरा मैसेज मिला था, जिसमें उसे और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई थी। रंगदारी के तौर पर दो करोड़ की मांग की गई थी।

### बवाना गांव में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

**नई दिल्ली।** दिल्ली देहात के बवाना गांव में रविवार को दिल्ली युवा सुधार समिति (डीवाईएसएस) द्वारा निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस जनहितकारी पहल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने स्वयं भी अपनी स्वास्थ्य जांच कराई और ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। डीवाईएसएस के पदाधिकारी शैलेंद्र (शिले पहलवान) ने बताया कि समिति ने ग्रामीणों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इस शिविर का आयोजन किया। शिविर में 100 से अधिक जरूरतमंद लोगों की नेत्र जांच की गई।

इस दौरान मरीजों को मुफ्त नेत्र जांच, आंखों की दवाइयां, ब्लड प्रेशर और शुगर की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई। साथ ही, मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन, लेंस की व्यवस्था और अस्पताल आने-जाने व रहने-खाने की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

## मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगे 'क्लॉथ बैंक', पर्यावरण संरक्षण के साथ महिलाओं को मिलेगा रोजगार

# डीएमआरसी के फेज-5 (बी) में बनेंगे 7 नए कॉरिडोर : रेखा गुप्ता

- दक्षता और अनुशासन की मिसाल बनी राजधानी की लाइफ लाइन मेट्रो, सीएम रेखा गुप्ता ने कर्मचारियों के जज्बे को किया सलाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दिल्ली मेट्रो के 32वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होते हुए मेट्रो विस्तार को लेकर घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेट्रो के फेज-4 और फेज-5 के तहत विस्तार कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है और फेज-5 (बी) के अंतर्गत सात नए कॉरिडोरों पर काम शुरू करने की तैयारी तेज कर दी गई है। इससे राजधानी के विभिन्न हिस्सों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली को दो नए कॉरिडोर समर्पित किए गए हैं और तीन नए कॉरिडोर का शिलान्यास किया गया है, जिन पर कार्य शुरू हो चुका है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली मेट्रो आज राजधानी की 'लाइफलाइन' बन चुकी है और यह केवल एक परिवहन व्यवस्था नहीं, बल्कि भरोसे और दक्षता का प्रतीक है। उन्होंने मेट्रो के संचालन से जुड़े सभी कर्मचारियों, अधिकारियों और उनके सहयोगी स्टाफ के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनकी प्रतिबद्धता और दक्षता ने इस परियोजना को वैश्विक स्तर पर एक सफल मॉडल बनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रदूषण है और इसका स्थायी समाधान सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना है। दिल्ली मेट्रो इस दिशा में सबसे प्रभावी माध्यम के रूप में उभरी है। सरकार न केवल मेट्रो के रूट और ट्रेनों की संख्या बढ़ाने पर काम कर रही है, बल्कि लास्ट-माइल कनेक्टिविटी, यात्रियों के अनुभव और सुविधाओं को बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि दिल्ली मेट्रो को संयुक्त राष्ट्र से कार्बन क्रेडिट प्राप्त हुआ है और इसने 6 लाख टन से अधिक कार्बन उत्सर्जन कम करने में योगदान दिया है, जो जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। वित्तीय प्रबंधन पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो परियोजनाओं में निवेश की हर राशि का प्रभावी और पारदर्शी उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है।

### मेट्रो फेज-5 (बी) के कॉरिडोर तेजी से विकसित हो रहे इलाकों को जोड़ेंगे

मुख्यमंत्री का कहना है कि इस पूरे प्रोजेक्ट से दिल्ली के दूर-दराज और तेजी से विकसित हो रहे इलाकों को मेट्रो से जोड़ा जाएगा, जिससे लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा की बेहतर सुविधा मिलेगी। दिल्ली मेट्रो के फेज 5 बी में कुल 7 कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे। इनकी कुल लंबाई 97 किलोमीटर 158 मीटर होगी और इनमें 65 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। मेट्रो फेज-5 (बी) के तहत बनाए जाने वाले सातों कॉरिडोर की लागत लगभग 48 हजार 204 करोड़ 56 लाख रुपये है।

### 343 ट्रेनों के साथ प्रतिदिन 4 हजार 500 से अधिक फेरे संचालित कर रही मेट्रो

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली मेट्रो वर्तमान में 303 स्टेशनों और 343 ट्रेनों के साथ प्रतिदिन 4 हजार 500 से अधिक फेरे संचालित कर रही है और रोजाना 65 लाख से अधिक यात्रियों को सुविधा प्रदान कर रही है। लगभग 100 किलोमीटर लंबी अंडरग्राउंड टनल जैसी जटिल परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करना मेट्रो की तकनीकी क्षमता और मजबूत प्रबंधन का प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेट्रो के बिना दिल्ली की कल्पना करना आज बहुत कठिन है।

सरकार दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ योजनाओं को आगे बढ़ा रही है ताकि आने वाले वर्षों में भी दिल्ली को आधुनिक और सुदृढ़ परिवहन व्यवस्था मिलती रहे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने दिल्ली मेट्रो के अधिकारियों को अभिनव सुझाव भी दिया। उन्होंने मेट्रो स्टेशनों पर 'क्लॉथ बैंक' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जहां पुराने कपड़ों को रिसाइकल किया जा सके। उन्होंने इस पहल में महिला स्वयं सहायता समूहों को जोड़ने पर बल दिया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ महिला सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर केंद्रीय शहरी एवं आवासन राज्य मंत्री तोखन साहू, डीएमआरसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं दिल्ली मेट्रो परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

### 416 किलोमीटर लंबे नेटवर्क तक पहुंच चुकी दिल्ली मेट्रो

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1995 में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की स्थापना के साथ शुरू हुई यह यात्रा आज 416 किलोमीटर लंबे नेटवर्क तक पहुंच चुकी है। शुरुआती दौर में इस परियोजना को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन मेट्रो ने अपने कार्यकुशल संचालन और अनुशासन के जरिए न केवल जनता का विश्वास जीता, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था में भी अपनी विश्वसनीयता स्थापित की। आज 'मेट्रो' शब्द ही भरोसे का पर्याय बन चुका है।

### ये 7 कॉरिडोर किए जाएंगे विकसित

#### ढांसा बस स्टैंड से नांगलोई तक एलिवेटेड कॉरिडोर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि फेज-5 (बी) के तहत कॉरिडोर-1, ढांसा बस स्टैंड (नजफगढ़) से नांगलोई तक विकसित किया जाएगा। यह 11 किलोमीटर 859 मीटर लंबा पूरी तरह एलिवेटेड स्वतंत्र कॉरिडोर होगा। इसमें 9 स्टेशन बनाए जाएंगे। सभी स्टेशन एलिवेटेड होंगे

#### केंद्रीय सचिवालय से किशनगढ़ तक अंडरग्राउंड कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने बताया कि दूसरा कॉरिडोर केंद्रीय सचिवालय से किशनगढ़ तक विकसित किया जाएगा। यह 15 किलोमीटर 969 मीटर लंबा होगा। इसका अधिकांश हिस्सा अंडरग्राउंड रहेगा। इसमें 13 किलोमीटर 721 मीटर अंडरग्राउंड और 2 किलोमीटर 248 मीटर एलिवेटेड सेक्शन होगा। कुल 10 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 9 अंडरग्राउंड और एक एलिवेटेड स्टेशन शामिल होगा।

#### समयपुर बादली से नरेला डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि फेज फेज-5 (बी) के तहत तीसरा कॉरिडोर समयपुर बादली से नरेला डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तक विकसित किया जाएगा। यह लाइन-2 का विस्तार होगा और पूरी तरह एलिवेटेड रहेगा। यह कॉरिडोर 12 किलोमीटर 89 मीटर लंबा होगा। इसमें 8 स्टेशन बनाए जाएंगे। सभी एलिवेटेड होंगे।

#### कीर्ति नगर से पालम तक अंडरग्राउंड और एलिवेटेड कॉरिडोर

मुख्यमंत्री के अनुसार चौथा कॉरिडोर कीर्ति नगर से पालम तक विकसित किया जाएगा। यह लाइन-5 का विस्तार होगा। इसमें अंडरग्राउंड और एलिवेटेड दोनों सेक्शन शामिल होंगे। इसकी लंबाई 9 किलोमीटर 967 मीटर होगी, जिसमें 8 किलोमीटर 397 मीटर अंडरग्राउंड और 1 किलोमीटर 57 मीटर एलिवेटेड हिस्सा होगा। कुल 6 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 5 अंडरग्राउंड और एक एलिवेटेड स्टेशन शामिल होगा।

#### जोर बाग से मिठापुर तक अंडरग्राउंड और एलिवेटेड कॉरिडोर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि पांचवा कॉरिडोर जोर बाग से मिठापुर तक विकसित किया जाएगा। यह स्वतंत्र कॉरिडोर होगा। इसमें अंडरग्राउंड और एलिवेटेड दोनों सेक्शन होंगे। इसकी लंबाई 16 किलोमीटर 991 मीटर होगी, जिसमें 12 किलोमीटर 275 मीटर अंडरग्राउंड और 4 किलोमीटर 716 मीटर एलिवेटेड हिस्सा होगा। इसमें कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 7 अंडरग्राउंड और 5 एलिवेटेड स्टेशन होंगे।

#### शास्त्री पार्क से मयूर विहार फेज-3 तक स्वतंत्र कॉरिडोर

मुख्यमंत्री ने बताया कि छठा कॉरिडोर शास्त्री पार्क से मयूर विहार फेज-3 तक विकसित किया जाएगा। यह स्वतंत्र कॉरिडोर होगा। इसमें अंडरग्राउंड और एलिवेटेड दोनों सेक्शन शामिल होंगे। यह कॉरिडोर 13 किलोमीटर 197 मीटर लंबा होगा। इसमें 8 किलोमीटर 99 मीटर अंडरग्राउंड और 4 किलोमीटर 207 मीटर एलिवेटेड हिस्सा होगा। इसमें कुल 8 स्टेशन बनाए जाएंगे, जिनमें 3 अंडरग्राउंड और 5 एलिवेटेड स्टेशन शामिल होंगे।

#### केशवपुरम से रोहिणी सेक्टर-34 तक नया कॉरिडोर

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि फेज-5 (बी) पर सातवां कॉरिडोर केशवपुरम से रोहिणी सेक्टर-34 तक विकसित किया जाएगा। यह नया कॉरिडोर होगा और पूरी तरह एलिवेटेड रहेगा। इसकी लंबाई 16 किलोमीटर 285 मीटर होगी। इस पर कुल 12 स्टेशन बनाए जाएंगे। सभी एलिवेटेड होंगे। यह कॉरिडोर वेस्ट शालीमार बाग, ईस्ट पीतमपुरा, रोहिणी सेक्टर-16, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (डीटीयू) और रोहिणी सेक्टर-29 जैसे क्षेत्रों को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ेगा।

## एलजी के दिशा निर्देशों पर डीडीए ने एनएसडी संग मिलकर शुरू की रंग बाग जैसी अनोखी पहल

**नई दिल्ली।** उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू के दिशा निर्देशों पर दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के संग मिलकर रंग बाग जैसी अनोखी पहल की शुरूआत की है। जिसमें सार्वजनिक उद्यानों को रचनात्मकता एवं शिक्षण के केंद्रों में परिवर्तित करने हेतु मिलकर कार्य किया जाएगा, यह अपने आप में एक अनूठी पहल का शुभारंभ है। डीडीए द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एलजी द्वारा सार्वजनिक हरित स्थलों को सामुदायिक शिक्षण एवं सांस्कृतिक सहभागिता सजीव केंद्रों के रूप में पुनर्कल्पना करना है। इस पहल के पहले बैच का सफल शुभारंभ 2 मई 2026 को इंद्रप्रस्थ पार्क स्थित माया आर्ट गैलरी में किया गया। इस कार्यक्रम में 12-16 वर्ष आयु वर्ग के इक्कीस बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह पहल डीडीए के महरौली पुरातत्व पार्क में आयोजित हालिया प्रयासों के पश्चात की गई है, जहां हेरिटेज वॉक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दिल्ली के हजारों लोगों को आकर्षित किया था। इस कार्यक्रम में भी स्वयं उपराज्यपाल ने भी सहभागिता की थी। डीडीए भारत के सबसे बड़े शहरी पारिस्थितिकी अवसंरचना संरक्षकों में से एक है तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में स्थित बड़े पार्कों, बायोडायवर्सिटी जोन एवं सिटी में स्थित फारेस्ट एरिया का प्रबंधन करता है। यद्यपि ये स्थल परंपरागत रूप से पर्यावरण संरक्षण के केंद्र रहे हैं, रंगबाग डीडीए एवं एनएसडी के मध्य अपनी तरह का प्रथम संस्थागत सहयोग है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक उद्यानों को संरचित थिएटर के माध्यम से रचनात्मकता, अभिव्यक्ति एवं सामुदायिक सहभागिता के स्थलों में परिवर्तित करना है। एनएसडी के प्रशिक्षित थिएटर शिक्षकों के कलात्मक मार्गदर्शन में प्रतिभागी छह सप्ताह की गहन, प्रोडक्शन-उन्मुख कार्यशाला में भाग लेंगे। जिसमें संप्रेषण अभ्यास, गतिविधि-आधारित मूवमेंट, स्टोरीटेलिंग, इम्प्रोवाइजेशन एवं प्रदर्शन की मूलभूत तकनीकों को सहयोगात्मक एवं खेल-आधारित वातावरण में सिखाया जाएगा।

## मुखर्जी नगर का सनसनीखेज हत्या और लूट का मामला 26 साल बाद सुलझा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने मुखर्जी नगर के सनसनीखेज हत्या और लूट के मामले को 26 साल बाद सुलझाया है। कानून से बचते रहने के बाद मुख्य अपराधी बिहार से गिरफ्तार किया गया। फरारी के दौरान आरोपी ने कई बार अपने पते और ठिकाने बदले। आरोपी का नाम नरेश मुखिया उर्फ नागेश्वर मुखिया (50) निवासी समस्तीपुर, बिहार बताया गया है। आरोपी को 16 अक्टूबर 2000 को तीस हजारी कोर्ट द्वारा भगौड़ा अपराधी घोषित किया था।

पुलिस के अनुसार लगभग 26 साल पहले, आरोपी नरेश मुखिया मकान नंबर 275, दूसरी मंजिल, इंद्र विहार में काम करता था। उसी इमारत की पहली मंजिल पर आशा छाबड़ा का एक और परिवार रहता था। आरोपी नरेश मुखिया को पता चला कि आशा छाबड़ा ने अपना एक घर बेचा है और वह लगभग 35-40 लाख रुपये नकद अपने घर में रखे हुए हैं। उसने अपने साथियों होरिल मुखिया, हरि किशन मुखिया और मौजेलाल के साथ मिलकर आशा छाबड़ा के घर से नकदी लूटने की योजना बनाई। उन्होंने यह भी योजना बनाई थी कि लूट के दौरान जो भी उनके रास्ते में आएगा, उसे खत्म कर देंगे। एक दिन जनवरी के महीने में वह अपने साथियों के साथ वहां गया और पाया कि घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ है। वे चुपचाप घर में घुस गए। आरोपी नरेश मुखिया अंदर के कमरे में गया और अलमारी खोलने लगा। उसी समय आशा छाबड़ा अंदर आई और उसे अलमारी खोलते हुए देख लिया। वह चिल्लाने लगीं तो उसके साथियों ने उन्हें पकड़ लिया और टेलीफोन के तार से उनका गला घोंट मौत के घाट उतार दिया था। इसके बाद उन्होंने अलमारी से 8 लाख रुपये नकद और अन्य कीमती सामान निकाला और मौके से फरार हो गए थे। पिछले 1-2 साल से आरोपी अपने गांव में एक छोटी सी किराना दुकान चला रहा है। आरोपी दिहाड़ी मजदूरी भी करता था और शराब का आदी है।

## इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रैकेट का भंडाफोड़ तीन आरोपी पकड़े

**नई दिल्ली।** क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने इन्वेस्टमेंट फ्रॉड रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में तीन जालसाजों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक बैंक अधिकारी भी शामिल है। पुलिस को आरोपियों तक पहुंचने के लिये उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर में एक सुनियोजित ऑपरेशन चलाना पड़ा। डीसीपी आदित्य गौतम के अनुसार इस मामले में एक रिटायर्ड सरकारी अधिकारी से शेयर बाजार में निवेश करने के बहाने 45 लाख 33 हजार की धोखाधड़ी की गई थी। इसके लिए एक नकली मोबाइल एप्लिकेशन का इस्तेमाल किया गया था, जिसे बिल्कुल असली ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म जैसा बनाया गया था। जांच के दौरान दो आरोपियों की पहचान की गई और लगातार तकनीकी निगरानी के जरिए उनका पता लगाया गया। तीसरे आरोपी जो एक बैंक अधिकारी है को अन्य आरोपियों की निशानदेही पर गिरफ्तार किया गया। इन गिरफ्तारियों के साथ इस मामले में अब तक कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। आरोपियों के नाम कपिल बैन (25), मनोज शर्मा (26) और कमल पांडे (24) है। कमल गदरपुर, उत्तराखंड का रहने वाला है। वह एक बैंक में असिस्टेंट मैनेजर के पद पर कार्यरत था। उसने साइबर जालसाजों की मदद की, जिसमें 'म्यूल बैंक अकाउंट' खुलवाने में सहायता करना और बैंक के अंदर की संवेदनशील लेनदेन की जानकारी साझा करना शामिल था। उसने खाताधारकों की ओर से चेक भरकर और बैंक परिसर के अंदर ही नकद पैसों का लेनदेन करके, पैसे निकालने की प्रक्रिया को तेज करने में भी मदद की थी।

## क्राइम ब्रांच की साइबर लैब आईएसओ सर्टिफिकेट से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच की साइबर लैब को डिजिटल सबूतों और साइबर अपराध की जांच को संभालने के लिए अपने मजबूत, मानकीकृत और प्रक्रिया-आधारित दृष्टिकोण के लिए भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के तहत भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा प्रतिष्ठित आईएसओ 9001:2015 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) सर्टिफिकेशन से सम्मानित किया गया है। यह सर्टिफिकेशन डिजिटल फोरेंसिक विश्लेषण में साइबर लैब की उन्नत क्षमताओं को मान्यता देता है, जिसमें मोबाइल फोरेंसिक, डिस्क और स्टोरेज मीडिया फोरेंसिक, क्लाउड फोरेंसिक, क्रिप्टोकरेंसी ट्रैकिंग और विश्लेषण, साथ ही मैलवेयर विश्लेषण सहित कई क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।

स्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव के अनुसार लैब अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है और विश्व स्तर पर स्वीकृत फोरेंसिक पद्धतियों का पालन करती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि डिजिटल सबूतों को कानूनी रूप से स्वीकार्य तरीके से एकत्र, संरक्षित, विश्लेषण और प्रस्तुत किया जाए। साइबर लैब साइबर धोखाधड़ी, वित्तीय अपराधों, रैंसमवेयर हमलों, डेटा उल्लंघनों और अन्य प्रौद्योगिकी-आधारित अपराधों से संबंधित जांच में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। सख्त 'चेन-ऑफ-कस्टडी' प्रोटोकॉल बनाए रखकर और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं का पालन करके, लैब डिजिटल सबूतों की अखंडता, प्रामाणिकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करती है। यह उपलब्धि प्रौद्योगिकी-आधारित पुलिसिंग, प्रक्रिया मानकीकरण और कुशल सार्वजनिक सेवा वितरण के प्रति दिल्ली पुलिस की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह फोरेंसिक जांच और डिजिटल सबूत प्रबंधन में पारदर्शिता, सटीकता और जवाबदेही पर साइबर लैब के फोकस को भी उजागर करता है। पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा ने डीसीपी क्राइम आदित्य गौतम, एसीपी मुकेश राठी और इंस्पेक्टर राजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व वाली साइबर लैब टीम को इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर बधाई दी।

# दिल्ली नगर निगम के पार्किंग विभाग में घोटाले की बू

- जानकारी पर पार्किंग विभाग प्रशासन ने साधी चुप्पी

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम के आर पी सेल के अंतर्गत आने वाले पार्किंग विभाग में इन दिनों जमकर बड़े घोटाले की बू आ रही है। ऐसा ही एक मामला नरेला जोन की पार्किंग व्यवस्था से सामने आया है और पार्षदों सहित, क्षेत्र के निवासी भी पार्किंग व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर चुके हैं। लेकिन निगम पार्किंग विभाग प्रमुख के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है। सरल भाषा में कहा जाए तो सक्षम अधिकारी पर जरा भी असर नहीं हो रहा है। नरेला जोन में पार्किंग अनियमितताओं से जुड़ी शिकायतें मिलने पर पार्किंग विभाग से जुड़े कुछ सामान्य प्रश्न किए गए जिसमें पूछा गया कि नरेला जोन के प्रत्येक वार्ड में कहां-कहां वैध रूप से पार्किंग निर्धारित है और किन स्थानों पर अवैध रूप से पार्किंग वसूली की जा रही है। लेकिन 20 दिन बीत जाने के बाद भी निगम का पार्किंग विभाग कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करा सका है। वहीं, इस संबंध में रविवार को निगम प्रवक्ता के माध्यम से मांगी गई संबंधित जानकारी को लेकर बताया गया है कि पार्किंग विभाग ने इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। क्षेत्र की दृष्टि से कई दिल्ली हरियाणा बॉर्डर लगने वाले इस बड़े जोन में प्रतिमाह लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

### राजस्व लीकेज का रोका जाएगा: महापौर

वहीं, नवनिर्वाचित महापौर प्रवेश वाही ने महापौर बनने के बाद पार्किंग राजस्व में हो रही लीकेज को लेकर कहा था कि इस संबंध में जल्द ही समीक्षा बैठक की जाएगी और लीकेज को रोका जाएगा ताकि प्राप्त हुए राजस्व को निगम की बेहतरी में लगाया जा सके।

### वैध और अवैध पार्किंग स्थलों की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं

आरटीआई कार्यकर्ता के अनुसार, नरेला जोन के कई इलाकों में बिना किसी अधिकृत अनुमति के पार्किंग चलाई जा रही है, जहां आम जनता से मनमाना पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि निगम प्रशासन के पास न तो वैध पार्किंग स्थलों की सार्वजनिक सूची उपलब्ध है और न ही अवैध पार्किंग के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई का रिकॉर्ड सामने आ रहा है।

### ट्रैफिक व्यवस्था भी हो रही है प्रभावित

स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध पार्किंग माफिया सड़कों और सार्वजनिक स्थानों पर कब्जा कर खुलेआम वसूली कर रहे हैं, जिससे न केवल ट्रैफिक व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि आम लोगों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों को कहना है कि यदि समय रहते इस मुद्दे पर सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

## दिल्ली कांग्रेस ने आयोजित किया बंजारा समुदाय का सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने रविवार को प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में बंजारा समुदाय का एक सम्मेलन आयोजित किया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि बंजारा समुदाय हमारा अभिन्न हिस्सा है। कांग्रेस इस समुदाय को न्याय और उचित प्रतिनिधित्व दिलाने में हर संभव मदद का आश्वासन देती है और इनकी समस्याओं को भाजपा सरकार के संज्ञान में लाकर तत्काल समाधान निकालने की भी पूरी कोशिश की जाएगी। यादव ने कहा कि बंजारा समुदाय हमारी सांस्कृतिक विविधता का एक अनमोल हिस्सा है, जिसे हमें समझना चाहिए और संजोना भी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें सभी समुदायों की संस्कृति और परंपराओं का सम्मान करना चाहिए और उन्हें समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर यादव के अलावा प्रदेश मीडिया कम्युनिकेशन विभाग के अध्यक्ष अनिल भारद्वाज, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बंजारा संघ एवं पूर्व निगम पार्षद पृथ्वी सिंह राठौड़ सहित समाज के गणमान्य लोग मौजूद थे। सम्मेलन में बंजारा समाज की महान विभूतियों की फोटो लगाकर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में यादव ने कहा की बंजारा समुदाय ने देश और विशेष तौर पर दिल्ली के लोगों के जीवन और राजधानी की प्रगति में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लेकिन, जब से राजधानी में आम आदमी पार्टी और उसके बाद भाजपा सरकार सत्ता में आई तब से इस समुदाय को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया गया है। इस समुदाय की जमकर उपेक्षा की गई है, प्रशासन ने उनकी अनगिनत समस्याओं पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया है।

**Bhoramdev Sahakari Shakkart Utpadak Karkhana Marydit Kawardha, Village Ramhepur, Distt- Kabirdham (Chhattisgarh)**

**WALK IN INTERVIEW**

for more detail- Website- https:/bssukm.co.in,
Email- bssukm.recruitment@gmail.com, Cont No 9179197556, 8319936711
For 3500 TCD Sugar Factory Seeks Application from Candidates for the following Posts on Contract Basis

| S. N | Name of Post | Qualification & Experience | No of Post | Category | Salary |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Chief Chemist | Min B.Sc. (ANSI-VSI) Sugar Tech. Factory Ex. Min. 05 yrs as Chief Chemist or 07 yrs as a Dy Chief Chemist | 01 | Unreserved | Negotiable as per service rule of factory with upper limit of Rs 75000/Month. |
| 2 | Qualifications must be from the recognized institutions only. | | | | |
| 3 | intrested applicants are required to send their BIODATA along with all scaned original documents through e-mail id -bssukm.recruitment@gmail.com, Latest by 07-05-2026 by 2 pm(application mailed after said date and time will not be entertained. | | | | |
| 4 | Applicants who fulfills the above requirements can attend walk in interview (only after written approval of management which will be reverted to same email id (of applicant) on 07-05-26 after scrutiny) | | | | |
| 5 | Walk in interview will be conducted on 09-05-2026 at 10.30 am at Bhoramdeo Sahakari Shakkar Karkhana Ltd., Kawardha Distt. Kabirdham (Chhattisgarh). APPLICANTS have to be present with their Bio Data along with two copies of passport size photographs, all Original Qualifications and Experience Certificates along with self attested Photo copy of the same. | | | | |
| 6 | Selection Comittee reserves the full right to reject or accept any application without assigning any reason. | | | | |
| 7 | The Management reserves the right to alter/enhance/change any of the conditions without any prior notice or ground. | | | | |
| 8 | Upper age limit is set to 58 years for all applicants. After selection, the candidate has to sign a aggrement with factory which includes serving minimum 2 years of bond period (after completion of 2 years, 3 months of notice period has to be served in case of resignation) | | | | |

Managing Director
Bhoramdev Sugar Factory Kawardha
Dist- Kabirdham (C.G.)

# साल के पहले क्वार्टर में ही आग से तीन दर्जन से ज्यादा लोगों की मौत

निर्देश तोमर ⏭ नई दिल्ली

■ राजधानी में अग्नि सुरक्षा पर खड़े होते सवाल

विवेक विहार में रविवार तड़के एक बार फिर आग का तांडव देखने को मिला। नौ लोगों की मौत के बाद फिर सिस्टम और अग्नि सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। राजधानी में हर साल मौत के आंकड़े गंभीर रूप धारण कर रहे हैं। इस साल की बात करें तो पहले क्वार्टर में ही तीन दर्जन से ज्यादा लोगों की जिंदगी आग लील चुकी है। दमकल विभाग के आंकड़ों के अनुसार राजधानी में पिछले एक साल में आग की घटनाओं और उनमें होने वाली मौतों के आंकड़ों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। 2024 के अंत और 2025 की शुरुआत के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि जहां एक तरफ आग की कॉल्स में बढ़ोतरी हुई है, वहीं मौतों के आंकड़ों में कुछ सुधार दर्ज किया गया है। लेकिन साल 2024 में आग से मौत का आंकड़ा काफी घातक रहा। पूरे साल में आग से संबंधित विभिन्न घटनाओं में 116 लोगों की जान चली गई। यह संख्या 2023 (59 मौतें) की तुलना में लगभग दोगुनी थी। साल 2025 में स्थिति में कुछ सुधार हुआ और आग के कारण होने वाली मौतों की संख्या घटकर 76 (कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार 84) रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में करीब 32 प्रतिशत की कमी दर्शाती है। वहीं वर्तमान वर्ष यानि 2026 में 15 अप्रैल तक ही आग की घटनाओं में 36 लोगों की मौत हो चुकी है। विवेक विहार में नौ लोगों की मौत के बाद आग से मरने वालों का आंकड़ा 45 पार कर गया है।

### प्रमुख अग्निकांड और जानलेवा हादसे

पिछले एक साल के दौरान दिल्ली में कई बड़े अग्निकांड हुए जिन्होंने सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े किए हैं।

**पालम परिवार हादसा (18 मार्च 2026):** पालम इलाके में एक घर में आग लगने से एक ही परिवार के 9 सदस्य मारे गए थे।

**विवेक विहार अस्पताल हादसा (25 मई 2024) :** पूर्वी दिल्ली के विवेक विहार में एक नवजात शिशु अस्पताल में भीषण आग लगने से 7 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी।

**अलीपुर गोदाम हादसा (15 फरवरी 2024):** एक पेंट फैक्ट्री में हुए धमाके और आग में 11 लोगों की जान चली गई थी।

दमकल विभाग के अधिकारियों का मानना है कि 2025 में मौतों में कमी का मुख्य कारण क्विक रिस्पांस वाहनों की तैनाती और भीषण गर्मी के दिनों में बेहतर प्रबंधन रहा है। विभाग ने 100 ऐसे हॉटस्पॉट्स की पहचान की है जहां आग लगने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। दिल्ली में हर साल आग की लगभग 20 से 30 हजार कॉल्स दमकल विभाग को प्राप्त होती हैं। गर्मियों में एसी पर ओवरलोडिंग और बिजली के शॉर्ट सर्किट आग लगने के सबसे बड़े कारण बने हुए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पुरानी दिल्ली और तंग गलियों वाले इलाकों में फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का समय पर न पहुंच पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है।

### दिल्ली सरकार इस कठिन समय में मजबूती से खड़ी है पीड़ित परिवारों के साथ

# आग की घटना में 9 लोगों की मृत्यु से मन व्यथित : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विवेक विहार की एक इमारत में लगी आग की घटना में 9 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और कहा कि इस हादसे में 9 लोगों की मृत्यु से मन व्यथित है। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर दुख व्यक्त करते हुए लिखा कि विवेक विहार की एक इमारत में लगी आग की घटना अत्यंत दुखद है। इस हादसे में 9 लोगों की मृत्यु से मन व्यथित है। हादसे में घायल हुए लोगों का नजदीकी अस्पताल में उपचार चल रहा है, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूँ। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएँ पीड़ित परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें यह कठिन समय सहने की शक्ति प्रदान करें।

स्थानीय प्रशासन, डीडीएमए, दिल्ली फ़ायर सर्विस और दिल्ली पुलिस के सभी आला अधिकारी राहत और बचाव कार्यों में पूरी तत्परता से जुटे हैं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और प्रभावितों को हर संभव सहायता सुनिश्चित की जा रही है। हमारे स्थानीय विधायक और निगम पार्षद भी राहत कार्य में अपना सहयोग कर रहे हैं। दिल्ली सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ हर परिस्थिति में मजबूती से खड़ी है।

### दर्दनाक मौत ने पूरे सिस्टम की विफलता उजागर कर दी : अंकुश

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में नेता विपक्ष और आम आदमी पार्टी में वरिष्ठ नेता अंकुश नारंग ने अग्निकांड मामले को लेकर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के शाहदरा के विवेक विहार में हुए अग्निकांड में 9 लोगों की दर्दनाक मौत ने पूरे सिस्टम की विफलता उजागर कर दी है। यह हादसा बेहद पीड़ादायक है एक ही परिवार के कई सदस्यों की मौत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है। नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दे और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करे। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पहले हुए एक और हादसे में भी कई लोगों की जान गई थी उसके बाद भाजपा की चार इंजन सरकार ने क्या कार्रवाई की। न कोई ठोस कदम, न जमीनी सुधार। अब भाजपा सरकार को जवाबदेही तय करनी ही होगी, ताकि ऐसे हादसे दोबारा न हों।

### 'फायर और पुलिस ने 20 लोगों को बचाया'

**नई दिल्ली।** शाहदरा के विवेक विहार स्थित एक बहुमंजिले घर में आग मामले में फायर ब्रिगेड और पुलिस की तत्परता के कारण लगभग 20 लोगों को बचाया गया है। पूर्वी दिल्ली से सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा ने घटना स्थल पर जाकर और संबंधित जानकारी लेने के बाद यह उक्त विभागों की सराहना करते हुए यह बात कही। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा, स्थानीय विधायक संजय गोयल, पार्षद पंकज लूथरा एवं शाहदरा जिलाध्यक्ष दीपक गाबा आदि के साथ विवेक विहार स्थित आग से दुर्घटनाग्रस्त घर पर पहुंचे एवं तीनों पीड़ित परिवारों से मिले और संवेदना प्रकट की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इसके बाद मल्होत्रा जी.टी.बी. अस्पताल में भर्ती घायल से मिले और वहां डाक्टरों से बात करके उन्हे ट्रॉमा सेंटर में शिफ्ट करवाया। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने शनिवार देर रात लगभग 3.45 बजे विवेक विहार के बी ब्लाक में ए.सी. यूनिट में आग एवं ब्लास्ट से हुए दुखद आग हादसे में 9 लोगों की असमायिक मृत्यु पर दुख प्रकट किया है और इसे पीड़ति परिवारों के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

### 'आप' नेताओं ने आग पीड़ितों से की मुलाकात

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने शाहदरा जिले के विवेक विहार स्थित एक इमारत में लगी भीषण आग में 9 लोगों की मौत और कई लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की घटना को बेहद दुखद और हृदय विदारक बताया है। इस दुखद घटना की जानकारी होते ही 'आप' के वरिष्ठ नेता व विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल जाकर इलाज करा रहे घायलों से मुलाकात की। इसके बाद घटना स्थल का दौरा कर स्थानीय लोगों से हादसे के बारे में जानकारी ली। पार्टी ने इस घटना की डेढ़ माह पहले पालम हुए अग्निकांड से तुलना की है और रेखा गुप्ता सरकार को कम से कम अब सबक लेकर ठोस कदम उठाने की नसीहत दी है। 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने विवेक विहार में हुए इस दर्दनाक अग्निकांड में मारे गए 9 लोगों के प्रति पार्टी की तरफ से गहरी संवेदना प्रकट करते हुए भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली के विवेक विहार में एक और भीषण आग की घटना में 9 लोग जलकर मर गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कई तरह की एडिटिंग वाली रीलें बनाने में व्यस्त हैं। ऐसा लगता है कि उन्होंने दिल्ली में पहले हुई आग की घटनाओं से कोई सबक नहीं सीखा है। यह बेहद शर्मनाक है। सरकार की असंवेदनशीलता उसके शासन के हर पहलू में साफ झलकती है। घटना को लेकर संजीव झा ने कहा कि इस अग्निकांड की सही वजह अभी पता नहीं चल सकी है। कुछ लोग कह रहे हैं कि दमकल विभाग समय पर नहीं पहुंचा, जबकि कुछ लोगों का कहना है कि दमकल विभाग समय पर पहुंच गया था। कई लोग कह रहे हैं कि दमकल विभाग की गाड़ियां वहां तक पहुंच ही नहीं पा रही थीं। अगर ऐसा है तो अब समय आ गया है कि दमकल विभाग को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया जाना चाहिए। संजीव ने कहा कि दमकल विभाग के सामने अभी भी बहुत सारी चुनौतियां हैं।

### नौ सदस्यों की दुखद मृत्यु आत्मा को झकझोर रही है : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि सीएम रेखा गुप्ता को चाहिए कि विवेक विहार अग्निकांड में मारे गए लोगों और घायलों के परिजनों का तत्काल हर संभव मदद और सहयोग देना चाहिए। यादव ने मांग की है कि आग लगने के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए। उन्होंने दुख प्रकट करते हुए कहा कि रविवार सुबह विवेक विहार फेज 1 बी 13 स्थित एक रिहायशी इमारत में आग लगने से लगभग नौ सदस्यों की दुखद मृत्यु आत्मा को झकझोर रही है। उन्होंने कहा कि रेखा सरकार को पीड़ित परिवारों को तत्काल मदद और सहायता प्रदान करनी चाहिए। जिसमें आर्थिक मुआवजा भी शामिल हो, और पास के जीटीबी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती घायल लोगों को सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत चिंता का विषय है कि हाल के दिनों में आग लगने की कई घटनाओं में निर्दोष लोगों की जान बराबर जा रही है। उन्होंने मांग की कि रेखा गुप्ता सरकार को ऐसी आग की त्रासदियों के मामलों में तुच्छ राजनीति छोड़कर मदद और सहायता प्रदान करने में तत्परता दिखाए।

नई दिल्ली। जीटीबी अस्पताल के बाहर अपनों की याद में रोते बिलखते परिजन। फोटो : एजेंसी

### ऑटो टैक्सी चालक आज करेंगे परिवहन मुख्यालय पर प्रदर्शन

**नई दिल्ली।** दिल्ली के ऑटो टैक्सी चालकों के संगठन ऑल दिल्ली ऑटो टैक्सी ट्रांसपोर्ट कांग्रेस यूनियन ने घोषणा की है कि सोमवार को दिल्ली परिवहन विभाग के मुख्यालय राजपुर रोड पर एनफोर्समेंट की गुंडागर्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। यूनियन के अध्यक्ष किशन वर्मा ने आरोप लगाए है कि परिवहन विभाग की एनफोर्समेंट टीम के कर्मचारी अधिकारी ऑटो चालकों के साथ मारपीट व गाली गलौच करते है। उन्होंने कहा कि हमारे साथियों को अक्सर इनकी गुंडागर्दी का शिकार होना पड़ता है। लेकिन इस बार तो हद ही पार कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हमारे सारथी भाई के साथ बेहद अनुचित व्यवहार हुआ है जो बर्दाश्त करने लायक नहीं है। इसलिए ऑटो चालक सोमवार को परिवहन मुख्यालय पर विरोध प्रदर्शन करेंगे। वर्मा ने कहा कि ऑटो टैक्सी चालकों के साथ अधिकारियों द्वारा मारपीट करना कोई नई बात नहीं है।

### नियम तोड़ने वाले के पास तुरंत पहुंचेगा नोटिस

# ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा, तय समय में करना होगा भुगतान : मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में ट्रैफिक चालान से बचना अब संभव नहीं होगा और तय समय में उसका निपटारा करना हर नागरिक के लिए जरूरी होगा। दिल्ली सरकार अब ट्रैफिक चालान निपटाने के लिए एक नई, तय समय में पूरी होने वाली और व्यवस्थित प्रक्रिया शुरू कर रही है। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कदम सड़क सुरक्षा बढ़ाने, अनुशासन लाने और डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा बदलाव है। नए नियमों के अनुसार चालान को चुनौती देने के लिए सीधे कोर्ट का दरवाजा नहीं खटखटाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नई प्रणाली पूरी तरह डिजिटल, समयबद्ध और जवाबदेही तय करने वाली है। इससे न केवल ट्रैफिक नियमों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में भी कमी आएगी। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे नियमों का पालन करें, समय पर चालान का निपटारा करें और सुरक्षित व जिम्मेदार नागरिक बनें। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि अब चालान जारी करने की प्रक्रिया पूरी तरह आधुनिक होगी। पुलिस अधिकारी या अधिकृत अधिकारी चालान को फिजिकल या इलेक्ट्रॉनिक दोनों रूपों में जारी कर सकेंगे। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली यानी कैमरों और डिजिटल सिस्टम के माध्यम से चालान स्वतः भी जनरेट किए जा सकेंगे। जिनका चालान कटा है और उनका मोबाइल नंबर विभाग के पास है, उन्हें ऑनलाइन चालान तीन दिनों के भीतर और फिजिकल नोटिस 15 दिनों के भीतर संबंधित व्यक्ति तक पहुंचा दिए जाएंगे। सभी चालानों का रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर क्रमवार दर्ज किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रहेगी।

#### बार-बार उल्लंघन पर सख्ती

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में किए गए संशोधनों को जल्द लागू करने जा रही है। अब चालान की पूरी प्रक्रिया को अधिक सख्त, पारदर्शी और डिजिटल बनाया गया है। नई व्यवस्था के तहत अब अगर कोई व्यक्ति एक वर्ष के भीतर 5 या उससे अधिक बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है तो उसे गंभीर श्रेणी में माना जाएगा। संशोधित नियमों के अनुसार यदि कोई व्यक्ति एक वर्ष में पांच या उससे अधिक ट्रैफिक उल्लंघन करता है तो यह उसके ड्राइविंग लाइसेंस के निलंबन या अयोग्यता के लिए आधार बनेगा।

# 'आवासीय क्षेत्रों के सर्वे पर घबराने की जरूरत नहीं'

### संपत्ति मालिक अफवाहों पर ना दे ध्यान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत आवासीय क्षेत्रों में गैर-आवासीय उपयोग वाले परिसरों के सर्वे को लेकर राजधानी में फैले भ्रम के बीच दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा ने स्पष्ट कहा कि दिल्ली मास्टर प्लान 2021 तथा दिल्ली स्पेशल प्रोविजन्स एक्ट के तहत संरक्षित परिसरों और वैध व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी। उन्होंने व्यापारियों और संपत्ति मालिकों से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। सत्या शर्मा ने कहा कि सर्वे का उद्देश्य केवल उन मामलों की पहचान करना है, जहां नियमों का स्पष्ट उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो कारोबारी मास्टर प्लान 2021 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य कर रहे हैं, उन्हें डरने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सर्वे अवैध उपयोग, बड़े स्तर पर व्यावसायिक अतिक्रमण और गैर-कानूनी गतिविधियों की पहचान के लिए किया जा रहा है, न कि छोटे और वैध कारोबारियों को परेशान करने के लिए।

सत्या शर्मा ने कहा कि इन 24 श्रेणियों में किराना स्टोर, फल-सब्जी, दवा दुकान, डेयरी, स्टेशनरी, दर्जी, ब्यूटी पार्लर, ड्राई क्लीनर, साइबर सेवा, मोबाइल मरम्मत, फोटोकॉपी, ट्रैवल एजेंसी, क्लिनिक, पैथोलॉजी, ट्यूशन सेंटर, छोटी खाद्य सेवा इकाइयां और अन्य स्थानीय सुविधा आधारित सेवाएं शामिल हैं। सत्या शर्मा ने कहा कि ये सभी गतिविधियां यदि निर्धारित मानकों के अनुसार चल रही हैं, तो उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

## खबर संक्षेप

### श्री श्याम बाबा सेवा ट्रस्ट ने लगाया जांच शिविर

**फरीदाबाद।** बल्लभगढ़ स्थित सीताराम मंदिर में श्री श्याम बाबा सेवा ट्रस्ट एवं मारेंगो एशिया हॉस्पिटल के सहयोग से सामान्य एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। संस्था के प्रधान दीपू ठाकुर ने बताया कि सुबह 10.00 बजे शुरू हुए इस शिविर में 300 लोगों की मुफ्त में ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी एवं नेत्र जांच की गई। जांच शिविर में हॉस्पिटल से डॉ बबीता भारद्वाज, डॉ शैलेश, डॉ धुरव आदि।

### एक सप्ताह में 33 साइबर अपराधी गिरफ्तार

**फरीदाबाद।** पुलिस आयुक्त सतेंद्र कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम द्वारा ठगों पर लगातार प्रभावी कार्रवाही की जा रही है। 25 अप्रैल से 1 मई के बीच फरीदाबाद पुलिस के तीनों साइबर थानों की टीम ने एक सप्ताह में 33 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर 32,66,118 रुपए बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार फरीदाबाद पुलिस की साइबर थानों की टीम ने 7 मुकदमों में कार्रवाई करते हुए 33 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

### युवक ने 8वीं मंजिल से कूदकर किया सुसाइड

**गुरुग्राम।** डिप्रेशन के चलते यूएस से आए युवक ने सेक्टर-65 थाना एरिया की हाईराइज बिल्डिंग की 8वीं मंजिल से कूदकर सुसाईड कर लिया। युवक यूएस में अपनी पत्नी के साथ जॉब करता था। पत्नी से झगड़ा होने के बाद डिप्रेशन में आया और 28 अप्रैल को ही गुरुग्राम आया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। जानकारी अनुसार, गुडग़ांव के सेक्टर-65 स्थित एम3एम एमराल्ड हिल्स सोसाइटी निवासी 45 वर्षीय निशांत यूएस में जॉब करता था। उसकी करीब 12 साल पहले शादी हुई थी। वह अपनी पत्नी के साथ यूएस में जॉब करता था।

---

**दो दिवसीय 38वां श्री श्याम बसंत महोत्सव का हुआ समापन**

# श्याम बाबा की भक्ति में डूबे गुरुग्रामवासी, रातभर भजनों पर झूमते रहे

-रंग-बिरंग फूलों से बाबा के शीश व दरबार का मनोहारी श्रृंगार किया गया

-बाबा के भजनों का श्रद्धालुओं को रसपान कराकर झूमने पर मजबूर कर दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल गुरुग्राम की ओर से आयोजित 38वें श्री श्याम बसंत महोत्सव के दूसरे एवं अंतिम दिन श्री श्याम बाबा का भव्य जागरण हुआ। इसमें पहुंचे कलाकारों ने रातभर बाबा का गुणगान करके समां बांधे रखा। रंग-बिरंगे भव्य फूलों से बाबा के शीश व दरबार का मनोहारी श्रृंगार किया गया।

शीतला माता रोड स्थित शुभ वाटिका में श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल की ओर से आयोजित दो दिवसीय 38वां श्री श्याम बसंत महोत्सव भक्ति और श्रद्धा के अद्भुत संगम के रूप में संपन्न हुआ। आम भक्तों के साथ यहां मुख्य अतिथि ग्रुरुग्राम के विधायक एवं श्री श्याम

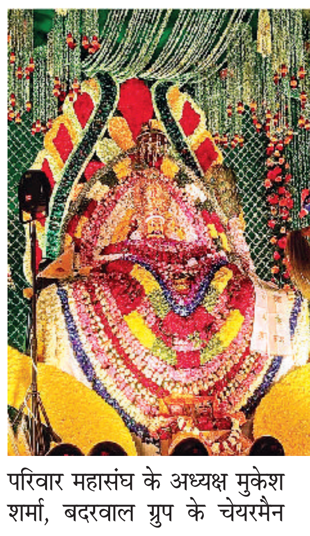

परिवार महासंघ के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, बदरवाल ग्रुप के चेयरमैन सुशील भारद्वाज व डीटीपी आरएस बाट यहां आमजन के बीच काफी समय तक झूमे। पूर्व विधायक सुधीर सिंगला भी बाबा की सेवा में लगे रहे। वृंदावन से नंदकिशोर नंदू ने हनुमान जी को नमन करते हुए अपनी प्रस्तुति में सुनाया-राम भक्त तुझे भक्त पुकारे-सालासार में रहने वाले...दया करो महावीर हनुमान। श्रीश्याम बाबा की स्तुति करते हुए उन्होंने सुनाया-कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आणो है...।

कोलकाता से आए संजय मित्तल ने हनुमान जी के चरणों में हाजिरी लगाते हुए सुनाया-मेरा बेड़ा पार लगाय दीजो सालासर महाराज...है एक आसरो थारो नहीं और कोई है म्हारो, विपदा मैं साथ निभाए दीजो सालासर महाराज। श्याम चरण में पूर्ण समर्पित हूं-इसलिए मैं सदा सुरक्षित हूं, जी भर के बिन्नू को ये लाड लडाता है-क्यूं घबराऊं..., मेरा सांवरिया आएगा-देखेगी ये दुनिया सारी-खाटू वाले की दातारी...। आगे सुनाया-जब-जब मेरे दरवाजे पर दस्तक दी दुखड़ों ने, श्याम ने देखा एक नजर वो बिखर गए टुकड़ों में...। दिल्ली से अश्वनी शर्मा (मोंटू भैया), पिंजौर से आए मुकेश मुद्गिल और अंजना आर्या ने भी बाबा के भजनों का श्रद्धालुओं को रसपान कराकर झूमने पर मजबूर कर दिया।

### महोत्सव का उद्देश्य समाज में भक्ति और सद्भावना का संदेश फैलाना

*श्री खाटू श्याम प्रचार मंडल के प्रधान राजकुमार कौशिक ने बताया कि इस महोत्सव का उद्देश्य समाज में भक्ति और सद्भावना का संदेश फैलाना है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष यह आयोजन और भी भव्य रूप में किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोग बाबा श्याम की भक्ति से जुड़ सकें। मंडल के प्रचार मंत्री राकेश शर्मा ने बताया कि संस्था के प्रधान राजकुमार कौशिक के नेतृत्व में संस्था के सभी पदाधिकारी संतराम शर्मा, विष्णु मंगला, वेद अग्रवाल, शिव बंसल, जगदीश अग्रवाल, हरिकिशन गुप्ता, विपिन गुप्ता, सचिन मित्तल, ओम प्रकाश गुप्ता और प्रदीप मोदी, बीएल अग्रवाल, दिनेश मंगला, रणबीर भारद्वाज, बालक राम चौरसिया, सुभाष रोहिल्ला, नवनीत बंसल, सुकन पाल नागर, पं हरि ओम शर्मा, पं लक्ष्मीकांत शर्मा, सरोज गर्ग, संगीता गुप्ता, कैलाश यादव आदि सभी कार्यकारिणी सदस्य व विभोर कौशिक, दीपक, निखिल, कुसाल राघव आदि युवा कार्यकर्ताओं ने यात्रा में अहम भूमिका निभाई।*

---

**मेयर जोशी ने कहा- विकास कार्यों में जनभागीदारी से मजबूत हो रहा सामाजिक ढांचा**

# खेल सुविधाओं के विस्तार से युवाओं को मिलेगी नई दिशाः मंत्री विपुल गोयल

मंत्री ने सामुदायिक केंद्र में फुटबॉल, बैडमिंटन मैदान का लोकार्पण किया

पार्कों के जीर्णोद्धार, कम्युनिटी सेंटर के निर्माण के लिए 7 करोड़ रु. स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा सरकार में राजस्व एवं शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने सेक्टर-16 स्थित सामुदायिक केंद्र में फुटबॉल, बैडमिंटन एवं बास्केटबॉल मैदान का लोकार्पण किया। उनके साथ नगर निगम मेयर प्रवीण बत्रा जोशी भी मौजूद रही।

स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि इस स्टेडियम का निर्माण एम3एम फाउंडेशन द्वारा सामाजिक दायित्व (सीआरएस) के तहत कराया गया है, जोकि फरीदाबाद के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण है। उन्होंने फाउंडेशन और इसके प्रमुख योगदानकर्ताओं और उनकी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह की पहलें समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने कहा कि यह स्टेडियम बच्चों और युवाओं के लिए खेल गतिविधियों का एक उत्कृष्ट केंद्र बनेगा, जहां उन्हें प्रशिक्षित कोचों द्वारा फुटबॉल, वॉलीबॉल, आर्चरी सहित विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि भविष्य में इस तरह के और भी खेल परिसर विभिन्न सेक्टरों और क्षेत्रों में

विकसित किए जाएंगे ताकि बच्चों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और वे स्वस्थ जीवनशैली अपना सकें। साथ ही उन्होंने सेक्टर-16 में चल रहे विकास कार्यों जैसे रोड वाइडनिंग, पार्कों के जीर्णोद्धार और नए कम्युनिटी सेंटर के निर्माण की भी जानकारी दी, जिसके लिए लगभग 7 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने पर्यावरण संरक्षण पर भी जोर देते हुए इको वन जैसी परियोजनाओं का विस्तार करने की बात कही और लोगों से अपील की कि वे पौधारोपण के साथ-साथ उनकी देखभाल पर भी ध्यान दें। उन्होंने विश्वास दिलाया कि वे अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का धन्यवाद करते हुए उनके सहयोग और समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने उपस्थित नागरिकों, आरडब्ल्यू, पदाधिकारियों, वरिष्ठ नागरिकों, मातृशक्ति, युवाओं और मीडिया प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए इस पहल की सराहना की।

नगर निगम मेयर प्रवीन बत्रा जोशी ने कहा कि यह अवसर केवल एक मिलन समारोह नहीं है, बल्कि हमारे समाज की नींव यानी हमारे बुजुर्गों और मातृशक्ति के प्रति सम्मान प्रकट करने का एक माध्यम है। उन्होंने कहा कि जनहित के कार्यों और खेल सुविधाओं के विकास से समाज के हर वर्ग को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि शहर में जनहित से जुड़े विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिनका उद्देश्य हर वर्ग तक सुविधाएं पहुंचाना है। खेल प्रशिक्षण जैसी पहलें न केवल बच्चों और युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली की ओर प्रेरित कर रही हैं, बल्कि उन्हें सकारात्मक दिशा भी प्रदान कर रही हैं। खेल गतिविधियों के माध्यम से अनुशासन, टीमवर्क और आत्मविश्वास जैसी महत्वपूर्ण गुणों का विकास होता है, जो एक मजबूत समाज के निर्माण में सहायक हैं। पार्षद मुकेश अग्रवाल, पार्षद सचिन , भाजपा महामंत्री प्रवीण चौधरी, मंडल अध्यक्ष प्रीति माला, सुभांकित गुप्ता, राजकुमार, मनीष राघव, एल.पी. सिंह, वीपी शास्त्री, अजय चौधरी, एच के बुरानी सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्तिगण मौजूद रहे।

---

**जनसमस्याओं का मौके पर हुआ समाधान**

# मंत्री राजेश नागर ने निवास पर लगाया खुला दरबार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ग्रेटर फरीदाबाद हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने अपने निवास पर खुले दरबार का आयोजन कर क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी अपनी विभिन्न समस्याएं लेकर पहुंचे, जिनका मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया।

खुले दरबार में सेक्टर-37 से आए नागरिकों ने कई अहम मुद्दे उठाए। इनमें प्रमुख रूप से सेक्टर में अंदर जाने वाले रास्ते को बंद रखने की मांग की गई। इसके अलावा नए ट्यूबवेल लगाने, पानी की सप्लाई का समय 2 घंटे से बढ़ाकर 3 घंटे करने तथा सेक्टर-37 के एमसीएफ कार्यालय में बने अंडरग्राउंड वॉटर टैंक में लीकेज की समस्या को दूर करने की मांग शामिल रहीं। मंत्री राजेश नागर ने इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्रवासियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके अलावा बीपीटीपी पार्क एलीट फ्लोर्स के निवासियों ने भी अपनी समस्याएं मंत्री के समक्ष रखीं। उन्होंने क्षेत्र के मुख्य चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए लाल बत्ती लगाने तथा व्यस्त समय के दौरान लगने वाले जाम से राहत दिलाने हेतु प्रभावी इंतजाम करने की मांग की। मंत्री नागर ने इस विषय पर भी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए और कहा कि नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। वहीं वार्ड नंबर 44 के अंतर्गत आने वाले गांव मलेरना के निवासियों ने भी अपनी परेशानी मंत्री के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि गांव में बने लगभग 50-60 मकानों को अवैध बताते हुए डीटीपी से मिले नोटिस के बाद वह काफी चिंतित और परेशान हैं। उन्होंने मंत्री से इस मामले में राहत प्रदान करने और कॉलोनी को नियमित करने की मांग की। मंत्री राजेश नागर ने लोगों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्या का संवेदनशीलता के साथ समाधान किया जाएगा और इस संबंध में उचित स्तर पर बातचीत कर सकारात्मक कदम उठाए जाएंगे। मंत्री राजेश नागर ने कहा कि सरकार जनहित के कार्यों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है ।

---

**पुलिस का दावा जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा**

# सिंगर फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर के घर फायरिंग, सुरक्षा कर्मी को लगी गोली

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-45 स्थित गांव कन्हई में बीती रात सिंगर फाजिलपुरिया के इवेंट ऑर्गेनाइजर सौरभ के घर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। दो बदमाशों द्वारा की गई फायरिंग में सौरभ की सुरक्षा में तैनात सिपाही कुलबीर गोली लगने से घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। सेक्टर-40 थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव कन्हई, सेक्टर-45 में सौरभ के मकान के बाहर दो व्यक्तियों ने गोली चलाई है एक सिपाही को गोली लगी है। सूचना मिलते ही पुलिस के तमाम आलाधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। घायल सिपाही की शिकायत पर थाना सेक्टर-40 में हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया। पुलिस के अनुसार, इस वारदात में दो गोलियां सिपाही कुलबीर के हाथ और पैर को छूती हुई निकल गईं। उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत स्थिर बताई है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सौरभ और दीपक नांदल एक-दूसरे के पुराने जानकार हैं। दोनों के बीच रुपयों के लेन-देन को लेकर विवाद चल रहा था। दीपक नांदल ने पहले भी सौरभ को धमकी दी थी। जांच में यह बात सामने आई है कि गोली चलाने की वारदात को दीपक नांदल ने ही अंजाम दिलवाया है।

### गिरफ्तारी के लिए क्राइम ब्रांच की टीमें गठित

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। वहीं क्राइम ब्रांच की अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। सौरभ यादव को गैंगस्टर दीपक नांदल से धमकी मिली हुई थी। पुलिस की तरफ से उसकी सुरक्षा में दो जवानों को लगाया गया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। पिछले साल फालिपुरिया पर हुई फायरिंग सिंगर फाजिलपुरिया पर पिछले साल फायरिंग हुई थी।

---

**सुधा बहन ने अभ्यास एवं मेडिटेशन कराया**

# ब्रह्माकुमारीज एनआईटी सेवा केंद्र ने जीआरपी के लिए कार्यक्रम का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ब्रह्माकुमारीज एनआईटी सेवा केंद्र पर रविवार को गवर्नमेंट रेलवे पुलिस स्टाफ के लिए मेडिटेशन फार पावरफुल माइंड एंड हैप्पी लाइफ पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर जीआरपी फरीदाबाद के डीएसपी राजेश चेची विशेष रूप से मौजूद रहे। इस कार्यक्रम में फरीदाबाद, रेवाड़ी, पलवल, नारनौल, दादरी, बहादुरगढ़, लोहारू, गुरुग्राम, करनाल, पानीपत, सोनीपत शहरों के रेलवे पुलिस स्टाफ ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को मानसिक तौर पर

सशक्त बनाना था ताकि वह कर्मक्षेत्र पर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। ब्रह्माकुमारी सुधा बहन ने सभी को सकारात्मक विचारों का अभ्यास एवं मेडिटेशन कराया ताकि वह जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सके।

यह कार्यक्रम डीएसपी रेलवे राजेश चेची द्वारा भी सभी को आम जन के लिए सेवा सुरक्षा सहयोग में सदैव तत्पर रहने के लिए सभी को प्रेरित किया।

---

**ननि कर्मियों की हड़ताल 5 मई तक बढ़ी**

# ठेका कर्मियों को रेगुलर होने और ठेका समाप्ति सहित अन्य मांगों के समाधान तक हड़ताल जारी रहेगीः शास्त्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर शहरी स्थानीय निकाय विभाग के कर्मचारियों की पहली मई से शुरू हुई हड़ताल 5 मई तक जारी रहेगी। अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन ने भी हड़ताल को 5 मई तक बढ़ा दिया है। नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने दो टूक कहा कि जब तक ठेका समाप्त कर ठेका कर्मियों को पक्का करने, आबादी के अनुसार नए पद सृजित कर स्थाई भर्ती करने, ठेकेदारों के मातहत लगे ठेका कर्मचारियों को सरकार द्वारा अधिसूचित न्यूनतम वेतन सहित अन्य मांगों का समाधान नहीं किया

### नरेश शास्त्री व सुभाष लांबा ने कार्यकर्ताओं में भरा जोश

तो हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने यह ऐलान रविवार को नगर निगम कांफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यकताओं की बैठक को संबोधित करते हुए किया। बैठक की अध्यक्षता नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान दलीप बोहत ने की और संचालन सचिव अनिल चिंडालिया ने किया। बैठक में अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा और नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कार्यकर्ताओं में जोश भरा और हड़ताल को सफल बनाने के लिए जुट जाने का आह्वान किया। शास्त्री ने कहा कि 5 मई को नगर निगमों में हो रहे चुनाव में मेयर पद के प्रत्याशियों को ज्ञापन सौंपे जाएंगे और उन्हें मांगों पर अपने दल का रुख स्पष्ट करने की मांग की जाएगी। अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में आगजनी की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। लेकिन सरकार फायर कर्मियों की आठ अप्रैल से चल रही हड़ताल को समाप्त करवाने के प्रति गंभीर नहीं है।

---

**मौके से जहर के नमूने, चाकू बरामद किया, पुलिस मामले की छानबीन में जुटी**

# वारदात के बाद चाकू से गला व कलाई को काट खुदकुशी का प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

सेक्टर-10ए थाना एरिया के गांव वजीरपुर में शनिवार की देर शाम घरेलू कलह के चलते सैलून संचालक ने अपनी पत्नी व चार बच्चों की जहर देकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपित ने चाकू से अपना गला व हाथ काटकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। युवक का भाई मौके पर पहुंचा तो वारदात के बारे में पता चला। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं आरोपित अस्पताल में उपचाराधीन है। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है।

मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के बिलारी निवासी मोहम्मद नाजिम (35) अपने परिवार के साथ पिछले करीब चार-पांच माह से गुरुग्राम के वजीरपुर गांव में किराये के मकान में रह रहा था। वह गढ़ी हरसरू गांव में सैलून चलाता है। बताया जा रहा है कि उसका अपनी पत्नी नाजमा के साथ अक्सर झगड़ा हो जाता था। शनिवार की रात को नाजिम सैलून

से अपने कमरे पर आया तो उसका अपनी पत्नी से किसी बात पर झगड़ा हो गया। जिसके बाद उसने अपनी पत्नी नाजमा (31) व बेटी इकरा (13), शिफा (11), बेटा आयान (7) व बेटी खदीजा नूर (6) को जहर देने के बाद गला दबाकर हत्या कर दी। जिसके बाद नाजिम ने चाकू से खुद का गला व कलाई काटकर खुदकुशी करने का प्रयास किया। नाजिम का भाई जीशान उसके घर पहुंचा तो कमरे में नाजिमा, इकरा, शिफा, आयान व खदीजा मृत अवस्था में पड़े थे। सभी के मुंह से झाग निकल रहा था। जबकि, नाजिम लहूलुहान हालत में तड़प रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने मौके से जहर के नमूने व खून से सना चाकू बरामद किया है।

### एसीपी का कहना

मामले में एसीपी वेस्ट नवीन शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक तौर की जांच में सामने आया है कि आरोपी के घर में कोई अंदरूनी कलह चल रही थी। जिसके कारण उसने यह कदम उठाया है। फिलहाल थाना पुलिस के साथ-साथ अपराध शाखा की टीमों को भी जांच लगाया गया है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं हो पाया है कि इसमें अपनी पत्नी व बच्चों को जहर दिया है या उनका गला दबाया है। पोस्टमार्टम के बाद उनकी मौत की वजह का पता चल सकेगा।

---

**बैठक का उद्देश्य आम जन हो रही असुविधाओं निवारण तत्काल प्रभाव से किया जाए**

# कांग्रेस की मासिक बैठक में संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्पः सतीश शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक कार्यालय सेंट्रल मार्केट पुराना बस अड्डा पर मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा ने की। बैठक में पार्टी संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। बैठक को मोदीनगर प्रदीप कसल( उत्तर प्रदेश पूर्व उपाध्यक्ष) एवं पूर्व सचिव पंकज तेजानियां पूर्व पार्षद सुनील चौधरी ने संबोधित किया। बैठक में 4 मई को बागपत

से चलकर यूथ कांग्रेस, किसान नौजवान यात्रा लगभग 4:00 सायं बजे इस यात्रा का स्वागत नवयुग मार्केट अंबेडकर पार्क स्वागत करने का निर्णय लिया गया। मासिक बैठक का एजेंडा सभी फ्रंटल संगठनों को जन सुविधा जो शासन प्रशासन के द्वारा मोहिया कराई जाती हैं लेकिन उसमें जनमानस को जिला गाजियाबाद के किसी भी क्षेत्रों में जो आम जनता को हो रही असुविधाएं हैं उसका निवारण तत्काल प्रभाव से करने पर रखा गया और सभी से आह्वान किया गया विधानसभा अध्यक्ष ब्लॉक अध्यक्ष की कमेटी पूरी हो चुकी है सभी को जिम्मेदारी दी गई है कि अपने-अपने क्षेत्र में पहुंचे और पब्लिक के साथ जनता के साथ उनकी समस्याओं का निवारण करवाने में उनकी मदद करें ।

## खबर संक्षेप

### 50 फीट ऊंची टंकी पर चढ़ी महिला, 9 घंटे ड्रामा

**प्रयागराज।** यहां पानी की टंकी पर चढ़कर महिला के ड्रामे का मामला सामने आया है। फाफामऊ बाइपास के पास एक पानी की टंकी पर चढ़ी महिला को देखकर लोग हैरान रह गए। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। महिला से पूछताछ की गई तो उसने अपने वकील मित्र व उसके साथियों के खिलाफ केस दर्ज कराने की मांग शुरू कर दी। आरोप था कि पुलिस उसकी सुनवाई नहीं कर रही है।

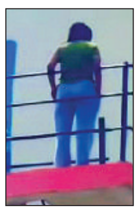

### सिपाही के घर मारा छापा, 8.75 लाख बरामद

**रांची।** झारखंड में वेतन और अन्य मदों में फर्जी निकासी के मामले में सीआईडी ने बोकारो में कोयला क्षेत्र आरएमओसी के परियोजना कर्मी को गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया। विशेष एसआईडीसी अदालत ने काजल मंडल को जेल भेज दिया। आरोपी के निशानदेही पर एसआईडीसी ने बोकारो आवास से 8.75 लाख नकद बरामद किए। यहीं से वेतन की फर्जी निकासी से जुड़े कई दस्तावेज भी मिले।

### कार पर टूटा रफ्तार का कहर एक साथ 4 की मौत

**मुजफ्फरपुर।** जिले में रविवार को दिल दहला देने वाला हादसा हुआ। जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र स्थित रतनपुर में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। एक तेज रफ्तार कार और ट्रक के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। इस दुर्घटना के बाद पूरे इलाके में कोहराम मच गया।

---

अखिलेश के बयान पर केशव का पलटवार

# 2047 तक सैफई परिवार का सीएम बनने का सपना अधूरा ही रहेगा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को भाजपा सरकार और संगठन में एकजुटता का संदेश देते हुए समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की बयानबाजी पर पलटवार किया। उन्होंने कहा, 2027 क्या, 2047 तक भी सैफई परिवार का मुख्यमंत्री बनने का सपना अधूरा ही रहेगा। यादव ने शनिवार को केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की तस्वीर साझा कर 'एक्स' पर कहा था, दो स्टूल मिलकर कुर्सी नहीं बन सकते। राजनीतिक विश्लेषकों ने इसका मतलब निकाला कि दोनों मिलकर भी मुख्यमंत्री नहीं बन सकते। केशव प्रसाद मौर्य ने 'एक्स' पर जवाब देते हुए कहा, सपा बहादुर अखिलेश यादव, आपके इशारों पर मर्यादा लांघकर 'फर्जी पीडीए' परोसने वालों को प्रदेश की जागरूक जनता भली-भांति पहचानती है। उन्होंने कहा, सदन में आपकी भाषा व आचरण ही आपके समर्थकों की शैली एवं व्यवहार में साफ दिखते हैं और यही आपकी राजनीति की असल फितरत भी उजागर करते हैं।

---

पहली बार राज्य निर्वाचन आयोग से सभी ग्राम पंचायतों की वोटर लिस्ट में दर्ज वोटरों के लिए स्टेट वोटर नंबर जारी किया गया है, जो नौ अंक का होगा और एक मतदाता के लिए एक ही नंबर होगा। इस नंबर के होने से त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे नाम पर वोट नहीं डाल सकेगा।

फर्जी मतदान पर लगेगी लगाम

# यूपी पंचायत चुनाव की वोटर लिस्ट में पहली बार स्टेट नंबर होगा अलॉट

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग पर के निर्देश पर आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को देखते हुए ग्राम पंचायत की मतदाता सूची का वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। आयोग के निर्देश पर पहली बार ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची के सभी मतदाताओं का स्टेट वोटर नंबर एलाट होगा। एक मतदाता के लिए एक ही नंबर होगा जिससे किसी दूसरे व्यक्ति नाम पर कोई भी व्यक्ति वोट नहीं डाल सकेगा।

## सभी मतदाताओं को एसवीएन नंबर एलाट हो गया है

देवरिया में कुल 1121 ग्राम पंचायतें हैं। पुनरीक्षण अभियान के तहत 23 दिसंबर को ग्राम पंचायतों की अनंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन हुआ था। जिसमें जनपद के सोलह विकास खंडों में पुरुष व महिला वोटरों की कुल संख्या 23,83, 510 है। अभी अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित नहीं हुई है। पहली बार राज्य निर्वाचन आयोग से सभी ग्राम पंचायतों की मतदाता सूची में दर्ज मतदाताओं के लिए स्टेट वोटर नंबर जारी किया गया है, जो नौ अंक का होगा और एक मतदाता के लिए एक ही नंबर होगा। इस नंबर के होने से आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे नाम पर वोट नहीं डाल सकेगा। यदि दूसरे का वोट डालने का प्रयास किया तो स्टेट वोटर नंबर से तुरंत पकड़ जाएगा। विभाग की माने तो अब तक जो भी ग्राम पंचायतों के मतदाताओं की अनंतिम सूची प्रकाशित हुई है उसमें सभी मतदाताओं को एसवीएन नंबर एलाट हो गया है। वहीं सिर्फ जो अब तक नए मतदाता बने हैं उनका एसवीएन नंबर अभी एलाट नहीं हुआ है। जल्द ही नए मतदाताओं का भी एसवीएन नंबर जारी कर दिया जाएगा।

---

समग्र शिक्षा के 1,29,332 शिक्षामित्रों को 18,000 प्रतिमाह

# योगी सरकार का शिक्षामित्रों के सम्मान में बड़ा कदम,5 मई को गोरखपुर से होगा भव्य आयोजन

*योगी सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 18,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया है, जिसका लाभ 1.43 लाख शिक्षामित्रों को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 5 मई को गोरखपुर में एक राज्यस्तरीय कार्यक्रम से इस पहल का औपचारिक शुभारंभ करेंगे और शिक्षामित्रों से संवाद भी करेंगे।*

**खास बातें**

- 1.43 लाख शिक्षामित्रों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा
- औपचारिक शुभारंभ के साथ शिक्षामित्रों से संवाद भी करेंगे
- शिक्षा सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने शिक्षामित्रों के मानदेय में वृद्धि के बाद अब उनके सम्मान को भी प्राथमिकता देते हुए व्यापक तैयारी शुरू कर दी है। इस पहल को प्रदेशव्यापी स्वरूप देते हुए आगामी 5 मई को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्यस्तरीय भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। 18,000 प्रतिमाह मानदेय के साथ लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों को इस प्रक्रिया से जोड़ा जाएगा, जिसके माध्यम से पूरे प्रदेश में यह स्पष्ट संदेश जाएगा कि शिक्षा व्यवस्था की नींव को मजबूत करने वाले शिक्षामित्रों को अब उचित पहचान और संबल मिल रहा है। शिक्षामित्रों को अप्रैल माह से ही बढ़े हुए मानदेय का लाभ मिलना शुरू हो चुका है और अब 5 मई को गोरखपुर के बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह से मुख्यमंत्री इसके औपचारिक शुभारंभ के साथ शिक्षामित्रों से संवाद भी करेंगे। सुबह 11 बजे होने वाले इस कार्यक्रम के समानांतर सभी जनपदों में भी आयोजन कर इसे व्यापक रूप दिया जाएगा। परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत लगभग 1.43 लाख शिक्षामित्रों के लिए लिया गया यह निर्णय अब पूरी तरह लागू हो चुका है। 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी इस व्यवस्था के अंतर्गत बेसिक शिक्षा के 13,597 और समग्र शिक्षा के 1,29,332 शिक्षामित्रों को 18,000 प्रतिमाह की दर से भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनका आर्थिक सशक्तीकरण हुआ है।

### *यह पहल विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देगी*

*योगी सरकार शिक्षा क्षेत्र में सुधार और बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मानदेय में वृद्धि और यह पहल शिक्षामित्रों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता को भी नई दिशा देगी। गोरखपुर में होने वाला यह आयोजन शिक्षा सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।*

### *यूपी ने बनाया 9 साल में 9 लाख से अधिक नौकरी देने का रिकॉर्ड*

*सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में अब नहीं चलती रिश्वत यूपी में पिछले नौ वर्षों में 9 लाख से अधिक नौजवानों को सरकारी नौकरी दी गई है। यह किसी भी राज्य में सर्वाधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया को सकुशल एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न करने का रिकॉर्ड है। सिर्फ अधीनस्थ चयन आयोग इस वर्ष 32 हजार से अधिक नियुक्तियों की प्रक्रिया संपन्न करेगा। शिक्षा चयन आयोग हजारों शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पूरी करेगा। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को लगभग 15 हजार भर्तियां करनी है। इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष (2026-27) में डेढ़ लाख से अधिक सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया संपन्न होनी है। प्रक्रिया में किसी प्रकार की सेंध न लगे, इसके लिए सख्त कानून भी बनाया है, जिसके तहत सेंधमारी करने वालों को आजीवन कारावास की सजा और उसकी पूरी संपति को जब्त किया जाता है।*

---

जेडीयू ऑफिस से हरी झंडी

# सद्भाव यात्रा पर निकले निशांत पिता नीतीश से लिया आशीर्वाद

एजेंसी ▶▶ पटना

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने पिता की तर्ज पर यात्रा वाली राजनैतिक पारी शुरू कर दिया है। रविवार को निशांत पटना से रवाना हुए। जदयू ऑफिस से निशांत की गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इससे पहले निशांत कुमार ने 7 सर्कुलर रोड में पिता नीतीश कुमार से आशीर्वाद लिया।

महात्मा गांधी की कर्मभूमि चंपारण से निशांत कुमार अपने पहले राजनैतिक यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं जदयू कार्यकर्ताओं में अपने नए नेता के सुपर ऐक्टिव मोड में देखकर खुशी की लहर है। रास्ते में निशांत कुमार का जगह जगह स्वागत किया गया।

### *सभी के बीच हो भाईचारे की भावना*

*जदयू की सदस्यता ग्रहण करते समय निशांत ने पूरे बिहार की यात्रा करने का ऐलान किया था। कहा था कि पहले बिहार के लोगों से उनकी सोच और समस्या और जिला स्तर पर पार्टी के कार्यकर्ताओं से रूबरू होना है। उन्होंने यात्रा को लेकर कहा कि उनका उद्देश्य राज्य के हर अमीर और गरीब, दलित या गैर-दलित सभी को साथ लेकर चलना है। इसके लिए उनतक पहुंचकर उनसे बात करना जरूरी है। सभी के बीच भाईचारे की भावना होनी चाहिए। निशांत ने कहा कि उनके पिता ने भी चंपारन से यात्रा की शुरुआत की थी।*

### *संगठन को मजबूत करना है लक्ष्य*

*निशांत कुमार ने बताया कि इस यात्रा का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि यह मेरी पहली राजनीतिक यात्रा है। पार्टी के कार्यकर्ता भाइयों से मिलना है, उनके विचार सुनना है और उनसे बातचीत करके राज्य की स्थिति की जानकारी लेना है। मिलकर आम जनों की समस्याओं का समाधान खोजने का प्रयास करना है।*

---

# मुजफ्फरपुर में भीषण सड़क हादसा, ट्रक-कार की टक्कर में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर जिले के मोतीपुर थाना क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। यह हादसा मुजफ्फरपुर-मोतिहारी एनएच-27 पर रतनपुरा स्थित गोपाल ढाबा के पास हुआ। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे पर भारी भीड़ जुट गई। मृतकों के परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई।घटना की सूचना मिलते ही मोतीपुर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार और बरूराज थाना अध्यक्ष कुणाल कश्यप पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। कार में शव बुरी तरह फंसे हुए थे, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

### कार से मुजफ्फरपुर जा रहे थे युवक

बताया जा रहा है कि चारों युवक स्विफ्ट कार से मोतीपुर से मुजफ्फरपुर के लिए निकले थे। जैसे ही उनकी कार मोतीपुर ओवरब्रिज से आगे बढ़ी, सामने से रॉन्ग साइड में एक बाइक सवार आ गया। उसे बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई, पहले बाइक से टकराई और फिर सड़क किनारे खड़े ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चारों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

### पूरे इलाके में छाया मातम

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा गलत दिशा से आ रहे बाइक सवार को बचाने के दौरान हुआ। फिलहाल, चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया है। मृतकों की पहचान मोतीपुर बाजार निवासी कृष्णा राय (पिता- रूपनंदन राय), छोटू उर्फ सोनू (पिता- जितेंद्र राय) तथा बरूराज निवासी संतोष कुमार (पिता- बालेन्द्र साह) और गुंजन कुमार (पिता- नवल चौधरी) के रूप में हुई है। इस हादसे के बाद पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

---

अखिलेश यादव ने टॉपर्स को बांटे लैपटॉप

# सपा सरकार बनी तो केजी से पीजी तक बेटियों की पढ़ाई मुफ्त

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा झूठ की सोनपापड़ी बनाती है, जिस पर परत-दर-परत झूठ चढ़ाया जाता है। मेरठ से आए मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर केजी से लेकर पीजी तक बेटियों की पढ़ाई पूरी तरह मुफ्त की जाएगी। रविवार को सपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने ने मेरठ के 10वीं और 12वीं के टापर छात्र-छात्राओं को लैपटॉप वितरित किए। इस मौके पर सरधना के विधायक अतुल प्रधान भी मौजूद रहे। उनके सहयोग से लखनऊ के कुछ मेधावी छात्र-छात्राओं को भी लैपटॉप दिए गए। उन्होंने कहा कि डिजिटल डिवाइस देने की शुरुआत सबसे पहले समाजवादी पार्टी ने की थी, जिसका मकसद डिजिटल डिवाइड को खत्म करना था। उन्होंने दावा किया कि उस समय दिए गए लैपटॉप आज भी चल रहे हैं और कई युवाओं ने उसी के जरिये अपने प्रोफेशनल करियर की शुरुआत की।

---

बरेली में बड़ी घटना

# तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत,गांव में शोक का माहौल

एजेंसी ▶▶ बरेली

बरेली के मीरगंज क्षेत्र के तिलमास गांव में रविवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना हुई। गांव के तालाब में नहाने गए तीन बच्चों की डूबने से मौत हो गई। इस हादसे में एक चौथा बच्चा डूबने से बच गया, जिसने अपने साथियों को आंखों के सामने डूबते देखा। इस घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है। तालाब के पास मछली पालन करने वाले राजू घटना के समय सो रहे थे। गबनीश की चीख-पुकार सुनकर जब तक राजू वहां पहुंचे, तब तक तीनों बच्चे पानी में डूब चुके थे। राजू ने बच्चों को तालाब से बाहर निकाला और परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

### *ग्रामीण बोले- तालाब पर सुरक्षा के इंतजाम नहीं*

*ग्रामीणों ने बताया कि यह तालाब सड़क किनारे स्थित है और सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं हैं। न कोई चेतावनी बोर्ड लगा है और न ही बच्चों को रोकने के लिए घेराबंदी की गई है। इस दर्दनाक हादसे ने प्रशासनिक लापरवाही और जलाशयों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था की कमी को उजागर कर दिया है। तीनों मासूमों की मौत की खबर से तिलमास गांव में चीख-पुकार मच गई। माताओं का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं परिजन और ग्रामीण गहरे सदमे में हैं। एक ही समय में तीन घरों के चिराग बुझ जाने से पूरा गांव गमगीन हो गया है।*

---

# गया में अनोखा महायज्ञ शुरू, मिर्च की आहुति बना खास आकर्षण, श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ा

एजेंसी ▶▶ गया

बिहार के गया जिले के इमामगंज प्रखंड स्थित पाकरडीह गांव इन दिनों भक्ति और आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साथ श्री शतचंडी रुद्र शनि शांति मारुति महायज्ञ का भव्य शुभारंभ रविवार को कलश यात्रा के साथ किया गया। इस महायज्ञ की सबसे खास बात मिर्च से दी जाने वाली आहुति है, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और जिज्ञासा देखने को मिल रही है। बताया जा रहा है कि इस तरह का आयोजन बिहार में बहुत कम देखने को मिलता है, इसलिए आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं।

### कलश यात्रा में हजारों भक्तों ने भाग लिया

शुभारंभ के अवसर पर निकाली गई कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यात्रा यज्ञ स्थल से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए नदी तट तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच जल भरकर श्रद्धालु वापस यज्ञ मंडप पहुंचे और विधि-विधान से कलश स्थापना की गई। पूरे मार्ग में 'जय श्रीराम', 'हर-हर महादेव' और 'जय शनिदेव' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन स्थल को आकर्षक रोशनी और सजावट से सजाया गया है, जिससे शाम के समय यज्ञशाला का दृश्य बेहद मनोहारी नजर आ रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेले और मीना बाजार का भी आयोजन किया गया है।

---

## पेज एक का शेष

### कोई बिस्तर पर...

से उठ तक नहीं पाए और सोते हुए ही मौत की आगोश में समा गए। तीसरे फ्लोर पर रहने वाला एक परिवार अपनी जान बचाने के लिए छत की तरफ भागा था, लेकिन छत का दरवाजा बंद होने के कारण वे वहां फंस गए। छत तक पहुंचने की कोशिश में नाकाम रहने पर उन लोगों की सीढ़ियों पर ही झुलसकर मौत हो गई। इस अग्निकांड में अब तक 9 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है और यह आंकड़ा बढ़ने की आशंका जताई गई है। लाशें इस हद तक झुलस चुकी हैं कि उनकी पहचान करना और जेंडर का पता लगाना भी नामुमकिन हो गया है। शवों की पहचान के लिए अब डीएनए टेस्टिंग का सहारा लिया जाएगा। हालांकि शुरुआती तौर पर आग का कारण एसी ब्लास्ट और शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, लेकिन प्रशासन अभी घटना के सटीक कारणों की आधिकारिक जांच कर रहा है।

### दिल्ली की आईएएस ...

आरोपी ने भोपाल में कोचिंग की दूसरी ब्रांच खोलने और उस जगह का निरीक्षण कराने के बहाने उन्हें 30 अप्रैल को बुलाया था। वह दिल्ली से भोपाल आई थीं। वह होटल ताज में ठहरी थीं। गुरुवार को आरोपी प्रियंक शर्मा उन्हें होटल से दोपहर करीब 2-3 बजे अपने साथ ले गया। इसके बाद बागसेवनिया इलाके के एक फ्लैट में ले जाकर बंधक बना लिया। यहां उन्हें करीब 4 घंटे तक कैद रखा गया। पुलिस कमिश्नर संजय सिंह ने बताया कि प्रियंक पहले से केयर एकेडमी की एक फ्रेंचाइजी चला रहा था। उसे अंदाजा था कि डायरेक्टर के पास पर्याप्त पैसा है, इसलिए उसने साजिश रची। उसने दतिया और रीवा में रहने वाले बदमाशों को बुलाया था। प्रियंक ने शुभ्रा की कनपटी पर देशी पिस्टल रखी गई। जान बख्शने के एवज में अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर कराए गए। पुलिस कमिश्नर ने बताया कि जिस फ्लैट में महिला डायरेक्टर को बंधक बनाया गया था, वहां वारदात वाले दिन सोमवार को सुंदरकांड का पाठ कराया गया। मकसद था कि पीड़िता शोर मचाए तो आवाज बाहर तक न पहुंचे। गुरुवार रात साढ़े 8 बजे उनकी रिहाई हुई। पुलिस ने सभी खातों में रकम होल्ड करा दी है, ताकि रकम सुरक्षित रहे।

---

सीवान के चर्चित हर्ष मर्डर केस में पुलिस ने एनकाउंटर किया

# सम्राट के राज में 18 दिन में मगध व सारण में 5 एनकाउंटर

एजेंसी ▶▶ पटना

बिहार में अपराधियों पर ताबड़तोड़ ऐक्शन हो रहा है। मुख्यमंत्री की गद्दी संभालने के बाद सम्राट चौधरी ने पहले ही कहा था कि वो अपराधियों का पिंडदान करेंगे। सीएम के इस कथन के बाद से ही राज्य में अपराधियों पर पुलिस कहर बनकर बरप रही है। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि महज 18 दिन के सम्राट चौधरी के राज में मगध से अंग और सारण तक पांच एनकाउंटर अब तक हो चुके हैं। सबसे पहले बात करते हैं आज यानी रविवार को सीवान जिले में हुए ताजा एनकाउंटर की।

## सारण में दो एनकाउंटर

सीवान के चर्चित हर्ष मर्डर केस में पुलिस ने सुबह-सुबह एनकाउंटर किया है। पुलिस ने इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी सोनू यादव को मुठभेड़ में मार गिराया है। यहां भाजपा नेता व पूर्व एमएलसी मनोज सिंह के भांजे हर्ष सिंह की गत 29 अप्रैल को गोली मारकर हत्या करने वाले मुख्य आरोपित सोनू यादव को पुलिस के साथ मुठभेड़ में रविवार की अहले सुबह ढेर कर दिया गया। गाड़ी सटने के विवाद में पूर्व एमएलसी के भांजा व बहनोई को गोली मार दी गई थी। इससे पहले इस हत्याकांड के एक दिन बाद सुबह सीवान पुलिस ने इसी मर्डर केस से जुड़े एक अन्य आरोपी छोटू यादव का हाफ एनकाउंटर किया था।

### *अंग के सुल्तानगंज में रामधनी यादव का एनकाउंटर*

*पुलिस ने बिहार के भागलपुर के सुल्तानगंज नगर परिषद के सभापति पर हुए हमले के कथित मुख्य साजिशकर्ता रामधनी यादव को 29 अप्रैल को पुलिस मुठभेड़ में मारा गिराया था। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस उपाधीक्षक और दो निरीक्षक घायल हो गए थे। दरअसल 28 अप्रैल को तीन हथियारबंद अपराधियों ने सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में सभापति राजकुमार के कक्ष में गोलीबारी की थी। जिसमें सभापति और कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। बाद में कार्यपालक पदाधिकारी की मौत हो गई थी। रामधनी यादव पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था।*

### *ज्वेलरी लूटकांड के आरोपी का पटना में हाफ एनकाउंटर*

*22 अप्रैल को पटना पुलिस ने एक हाफ एनकाउंटर किया था। पुलिस ने रामकृष्णा नगर इलाके में एक ज्वेलरी लूट के आरोपी को उसी जगह पर गोली मारी थी जहां अपराधियों ने लूट के माल का बंटवारा किया था। दरअसल 19 अप्रैल को रामकृष्णा नगर में गहनों की लूटपाट हुई थी। पटना के एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने बताया था कि दिलीप ने अपना जुर्म कबूल कर लिया था। पुलिस जब उसे लेकर हथियार बरामदगी के लिए गई थी तब उसने पुलिस पर गोली चलाई थी। जिसके बाद मोर्चा संभालते हुए पुलिस ने उसके पैर में गोली मारी थी।*

### *नवादा में 50 हजार के इनामी का एनकाउंटर*

*पुलिस ने 26 अप्रैल को नवादा जिले में एक हाफ एनकाउंटर किया था। यहां रोह थाना क्षेत्र के कोशी गांव में राइस मिल के पास पुलिस की गोली लगने से एक अपराधी घायल हो गया था। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और 3 कारतूस बरामद किए थे।*

# 60 की उम्र में किसी पर निर्भर होना नर्क से भी बदतर : माधवन

**नई दिल्ली।** आर माधवन ने बढ़ती उम्र, जीवन की प्लानिंग और तेजी से बदलती दुनिया में रिलेवेंट बने रहने की चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की है। आपके जीवन के पहले 30 साल प्लान्ड होते हैं। अगले 30 साल करियर और परिवार बनाने के बारे में होते हैं। लेकिन, 60 साल की उम्र में एक ठहराव आ जाता है। अगले 30 साल का कोई भविष्य तय नहीं होता। कोई योजना नहीं होती। जब उनसे उनके सबसे बड़े डर के बारे में पूछा गया, तो एक्टर ने खुलकर जवाब दिया। उन्होंने स्वीकार किया, 'मेरा सबसे बड़ा डर किसी पर निर्भर होना है, शारीरिक या आर्थिक रूप से। यह मेरे लिए नरक से भी बदतर है। उन्होंने बुढ़ापे में गरिमा और योगदान के महत्व के बारे में भी बात की।'

## लाइफ Style

# तारा

## कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को करेंगी रिप्रेजेंट

बॉलीवुड एक्ट्रेस तारा सुतारिया साल 2026 में अपने पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल डेब्यू के लिए तैयार हैं। खबरें हैं कि वो ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी। तारा सुतारिया इन दिनों अपनी फिल्म 'टॉक्सिक को लेकर चर्चा में हैं।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अब उन्हें लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। तारा सुतारिया 2026 में 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म टॉक्सिक से पहले तारा 2026 के कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारत को रिप्रेजेंट करतीं नजर आने वाली हैं। अपनी आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर बढ़ती एक्साइटमेंट के बीच तारा सुतारिया अपने कॅरियर के एक नए और बड़े दौर में कदम रखने के लिए तैयार नजर आ रही हैं, जो सिर्फ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक्ट्रेस 2026 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में डेब्यू करने जा रही हैं, जो उनके ग्लोबल सफर का बड़ा पड़ाव माना जा रहा है। टॉक्सिक से पहले तारा सुतारिया कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 में डेब्यू करेंगी और ग्लोबल मंच पर भारत को रिप्रेजेंट करेंगी. टॉक्सिक पहले ही चर्चा में है, और यह डेब्यू उनके करियर के एक बड़े इंटरनेशनल दौर की शुरुआत माना जा रहा है। कान्स डेब्यू को लंबे समय से उन कलाकारों के लिए एक बड़े पड़ाव के तौर पर देखा जाता है, जो इंटरनेशनल पहचान बनाना चाहते हैं, और तारा सुतारिया के लिए यह मौका ऐसे समय पर आया है जब उनके काम के चुनाव लगातार लोगों का ध्यान खींच रहे हैं।

## हॉलीवुड मसाला

# फ्री कॉन्सर्ट में लाखों लोग हुए शामिल

**लॉस एंजिल्स।** वाका वाका फेम इंटरनेशनल सिंगर शकीरा के एक फ्री कॉन्सर्ट में फैंस का मेला लग गया। अनुमान है कि लगभग 20 लाख लोग इस शो में शामिल हुए। सोशल मीडिया पर शकीरा के शो का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। लैटिना पॉप सिंगर शकीरा ने शनिवार रात यानी 2 मई को ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में कोपाकबाना बीच पर एक फ्री कॉन्सर्ट किया। फैंस शकीरा के गानों पर थिरकते नजर आए। शकीरा का यह फ्री कॉन्सर्ट रियो डी जेनेरियो के सिटी हॉल की एक पहल का हिस्सा है।

# लॉस एंजिल्स में हुई सिटाडेल 2 की स्क्रीनिंग

**लॉस एंजिल्स।** लॉस एंजिल्स में 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग में प्रियंका चोपड़ा ने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। उन्होंने ब्लैक रंग की खूबसूरत कढ़ाई वाली ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी थी। प्रियंका हमेशा की तरह इस बार भी रेड कार्पेट पर बोल्ड और एलिगेंट नजर आईं। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग लॉस एंजिल्स के एजीबीओ स्टूडियो में हुई। प्रियंका के साथ फिल्म के सह-कलाकार स्टैनली टुची और एशले कमिंग्स भी मौजूद थे। स्क्रीनिंग के बाद एक सवाल-जवाब भी रखा गया, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा प्रियंका की ड्रेस की रही। 'सिटाडेल 2' की स्पेशल स्क्रीनिंग के दौरान प्रियंका ने ब्लैक ट्रांसपेरेंट ड्रेस पहनी। इसमें फुल स्लीव्स और हाई नेकलाइन थी। ऊपरी हिस्सा बॉडी-फिट ड्रेस के साथ रहा, जबकि ड्रेस का नीचे हिस्सा ट्रांसपेरेंट और चमकदार लेस वाली स्कर्ट जैसा है।

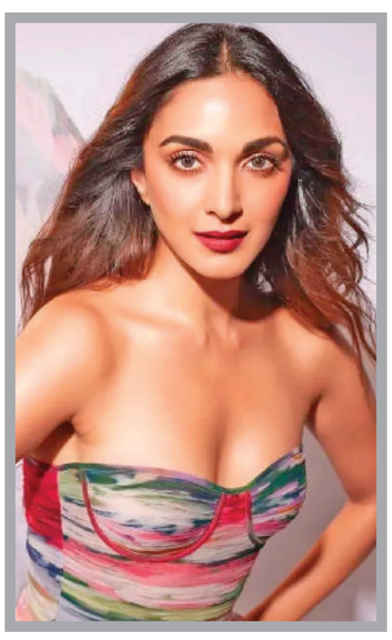

# इंटीमेट सीन कम करने की मांग

**मुंबई।** कियारा आडवाणी की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' को लेकर एक नई खबर सामने आई है। स्क्रीन पर फिल्म देखने के बाद कियारा ने मेकर्स से कुछ इंटीमेट सीन कम करने या काट देने की मांग की है। यश और कियारा आडवाणी स्टारर 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन अप्स' इन दिनों फिर चर्चा में आ गई है। हाल ही में फिल्म से जुड़ा एक नया विवाद सामने आया है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। बताया जा रहा है कि फिल्म के ट्रेलर और बोल्ड सीन्स को देखने के बाद कियारा आडवाणी ने इंटीमेट सीन को कम करने की मांग की है। एक रिपोर्ट्स के मुताबिक, जब फिल्म में बोल्ड सीन्स शूट किए गए थे, तब कियारा को भरोसे के साथ कहा गया था कि इसकी शूटिंग उनके कंफर्ट के हिसाब से ही होगी।

# टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाओ नहीं

**मुंबई।** सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच रविवार को सलमान ने अपनी कुछ खास तस्वीरें शेयर कर फैंस का दिल जीत लिया है। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने अपने फैंस को एक खास सलाह भी दी है। सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों के साथ सलमान ने काम को लेकर सलाह दी है। सलमान ने कैप्शन में लिखा, 'यह किसी भी फील्ड के लिए है। पहले सोच लो, समझ लो, स्पष्ट हो जाओ, फैसला कर लो और सब कुछ भूलकर आगे बढ़ो।' सलमान ने आगे लिखा, 'टोपी से याद आया-टोपी खुद पहनो, किसी को पहनाना नहीं और न किसी को पहनने दो।' सलमान खान ने इंस्टाग्राम पर इन तस्वीरों को शेयर किया है।

## टीवी मसाला

# डर का नया दौर... खतरों से खेलने आ रहे हैं 12 खिलाड़ी

**नई दिल्ली।** स्टंट बेस्ड शो खतरों के खिलाड़ी सबसे पसंदीदा रियलिटी शोज में से एक है। पिछले साल किसी कारण से 15वां सीजन नहीं आ पाया था लेकिन अब आखिरकार नया सीजन नए ट्विस्ट एंड टर्न के साथ लौटकर आ रहा है। इस बार खतरा पहले से भी ज्यादा खतरनाक होने वाला है। काफी दिनों से खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 को लेकर चर्चा हो रही थी। यहां तक कि कुछ कंटेस्टेंट्स हिंट्स के जरिए फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ा रहे थे। अब आखिरकार शो की ऑफिशियल कंटेस्टेंट्स लिस्ट सामने आ गई है, साथ ही शो की पहली झलक भी रिवील कर दी गई है। रविवार को खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 की ऑफिशियल अनाउंसमेंट हो गई है, साथ ही सभी खिलाड़ियों के नाम भी जारी कर दिए गए हैं। इस बार शो की टैगलाइन 'डर का नया दौर' रखी गई है। इस बार शो में बिग बॉस सीजन 19 के दो धुरंधर होंगे, जिनका शो में खट्टा-मीठा बॉन्ड रहा और वह फरहाना भट्ट और गौरव खन्ना हैं। फरहाना और गौरव के अलावा खतरों के खिलाड़ी शो में टीवी जगत के कई बड़े धुरंधर खतरों से खेलते हुए नजर आएंगे जिसमें करण वाही, ऋत्विक धनजानी, विशाल सिंह, अविनाश तिवारी, सोशल मीडिया स्टार ओरी, जैस्मिन भसीन, हर्ष गुजराल, अविका गौर, शगुन शर्मा और रुबीना दिलैक हैं। सभी कंटेस्टेंट्स के ग्राफिक वीडियो शेयर किया गया है। खतरों के खिलाड़ी सीजन 15 कब शुरू होगा और इसकी शूटिंग कहां होगी, अभी तक इसको लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

## बैटलग्राउंड 2 बना जंग का अखाड़ा

**नई दिल्ली।** हाल ही में मेंटर के तौर पर रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' में एक्ट्रेस निक्की तंबोली की एंट्री हुई। इस शो में पहले से ही मेंटर के तौर पर भोजपुरी स्टार खेसारी लाल एक टीम को सपोर्ट कर रहे हैं। रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड 2' के अपकमिंग एपिसोड में खेसारी और निक्की तंबोली आपस में भिड़ गए। शो 'बैटलग्राउंड 2' के हालिया रिलीज प्रोमो में खेसारी लाल यादव निक्की तंबोली और उनकी टीम पर गेम में बेईमानी करने का आरोप लगाते दिखे। वह बोले- 'बड़े गिरे हुए लोग हैं।' वह आगे कहते हैं, 'पूरी दुनिया देख रही है, आपका कारनामा।' लेकिन निक्की कहती हैं कि गेम के लिए एक साथ होकर खेलना जरूरी है। खेसारी लाल यादव के अलावा 'बैटलग्राउंड 2' के अन्य मेंटर अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान ने भी निक्की तंबोली को खरी-खोटी सुनाई। इससे पहले भी निक्की और अभिषेक के बीच झगड़ा हो चुका है, जिसमें निक्की ने अभिषेक को खूब उल्टा-सीधा कहा था। बैटलग्राउंड 2 एक इंडियन फिटनेस रियलिटी शो है।

# एआई से बनी फिल्मों को बड़ा झटका!

## ऑस्कर के नियमों में हुए बदलाव; बढ़ाई गई फिल्म की ये कैटेगरी

**नई दिल्ली।** अकादमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज ने ऑस्कर के लिए कई बड़े नियमों में बदलाव का ऐलान किया है। इससे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल पर क्लैरिटी आई है। ऑस्कर ने खास कैटेगरी में कई बदलाव किए हैं। द हॉलीवुड रिपोर्टर के मुताबिक, अपनी नई घोषणा में, अकादमी ने कहा है कि एआई का इस्तेमाल करके बनाई गई फिल्में अवॉर्ड के योग्य नहीं होंगी। सिर्फ इंसानी अदाकारी वाली फिल्में ही क्वालिफाई होंगी। यह कदम फिल्मों में एआई के इस्तेमाल को लेकर बढ़ते सवालों के बाद उठाया गया है। अकादमी ने यह भी कहा कि राइटिंग कैटेगरी के लिए सिर्फ इंसानों की तरफ से लिखे गए स्क्रीनप्ले पर ही विचार किया जाएगा। उसने यह भी कहा कि वह फिल्ममेकर्स से इस बारे में और जानकारी मांग सकती है कि उनके प्रोजेक्ट में एआई का इस्तेमाल कैसे किया गया है। इंटरनेशनल फीचर फिल्म कैटेगरी में अहम बदलाव हुए हैं। पहले, हर देश विचार के लिए सिर्फ एक फिल्म भेज सकता था। अब, फिल्में कान्स, बर्लिन, सनडांस, टोरंटो, वेनिस और बुसान जैसे बड़े ग्लोबल फिल्म फेस्टिवल में टॉप अवॉर्ड जीतकर भी क्वालीफाई कर सकती हैं। इसका मतलब है कि एक ही देश की एक से ज्यादा फिल्मों को रेस में शामिल होने का मौका मिलेगा। एक और बड़ा बदलाव यह है कि इस कैटेगरी में अवॉर्ड अब देश के बजाय फिल्म के डायरेक्टर को मिलेगा। एक्टिंग कैटेगरी में एक बड़ा बदलाव यह है कि एक्टर अब एक ही कैटेगरी में अलग-अलग परफॉर्मेंस के लिए कई नॉमिनेशन पा सकते हैं। पहले, एक एक्टर की सिर्फ एक परफॉर्मेंस को नॉमिनेट किया जा सकता था।

# लता ने हॉरर थ्रिलर के लिए गाया था कल्ट गाना, भूतनी को दी थी आवाज

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा की मशहूर गायिका के तौर पर लता मंगेशकर को जाना जाता था। बेशक आज वह हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके द्वारा गाए गए एक से बढ़कर एक गीत हर कोई सुनना पसंद करता है। इस बीच हम आपको लता दीदी के एक 64 साल पुराने एक ऐसे सॉन्ग के बारे में बताने जा रहे हैं, जो उन्होंने एक हॉरर थ्रिलर फिल्म के लिए गाया था। सुरों की कोकिला का ये गीत आज भी कल्ट माना जाता है। साल 1962 में हिंदी सिनेमा की एक चर्चित हॉरर थ्रिलर फिल्म को रिलीज किया

गया था। फिल्म का नाम बीस साल बाद था, जिसमें एक्टर विश्वजीत चटर्जी और अभिनेत्री वहीदा रहमान ने मुख्य भूमिकाओं को अदा किया। इस मूवी की कहानी के साथ-साथ गाने भी काफी चर्चित रहे। जिनमें से एक गाना लता मंगेशकर ने गाया था, जिसके बोल थे- कहीं दीप जले कहीं दिल...।

### हेमंत ने संगीत की धुनों को पिरोया था

इस गाने को बीस साल बाद में भूतनी पर फिल्माया गया था। बेशक ये एक डरावना गाना था, लेकिन लता मंगेशकर ने अपनी मधुर आवाज में जिस तरह से इस गाने को गाया, वह वाकई काफी शानदार रहा। गौर किया जाए इस गीत की मेकिंग की तरफ तो लता के अलावा संगीतकार हेमंत कुमार ने इसमें अपनी संगीत की धुनों को पिरोया था, जबकि गीतकार शकील बदायूनी ने इसके लिरिक्स लिखे थे। इस तरह से बीस साल बाद कहीं दीप जले कहीं दिल... बनकर तैयार हुआ था। रिलीज के 64 साल बाद भी लता दीदी के आवाज में गाया हुआ ये सॉन्ग कालजयी बना हुआ है, जिसे श्रोता आज भी सुनना पसंद करते हैं।

## कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में किया है काम

# 20 साल से बॉलीवुड से लापता है ये स्टार, अब तक नहीं मिला कोई सुराग

*नई दिल्ली। बॉलीवुड पर जितनी कहानियां पर्दे पर दिखती हैं उससे ज्यादा दिलचस्प कहानियां पर्दे के पीछे की होती हैं। आज हम एक ऐसे एक्टर के बारे में बात करने जा रहे हैं जिन्होंने कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और भारतीय सिनेमा का जाना पहचाना चेहरा बने। लेकिन, एक दिन वे सबकुछ छोड़कर चले गए और 20 सालों से ज्यादा होने के बाद आज भी उनका कोई पता नहीं है। एक समय था जब उनका चेहरा पूरे भारत के घरों में जाना-पहचाना लगता था; वे ऐसे अभिनेता थे जिन पर शायद आप तुरंत ध्यान नहीं देते थे, लेकिन फिल्म खत्म होने के काफी समय बाद भी वे आपको किसी न किसी तरह याद रह जाते थे। हम बात कर रहे हैं राज किरण की, जिनकी कहानी एक बिल्कुल ही अलग अंदाज में लोगों के जहन में बसी हुई है... उनकी अदाकारी की वजह से नहीं, बल्कि एक ऐसे रहस्य की वजह से जो पिछले दो दशकों से भी ज्यादा समय से अनसुलझा है।*

### कर्ज और अर्थ फिल्मों से मिली पहचान

राज किरण, जिन्हें मुख्य रूप से कर्ज और 'अर्थ' जैसी फिल्मों में अपने काम के लिए जाना जाता है, ने 1970 के दशक के आखिर और 1980 के दशक के दौरान हिंदी सिनेमा में अपनी एक मजबूत जगह बनाई। उन्होंने 1975 में फिल्म कागज की नाव से अपने कॅरियर की शुरुआत की और जल्द ही किस्सा कुर्सी का में नजर आए; यह एक राजनीतिक व्यंग्य फिल्म थी, जिसे आपातकाल के दौरान प्रतिबंधित कर दिया गया था।

### जिंदगी में आया मुश्किल मोड़

1980 के दशक में, राज कई फिल्मों में नजर आए और धीरे-धीरे एक भरोसेमंद एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। लेकिन, 1990 के दशक की शुरुआत तक, उनके कॅरियर में बदलाव आने लगा और उन्हें ज्यादातर सहायक भूमिकाएं मिलने लगीं। 1990 के दशक के मध्य के आस-पास, उन्होंने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली, और इसी दौर में उनकी जिंदगी में एक मुश्किल मोड़ आया।

### बेटी ने आखिरी बार 2003 में देखा था

परिवार के सदस्यों, सहकर्मियों और यहां तक कि अधिकारियों द्वारा कई कोशिशें किए जाने के बावजूद, 2000 के दशक की शुरुआत से राज किरण का कोई भी पक्का सुराग नहीं मिला है। उनकी बेटी के अनुसार, उन्होंने राज को आखिरी बार 2003 में देखा था। 20 साल से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी यह सवाल बना हुआ है, जिससे एक समय के जाने-पहचाने चेहरे की कहानी बॉलीवुड के सबसे बड़े अनसुलझे रहस्यों में से एक बन गई है।

### जब आश्रम में घुसने की कोशिश में हुई जेल

1996 में, एक रिपोर्ट के मुताबिक उन्हें बेंगलुरु सेंट्रल जेल में रखा गया था; बताया जाता है कि पुट्टपर्थी साई बाबा आश्रम में बिना इजाजत घुसने की कोशिश करने के बाद उन्होंने वहां लगभग एक महीना बिताया था। डेक्कन हेराल्ड के अनुसार, उन्होंने रात के समय आश्रम परिसर में घुसने की कोशिश में एक ट्रैक्टर और एक सीढ़ी का इंतजाम किया था। बाद में, उनके पिता ने जमानत दिलवाकर उन्हें जेल से बाहर निकलवाया। इसके कुछ ही समय बाद, उन्हें वापस उनके मुंबई वाले घर पर देखा गया, और ऐसी खबरें थीं कि उन्होंने अपने भाई गोविंद के साथ कुछ समय अमेरिका में बिताया था और वापस लौटने की योजना बना रहे थे। हालांकि, इस दौरान उनसे मिलने वाले लोगों के बयानों से पता चलता है कि शायद वे कुछ निजी मुश्किलों से गुजर रहे थे। ये बातें परिवार के सदस्यों और फिल्ममेकर महेश भट्ट के बयानों पर आधारित हैं।

### महेश ने बताई थी उनकी मानसिक स्थिति

महेश भट्ट ने मुंबई के एक मेंटल हेल्थ सेंटर में राज से हुई अपनी मुलाकात की यादें साझा कीं थीं। उन्होंने बताया था कि, ' कई साल पहले, जब वे मसीना अस्पताल के साइकियाट्रिक वार्ड में थे। वे उस राज किरण जैसे बिल्कुल नहीं थे जिनसे मैं पहले मिला था। वे एक उदास और डिप्रेस्ड इंसान लग रहे थे, और उन्होंने बड़ी मुश्किल से मुझसे बात की। अभिनेत्री दीप्ति नवल, जिन्होंने उनके साथ 'हिप हिप हुर्रे' में काम किया था, ने भी 2011 में एक सार्वजनिक अपील की थी। उन्होंने लोगों से राज को ढूंढ़ने में मदद करने का आग्रह किया था, क्योंकि उन्हें पता चला था कि शायद वह न्यूयॉर्क में टैक्सी चला रहे थे।

## जनसामान्य की पहल से जल संरक्षण में मध्यप्रदेश बनेगा आदर्श और अनुकरणीय राज्य

# मप्र जन सहभागिता से जल संरक्षण में देश में अव्वल, गंगा दशहरा पर जल स्त्रोतों की साफ-सफाई में योगदान दें प्रदेशवासी: मुख्यमंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल ही जीवन है, जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पानी को सहेजने के कार्य में जन-जन को जोड़ा जा रहा है।

मप्र में जनभागीदारी आधारित जल संचय अभियान में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि केवल एक रैंक नहीं बल्कि प्रदेशवासियों की जागरुकता, सहभागिता और भविष्य के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। जल संरक्षण और प्रकृति अनुरूप रहन-सहन की व्यवस्था भारतीय जीवनशैली और परंपराओं में सदियों से रची-बसी है।

**खास बातें**

- जल संरक्षण ही सुरक्षित भविष्य की सबसे मजबूत नींव
- मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के लिए प्रदेशवासियों से किया आह्वान

उद्‌बोधन देते सीएम।

### साफ-सफाई के कार्य से जुड़ें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह बात शनिवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कही। उन्होंने कहा कि हमारे यहां नदी-तालाब-कुंओं की साफ-सफाई को पुण्य कार्य माना गया है। इन गतिविधियों के धार्मिक महत्व को देखते हुए गंगा दशहरा 25 मई को जल स्त्रोतों के आस-पास साफ-सफाई और पौधरोपण के लिए श्रमदान तथा अन्य गतिविधियां संचालित की जाएंगी। इन गतिविधियों का पुण्य प्राप्त करने के लिए अधिक से अधिक नागरिक गंगा दशहरा पर अपने आस-पास के जल स्त्रोतों और जल संरचनाओं की साफ-सफाई तथा रखरखाव के कार्य से जुड़ें। जनसामान्य की यह पहल मप्र को जल संरक्षण में एक आदर्श व अनुकरणीय राज्य के रूप में देश में प्रस्तुत करेगी।

### पारिवारिक और व्यक्तिगत स्तर पर भी पहल करना जरूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जल संचय भागीदारी अभियान में मप्र राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रहा है। अभियान के तहत प्रदेश में 5 लाख 64 हजार 119 कार्य पूर्ण हुए हैं। जिला स्तर पर डिण्डौरी और खण्डवा जिले देश में क्रमशः प्रथम और द्वितीय रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियों को बेहतर, सुरक्षित और सस्टेनेबल धरती सौंपना हमारा दायित्व है, जो बिना पर्याप्त जल की उपलब्धता के संभव नहीं है। अतः जल संरक्षण के कार्य में जन-जन को जोड़ना जरूरी है। उन्होंने पंचायतों, नगरीय निकायों, सामाजिक-धार्मिक संगठनों, स्वंयसेवी संस्थाओं, स्व-सहायता समूहों, व्यापारिक संगठनों तथा अन्य सभी संस्थाओं से पानी बचाने की गतिविधियों में जुड़ने का आह्वान किया।

### जल संरक्षण के लिए स्कूल, कॉलेज और संस्थाएं कर रही हैं जन-जन को प्रेरित

सीएम ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत राज्य सरकार, नगरीय और ग्राम स्तर पर अनेक गतिविधियां संचालित कर रही है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने 2 लाख 43 हजार 887 कार्यों के लिए 6 हजार 232 करोड़ रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। प्रदेश में 45 हजार 132 खेत-तालाब, 68 अमृत सरोवर, 77 हजार 975 डगवेल रिचार्ज औ वॉटर शेड से संबंधित 3 हजार 346 कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। नगरीय क्षेत्र में भी तालाबों, कुंओं, बावड़ियों को अतिक्रमण मुक्त करने, नाले-नालियों की साफ-सफाई आदि का कार्य जारी है। नगरीय निकायों की ओर से 3 हजार 40 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग इकाईयां स्थापित की गई हैं। जन सहयोग से बड़े पैमाने पर प्याऊ सेवा संचालित की जा रही हैं। स्कूल, कॉलेजों और जन अभियान परिषद से जुड़ी संस्थाओं के माध्यम से अभियान से जोड़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

---

## रूपनगर ओबीसी सम्मेलन : मुख्यमंत्री ने समाज से एकजुट होने का आह्वान किया

# पंजाब के हालात चिंताजनक, आप के भ्रष्टाचार और कुशासन से मुक्ति चाहती है जनता : नायब

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंजाब के रूपनगर में आयोजित ओबीसी सम्मेलन के दौरान पंजाब की आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राज्य की वर्तमान स्थिति को चिंताजनक बताते हुए कहा कि पंजाब की जनता अब भ्रष्टाचार और कुशासन से मुक्ति चाहती है। मुख्यमंत्री सैनी ने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि पंजाब में आप के विधायक भ्रष्टाचार के दलदल में धंसे हुए हैं, जिससे राज्य का विकास पूरी तरह ठप हो गया है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले समय में जनता इन भ्रष्ट जनप्रतिनिधियों को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएगी। सैनी ने जोर देकर कहा कि अब डराने-धमकाने और विपक्षी नेताओं पर झूठे केस दर्ज करने वाली राजनीति का अंत होने वाला है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के ओबीसी समाज से आह्वान किया कि वे एकजुट हो जाएं, तो आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार सभी वर्गों को साथ लेकर चलती है और सभी को बराबर प्रतिनिधित्व देती है। ओबीसी सम्मेलन में उमड़ी भीड़ को संबोधित करते हुए सैनी ने कहा कि यह आयोजन सामाजिकजागरूकता और एकता का प्रतीक है।

### भाजपा ने ओबीसी समाज को सशक्त बनाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों में आई है, तब से सामाजिक न्याय को केवल नारे के रूप में नहीं, बल्कि नीति और नियत दोनों के स्तर पर लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री स्वयं ओबीसी समाज से हैं और उन्होंने हमेशा वंचित, पिछड़े और गरीब वर्गों को मुख्यधारा में लाने का काम किया है। सैनी ने उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने ओबीसी समाज को केवल वोट बैंक नहीं माना, बल्कि उसे नेतृत्व के अवसर देकर सशक्त बनाया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल में 27 ओबीसी मंत्री शामिल हैं। साथ ही देश के भाजपा शासित पांच राज्यों में ओबीसी समाज के मुख्यमंत्री हैं, जो इस वर्ग के सम्मान और गौरव का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया, जो एक ऐतिहासिक कदम है। इससे इस वर्ग को अधिकारों की नई शक्ति मिली है। इसके अलावा मेडिकल और उच्च शिक्षा में ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण देकर शिक्षा के अवसरों का विस्तार किया गया है। सैनी ने पंजाब की वर्तमान सरकार पर ओबीसी समाज के साथ अन्याय करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस अन्याय के खिलाफ मिलकर आवाज उठानी होगी, तभी गरीब और पिछड़े वर्ग को उनका हक मिल सकेगा। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद सरदार सतनाम सिंह संधू, पंजाब भाजपा के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष अश्वनी शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

## भाजपा सरकार बनने पर हरियाणा की तर्ज पर योजनाएं लागू करेंगे

**चंडीगढ़।** मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के लोगों से आह्वान किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की सरकार बनाएं। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लागू सभी जनकल्याणकारी योजनाएं पंजाब में भी लागू की जाएंगी, जिससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि यदि पंजाब के किसी व्यक्ति या उसके रिश्तेदार को उनकी ओर से कोई मदद चाहिए, तो हरियाणा सीएम हाउस के दरवाजे हमेशा खुले हैं और हर संभव सहयोग दिया जाएगा। नायब सिंह सैनी पंजाब के लुधियाना में आयोजित महर्षि कश्यप जन्मोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने महर्षि कश्यप को नमन करते हुए उन्हें महान परोपकारी और प्रजापालक बताया। उन्होंने कहा कि महर्षि कश्यप ने समाज को नई दिशा देने के लिए स्मृति ग्रंथ और कश्यप संहिता जैसे महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की।

- लुधियाना में महर्षि कश्यप जन्मोत्सव समारोह को संबोधित किया

## डॉलर इंडस्ट्रीज के संस्थापक दीनदयाल गुप्ता का निधन

एजेंसी ⏭ कोलकाता

भिवानी के मनहेरू गांव में 13 सितंबर, 1937 को एक साधारण परिवार में हुआ था जन्म

होजरी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी, डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के संस्थापक और चेयरमैन एमेरिटस, विख्यात उद्योगपति दीनदयाल गुप्ता का कोलकाता में उम्र संबंधी बीमारियों के कारण स्वर्गवास हो गया। उनका निधन कंपनी के साथ-साथ भारतीय होजरी और परिधान उद्योग के एक युग के अंत का प्रतीक है। एक दूरदर्शी नेता और कंपनी की उल्लेखनीय यात्रा के मार्गदर्शक रहे श्री दीनदयाल गुप्ता ने पांच दशकों से अधिक समय तक अटूट प्रतिबद्धता, दूरदर्शिता और अखंडता के साथ डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड का नेतृत्व किया। उनके मार्गदर्शन में, डॉलर इंडस्ट्रीज 1700+ करोड़ से अधिक के बड़े व्यापारिक समूह के रूप में उभरी। हरियाणा के भिवानी के मनहेरू गांव में 13 सितंबर, 1937 को साधारण व बड़े परिवार में जन्मे गुप्ता का जीवन दृढ़ता, जुझारूपन और बड़े सपने देखने की शक्ति का प्रमाण था। 1962 में कोलकाता आकर खरीदारों के बजट व आवश्यकताओं के अनुरूप होजरी उत्पादों का निर्माण व बिक्री शुरू की।

## गलगोटियाज विश्वविद्यालय की टीएचई विश्व रैंकिंग में छलांग

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

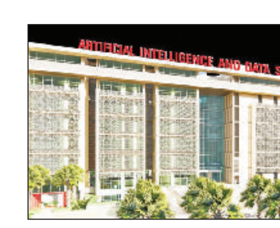


गलगोटियाज विश्वविद्यालय को प्रतिष्ठित टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में बड़ी मान्यता दी गई है। इससे दुनिया के उच्च शिक्षण संस्थानों के सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक मूल्यांकनों में गलगोटियाज यूनिवर्सिटी की राष्ट्रीय और वैश्विक स्थिति को और मजबूत मिली है।भारत के 1,300 से अधिक विश्वविद्यालयों में से केवल 128 संस्थानों को टीएचई रैंकिंग के नवीनतम संस्करण में शामिल किया गया है। इन चुनिंदा संस्थानों में गलगोटियाज विश्वविद्यालय भी शामिल है, जिसे भारत के निजी विश्वविद्यालयों में 27वें स्थान पर रखा गया है, जो इस विश्वविद्यालय के बढ़ते शैक्षणिक प्रोफाइल और उच्च शिक्षा परिदृश्य में इसकी बढ़ती पहचान को रेखांकित करता है।टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग टीचिंग क्वालिटी, रिसर्च एनवॉयरमेंट, रिसर्च क्वालिटी, अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण और इंडस्ट्री से जुड़ाव सहित विभिन्न मानकों पर संस्थानों का मूल्यांकन करती है। 2026 के संस्करण में रिसर्च क्वालिटी गलगोटियाज विश्वविद्यालय के लिए एक मजबूत पहलू के रूप में सामने आया है, जो इसके सुदृढ़ विद्वतापूर्ण आउटपुट, एकेडमिक दृश्यता में वृद्धि और बढ़ते अनुसंधान प्रभाव को साबित करता है।

---

## लाखों की ठगी का आरोपी गिरफ्तार

**रायपुर।** बीमा निवेश के नाम पर बड़ी ठगी का मामला सामने आया है, जहां एक आरोपी ने 63 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर गबन कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मयूर बारमेडा को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने आईसीआईसीआई प्रोडेंशियल लाइव इंश्योरेंस में निवेश का झांसा देकर प्रार्थी और उसके परिजनों से अलग-अलग समय पर चेक के माध्यम से करीब 63 लाख रुपये प्राप्त किए। यह रकम वर्ष 2014 से 2021 के बीच ली गई थी। जब दस्तावेज मांगे गए तो आरोपी कोई जानकारी उपलब्ध नहीं करा सका। मामले की जांच में सामने आया कि आरोपी ने जमा किए गए चेक का दुरुपयोग कर राशि अन्य लोगों के नाम से निवेश कर दी।

### सभी घायल अस्पताल में भर्ती, हादसे के बाद ड्राइवर फरार

## तेज रफ्तार अनियंत्रित यात्री बस पलटी, 14 लोग घायल, 3 गंभीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ जांजगीर चांपा

जिले के ग्राम करनौद में तेज रफ्तार यात्री बस सड़क किनारे पलट गई। जिसमें 14 यात्री को चोट आई है जिसमें महिला पुरुष और बच्चे शामिल है। सभी घायलों का सीएचसी अस्पताल बम्हनीडीह में उपचार कराया गया है।

जिसमें से तीन लोगों को जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया है। वहीं, घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना बिर्रा थाना क्षेत्र की है ।

### पुलिस कर रही मामले की जांच

*मिली जानकारी अनुसार, कोरबा से सरायपाली जा रही राजधानी बस रविवार की सुबह करीबन 8.30 बजे सड़क के किनारे जा पलटी। इस यात्री बस में 42 यात्री थे। चालक पर लापरवाही से बस चलाने का आरोप है। घायलों को बस के शीशे तोड़कर और स्थानीय लोगों की मदद से सभी को बस से बाहर निकाला गया है। सीएसपी योगिताबाली खापर्डे ने कहा कि कोरबा से सरायपाली जा रही यात्री बास पलटी है जिसमें 14 लोग घायल है, जिसमें 9 महिला 3 बच्चे और 2 पुरुष शामिल है। बस चालक द्वारा लापरवाही पूर्वक चलने से घटना हुई है जिसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलने पर बिर्रा पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। जहां घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी अस्पताल बम्हनीडीह में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। जिसमें 14 घायल है बाकी सभी यात्री सुरक्षित है। गंभीर रूप से तीन घायलों को जिला अस्पताल जांजगीर में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।*

### मामले में एक आरोपी गिरफ्तार जबकि दो फरार

## 90 टन गैस चोरी मामले में पुलिस का बड़ा खुलासा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

पुलिस ने गैस चोरी और सुपुर्दनामे में दी गई गैस के चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए करीब 90 टन गैस, जिसकी कीमत लगभग डेढ़ करोड़ रुपए के गबन का पर्दाफाश किया है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक सिंघोडा थाना क्षेत्र में गैस चोरी के एक मामले में पुलिस ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए 6 गैस कैप्सूल जब्त किए थे। इसके बाद नियमानुसार खाद्य विभाग द्वारा यह जब्त गैस अभनपुर स्थित ठाकुर पेट्रोकेमिकल अभनपुर को सुपुर्द की गई थी। पुलिस जांच में सामने आया कि सुपुर्द किए जाने के बाद संबंधित फर्म ने अमानत में खयानत करते हुए महज 5 दिनों के भीतर पूरी गैस को बेच दिया, जिसकी बाजार कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए बताई जा रही है।

### 40 सदस्यीय टीम ने किया खुलासा

मामले की गंभीरता को देखते हुए महासमुंद पुलिस ने 40 सदस्यीय टीम गठित कर महज 4 दिनों के भीतर जांच पूरी की और पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। जांच के दौरान दस्तावेजों और लेन-देन के आधार पर गड़बड़ी की पुष्टि हुई। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है।

### बलौदा पुलिस कर रही मामले की बारीकी से जांच

## शिशुपाल पर्वत पर संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक-युवती का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के शिशुपाल पर्वत से कूदकर प्रेमी जोड़े ने जान दे दी। सरायपाली क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल शिशुपाल पर्वत पर रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक और एक नाबालिग युवती ने पहाड़ से कूदकर अपनी जान दे दी। शुरुआती जांच में मामला प्रेम-प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतक युवक की पहचान बारीकपाली निवासी डिलेश्वर साव के रूप में हुई है। उसके साथ जिस युवती की लाश मिली है वो नाबालिग है। मौके पर पहुंची बलौदा थाना पुलिस ने बताया कि मिले सबूतों और स्थानीय इनपुट के अनुसार दोनों के बीच प्रेम संबंध थे। आशंका जताई जा रही है कि पारिवारिक विरोध या सामाजिक दबाव के चलते दोनों ने सुसाइड करने का कदम उठाया है।

### पहले भी हो चुकीं इस तरह की घटनाएं

शिशुपाल पर्वत पर यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी कई लोग यहां से कूदकर जान दे चुके हैं। ऐसे में ये पर्यटन स्थल अपने सुन्दर नजरों के अलावा सुसाइड पॉइंट में तब्दील होता जा रहा है। बावजूद इसके, प्रशासन और वन विभाग की नींद नहीं टूट रही है। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर भारी आक्रोश है। घटना के बाद वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। पर्यटन के नाम पर प्रशासन प्रति व्यक्ति 20-20 रूपए तो वसूल रहा है, लेकिन सुरक्षा के नाम पर यहाँ जीरो अरेंजमेंट है।

### परिजनों के बयान और पीएम का इंतजार

पुलिस ने शवों का पंचनामा कर उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बलौदा पुलिस का कहना है कि वे हर एंगल से जांच कर रहे हैं। परिजनों के बयान और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति पूरी तरह साफ हो पाएगी। फिलहाल पुलिस इस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। पहाड़ के खतरनाक मोड़ों और ऊंचाई वाले पॉइंट्स पर न तो कोई मजबूत बैरिकेडिंग (रेलिंग) है और न ही निगरानी के लिए सुरक्षाकर्मी। पूरे क्षेत्र में कहीं भी ऐसे बोर्ड नहीं लगे हैं जो लोगों को खतरे के प्रति आगाह कर सकें। इन सभी व्यवस्थाओं के आभाव में ही ऐसी घटनाएं लगातार दोहराई जा रही हैं।

---

### भाजपा सरकार पर तीखा हमला, कांग्रेस का आरोप 'राजनीतिक जिम्मेदारी शून्य'

# मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह विफल, केंद्र सरकार करे हस्तक्षेप

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने प्रदेश में लगातार हो रहे बड़े हादसों, सामूहिक मौतों, किसानों की बदहाली, बढ़ते अपराध, भ्रष्टाचार तथा प्रशासनिक अव्यवस्था को लेकर भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में शासन व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और अब केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जिनमें सामूहिक रूप से लोगों की जान जा रही है। यह केवल हादसे नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही से हो रही मौतें हैं। राजनीतिक जिम्मेदारी पूरी तरह शून्य हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि वे इस गंभीर स्थिति को लेकर महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री को पत्र लिख रहे हैं, ताकि मध्य प्रदेश की विफल शासन व्यवस्था पर केंद्र सरकार संज्ञान ले। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पानी तक सुरक्षित नहीं है, जहरीले पानी से लोगों की जान जा रही है। दवाइयों की लापरवाही से 26 बच्चों की मौत होना अत्यंत दुखद और शर्मनाक है। एनजीटी की आपत्तियों के बावजूद क्रूज संचालन किया गया, जिसकी लापरवाही से 9 लोगों की जान गई। बरगी डैम से जब शव निकाले जा रहे थे, उस समय मुख्यमंत्री राजभवन में लोक नृत्य देखने में व्यस्त थे। यह संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है।

जीतू पटवारी।

### आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही

पटवारी ने कहा कि आदिवासी अंचलों में परिवहन व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क हादसों में लगातार आदिवासी भाइयों-बहनों की जान जा रही है। प्रदेश में अपराध, भ्रष्टाचार और अत्याचार चरम पर है। अगर आज मध्य प्रदेश में सर्वे करा लिया जाए, तो 10% लोग भाजपा को चुनेंगे और 90% लोग कांग्रेस को। अब भाजपा सरकार की प्रदेश से उलटी गिनती शुरू हो चुकी है।

### पानी भराव से किसानों का अनाज खराब हो गया

किसानों के मुद्दे पर पटवारी ने कहा कि बारिश, ओलावृष्टि और पानी भराव से किसानों का अनाज खराब हो गया। प्रदेश में 245 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादन हुआ, लेकिन किसानों को मजबूरी में कम दामों पर गेहूं बेचना पड़ा। सरकार किसानों के साथ धोखा कर रही है। उन्होंने मांग की कि गेहूं और धान की भावांतर राशि किसानों को तत्काल दी जाए। उन्होंने घोषणा की कि किसानों के हित में 7 तारीख को बड़वानी से मुरैना तक नेशनल हाईवे जाम किया जाएगा।

### 70 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को हटाया जा रहा

भोपाल में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर पटवारी ने कहा कि यह भाजपा का षड्यंत्र है। एक संस्था का परिसर बढ़ाने के लिए 70 वर्षों से बसे गरीब परिवारों को हटाया जा रहा है। न्यायालय भी ऐसे मामलों में गरीबों के दर्द को समझे। गरीब परिवारों की बद्दुआ भाजपा सरकार को लगेगी। निगम-मंडलों में नियुक्तियों पर उन्होंने कहा कि सरकार केवल बंदरबांट कर रही है। कर्ज लेकर सरकार चलाई जा रही है और भाजपा नेताओं को उपकृत किया जा रहा है। मध्य प्रदेश में शासन पूरी तरह फेल हो चुका है।

## चिंतन

# विनेश फौगाट की सुरक्षा सुनिश्चित करे सरकार

भारतीय खेल जगत एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां प्रदर्शन से ज्यादा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। ओलंपियन पहलवान विनेश फोगाट द्वारा बृजभूषण शरण सिंह पर लगाए गए ताजा आरोप केवल एक व्यक्तिगत विवाद नहीं हैं, बल्कि यह पूरे खेल तंत्र की पारदर्शिता, विश्वसनीयता और संवेदनशीलता की परीक्षा बन चुके हैं। यह संस्थागत जवाबदेही और महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। ऐसे में सरकार को भी चहिए कि वह विनेश समेत सभी महिला खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। विनेश का बयान एक संवेदनशील और असहज सच को सामने लाता है कि देश के शीर्ष स्तर के खिलाड़ी भी खुद को सुरक्षित और निष्पक्ष माहौल में नहीं पाते। अगर एक ओलंपियन को यह कहना पड़ रहा है कि वह किसी प्रतियोगिता में अपना 100% नहीं दे पाएंगी, तो यह केवल व्यक्तिगत मानसिक स्थिति का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्था की विफलता का भी संकेत है। बता दें कि यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट होने जा रहा है। गोंडा जाने को लेकर विनेश ने असुरक्षा का खतरा जताया है। हालांकि इस मामले का दूसरा पहलू यह भी है कि गोंडा में होने वाले टूर्नामेंट में देशभर से करीब 1400 खिलाड़ी भाग लेंगे। ऐसे में विनेश द्वारा उठाए जा रहे सवाल क्या जायज हैं, यह भी एक बड़ा सवाल है। कहीं, विनेश वहां जाने से बचने के लिए तो ऐसा नहीं कर रही हैं, क्योंकि उनके भारवर्ग 57 किलोग्राम में तीन अन्य महिला खिलाड़ी अंशु मलिक, मनीषा भनवाला भी मुकाबला करेंगी, जहां इन पहलवानों के साथ विनेश का मुकाबला होना तय माना जा रहा है। या वे राजनीति से प्रेरित होकर ऐसा कदम उठा रही हैं। बहरहाल, देश की इस बड़ी खिलाड़ी को ऐसी डिमांड नहीं करनी चाहिए। बता दें कि विनेश ने आशंका जताई है कि गोंडा (बृजभूषण शरण सिंह का प्रभाव क्षेत्र) में प्रतियोगिता में उनके साथ या उनकी टीम के साथ कुछ अप्रिय घटना हो सकती है और यदि ऐसा कुछ होता है, तो भारत सरकार जिम्मेदार होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां निष्पक्षता के साथ फैसले नहीं होंगे। वहीं, इस मामले में डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने विनेश के आरोपों को 'बेवजह का हंगामा' बताया है और कहा कि विनेश का रजिस्ट्रेशन पहले ही पूरा हो चुका है। उन्होंने विनेश की सुरक्षा की 'निजी गारंटी' देते हुए उन्हें राजनीति न करने की नसीहत दी है। यौन उत्पीड़न के आरोप केवल कानूनी मुद्दे नहीं होते, वे सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी तय करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन पीड़ित की पहचान को गोपनीय रखने की बात करती है, लेकिन जब एक खिलाड़ी खुद सामने आकर अपनी पहचान स्वीकार करती है, तो यह दिखाता है कि वह भीतर से कितनी दबाव और असुरक्षा महसूस कर रही होगी। यह स्थिति अन्य महिला खिलाड़ियों के लिए भी एक नकारात्मक संदेश दे सकती है। अंततः, यह मामला केवल एक खिलाड़ी और एक पूर्व पदाधिकारी के बीच का विवाद नहीं है, बल्कि भारतीय खेल व्यवस्था के चरित्र और विश्वसनीयता की परीक्षा है। यदि इस अवसर पर सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर केवल कुश्ती तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे खेल जगत में अविश्वास की भावना गहराएगी। अब जरूरत है खेल मंत्रालय और डब्ल्यूएफआई ठोस कार्रवाई, पारदर्शी प्रक्रिया और खिलाड़ियों के भरोसे को फिर से कायम करने करे, क्योंकि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि विश्वास और निष्पक्षता का प्रतीक भी हैं।

चिंतन शिविर
मनसुख एल. मांडविया

# सहभागी एकजुटता से खेलों का भविष्य

> यह शिविर बिखरे हुए प्रयासों से हटकर सहभागी संघवाद के एक ऐसे मॉडल में बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें केंद्र और राज्य भारत के खेल इकोसिस्टम के सह-निर्माता के रूप में कार्य करते हैं। यदि भारत को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की सफल मेजबानी करनी है तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करना है तो यह समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह शिविर भारत के खेल प्रक्षेप पथ को पुनर्परिभाषित कर सकता है जिससे राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी और वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने का सपना न केवल आकांक्षात्मक होगा, बल्कि साध्य बन सकेगा।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय का चिंतन शिविर 2026 संस्करण वैश्विक खेल महाशक्ति बनने की दिशा में भारत की खेल यात्रा में एक अत्यधिक महत्वपूर्ण क्षण है। सप्ताहांत में श्रीनगर में आयोजित इस शिविर में केंद्रीय नेतृत्व तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खेल मंत्रियों के साथ साथ प्रमुख खिलाड़ियों, खेल प्रशासकों तथा भारतीय ओलंपिक संघ को एक मंच पर लाया गया, ताकि खेल प्रशासन, खिलाड़ी विकास और ओलंपिक उत्कृष्टता के लिए एकीकृत कार्ययोजना पर विचार-विमर्श किया जा सके। अपने मूल में, यह शिविर बिखरे हुए प्रयासों से हटकर सहभागी संघवाद के एक ऐसे मॉडल में बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें केंद्र और राज्य भारत के खेल इकोसिस्टम के सह-निर्माता के रूप में कार्य करते हैं। यदि भारत को वर्ष 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों की सफल मेजबानी करनी है तथा वर्ष 2036 के ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करना है तो यह समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वर्ष 2026 संस्करण की विशेषता इसके क्रियान्वयन-उन्मुख दृष्टिकोण परिणामों पर ज़ोर देती है और यह भी सुनिश्चित करती है कि विचार-विमर्श के दौरान प्रस्तुत किए गए विचारों का धरातल पर मापनीय प्रभाव पड़े। इसके लिए राज्य के खेल विभागों और केंद्रीय खेल मंत्रालय के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया द्वारा 'श्रीनगर खेल संकल्प' के शुभारंभ ने आगे के जमीनी सहयोगों के लिए दिशा निर्धारित की है, जिसमें राज्यों और केंद्र सरकार के साथ भारत के खेल इकोसिस्टम को सुदृढ़ करने, खेल पर्यटन को बढ़ावा देने तथा राष्ट्र निर्माण हेतु खेलों को बढ़ावा देने वाले प्रमुख क्षेत्रों पर सहमति बनाई गई। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, जो वर्तमान में प्रशिक्षक एवं भारतीय ओलंपिक संघ के सदस्य हैं, ने सभी हितधारकों को एक मंच पर लाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 देशों में स्थान प्राप्त करने की भारत की महत्वाकांक्षा केवल सहभागी संघीयता तथा सार्वजनिक-निजी सहभागिता के माध्यम से ही संभव है। सभी हितधारकों का एक साथ आना भारत को एक मजबूत खेल राष्ट्र बनाने के लिए सबसे बड़ा उत्प्रेरक सिद्ध होगा और इसकी शुरुआत इस शिविर से हो चुकी है।

भारत का खेल इकोसिस्टम स्वाभाविक रूप से संघीय है, जहां राज्य जमीनी स्तर के बुनियादी ढांचे का बड़ा हिस्सा संचालित करते हैं, स्कूली खेलों को प्रोत्साहित करते हैं और स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करते हैं,वहीं केंद्र सरकार राष्ट्रीय योजनाओं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन को बढ़ावा देती है। निर्बाध समन्वय के अभाव में यह व्यवस्था अक्षमता का कारण बन सकती है। शिविर ने इस बात को रेखांकित किया कि भारत की ओलंपिक आकांक्षाएं अलग-अलग प्रयासों से नहीं, बल्कि समन्वित योजना, साझा संसाधनों और सतत प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से ही साकार हो सकती हैं। शिविर का एक प्रमुख विषय प्रारंभिक प्रतिभा पहचान और संरचित मार्गों के माध्यम से व्यापक प्रतिभा आधार तैयार करना था। देश में 15 लाख से अधिक

स्कूलों और 8 करोड़ विद्यार्थियों के साथ, भारत के पास अपार प्रतिभा का भंडार है। हालांकि, इस क्षमता का करने के लिए 'खेलो इंडिया उदीयमान प्रतिभा पहचान कार्यक्रम' जैसे एकीकृत प्रतिभा पहचान तंत्र, जिला स्तर से उत्कृष्ट स्तर तक खिलाड़ियों की प्रगति को ट्रैक करने हेतु राष्ट्रीय खेल भंडार तथा स्कूल और जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं को पुनर्गठित कर उन्हें राष्ट्रीय अकादमियों से जोड़ने वाली संरचित प्रणाली उपयोग की आवश्यकता है। वास्तव में, शिविर में हुई चर्चाओं ने यह स्पष्ट किया कि ओलंपिक पदक रातों-रात प्राप्त नहीं होते, वे एक दशक लंबी प्रक्रिया का परिणाम होते हैं, जिसकी शुरुआत जमीनी स्तर से होती है। जब राज्यों ने अपनी जमीनी प्रतिभा योजनाओं को साझा किया और केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के साथ उनके समन्वय पर प्रकाश डाला, तब यह स्पष्ट हुआ कि इस दिशा में काफी प्रगति हुई है और निरंतर सहयोग इस व्यापक लक्ष्य की प्राप्ति में एक महत्वपूर्ण घटक है। चर्चाओं से प्राप्त एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह है कि प्रशिक्षक खेल सफलता की रीढ़ होते हैं। अतः कोचिंग प्रमाणन के मानकीकरण, प्रशिक्षकों के कौशल उन्नयन एवं कल्याण तथा पूर्व खिलाड़ियों को कोचिंग इकोसिस्टम में सम्मिलित करने के प्रस्तावों को सभी हितधारकों का समर्थन प्राप्त हुआ। वर्तमान में, देशभर के लगभग 1000 खेलो इंडिया केंद्रों में पूर्व चैंपियन खिलाड़ियों (पीसीए) की भागीदारी से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हुए हैं, जो कोचिंग इकोसिस्टम में पूर्व खिलाड़ियों के व्यापक समावेशन के लिए एक मॉडल के रूप में उभर रहा है। भारत ने विशेष रूप से खेलो इंडिया केंद्रों और अकादमियों के माध्यम से खेल अवसंरचना के निर्माण में उल्लेखनीय प्रगति की है। तथापि, शिविर ने कुछ ऐसे क्षेत्रों की पहचान की जिन पर ध्यान केंद्रित कर देश के सुदूर क्षेत्रों तक खेल अवसंरचना की उपलब्धता को और सुदृढ़ किया जा सकता है। प्रमुख प्रस्तावों में मौजूदा अवसंरचना का साझा उपयोग मॉडल के माध्यम से उसे अनुकूलित करना, क्षेत्रीय उच्च प्रदर्शन केंद्रों का विकास करना तथा विश्व स्तरीय सुविधाओं के लिए सार्वजनिक-निजी सहभागिता को प्रोत्साहित करना शामिल हैं। इस संदर्भ में जहां राज्य स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान करते हैं, वहीं केंद्र वित्तीय ढांचा, तकनीकी विशेषज्ञता और वैश्विक मानकों के अनुरूप मार्गदर्शन प्रदान कर सकता है। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी केवल स्टेडियम निर्माण तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह एक खेल-सक्षम राष्ट्र के निर्माण के बारे में भी है।

चिंतन शिविर में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि तैयारी के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप शहर-स्तरीय अवसंरचना, प्रभावी लॉजिस्टिक्स, सुशासन और खिलाड़ियों के लिए सेवाएं तथा एक सुदृढ़ घरेलू प्रतियोगिता कैलेंडर की आवश्यकता है। राष्ट्रमंडल खेल 2030 की सफल मेज़बानी के लिए, राज्यों और केंद्र सरकार की साझा ज़िम्मेदारियां-न केवल नीति-निर्माण के स्तर पर है, बल्कि उसके क्रियान्वयन के चरण में भी-एक प्रमुख विशेषता के रूप में उभरकर सामने आईं। केंद्र और राज्यों के बीच दायित्वों के वितरण से भारत देशभर में अनेक "आयोजन-तत्पर समूह" बना सकता हैं, जिससे एक ही मेजबान शहर पर दबाव कम पड़ेगा और विरासत लाभ सुनिश्चित होगा। चिंतन शिविर केवल एक सम्मेलन ही नहीं, बल्कि एक परिवर्तन उत्प्रेरक भी है। यदि इन विचारों को प्रभावी रूप से लागू किया जाता है, तो यह शिविर भारत के खेल प्रक्षेप पथ को पुनर्परिभाषित कर सकता है- जिससे राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी और वर्ष 2036 तक ओलंपिक में शीर्ष 10 में स्थान प्राप्त करने का सपना न केवल आकांक्षात्मक होगा, बल्कि साध्य बन सकेगा।

(लेखक केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

## सियासत
राज कुमार सिंह

# पंजाब : प्रचंड बहुमत के बावजूद विश्वास मत!

आम तौर पर नवगठित सरकार ही सदन में विश्वास मत हासिल करती है या फिर राजनीतिक उठापटक के बीच किसी सरकार को सदन में बहुमत हासिल करने के लिए कहा जाता है, लेकिन पंजाब में भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी यानि आप सरकार ने विधानसभा का विशेष सत्र बुला कर विश्वास मत हासिल किया। उसके लिए श्रमिक दिवस को ही चुनकर भी खास संदेश देने की कोशिश की गई है। जब 117 सदस्यीय विधानसभा में आप के 94 विधायक हैं, तब उसकी सरकार के बहुमत पर किसे संदेह रहा होगा? दरअसल, इस कदम से मान सरकार ने एक तीर से कई निशाने साधने की कोशिश की है। 2022 में प्रचंड बहुमत से पंजाब में सत्तारूढ़ हुई आप में सब कुछ सामान्य तो अरसे से नहीं चल रहा, पर हाल ही में 10 में से सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल हो जाने से शायद मान सरकार का आत्मविश्वास डगमगा गया है। इनमें से छह सांसद पंजाब से हैं। उसके बाद से ही पंजाब में भी आप में विभाजन की चर्चाएं चल पड़ी हैं। बेशक किसी भी दल के दो-तिहाई राज्यसभा सांसदों का दलबदल सामान्य घटना नहीं है। फिर इनमें शामिल राघव चड्ढा और संदीप पाठक की पंजाब में आप की चुनावी सफलता में महत्वपूर्ण रणनीतिक भूमिका भी रही। जाहिर है, बेहतर संभावनाएं देख कर बड़ी संख्या में दूसरे दलों से भी आप में नेता आएं। इसलिए उनकी निष्ठा की बाबत कोई खुशफहमी आप नेतृत्व को भी नहीं होगी। फिर न सिर्फ दलबदलू सांसदों, बल्कि भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस ने भी पंजाब आप विधायक दल में विभाजन और परिणामस्वरूप मान सरकार पर संकट की अटकलों को हवा देना शुरू कर दिया। दरअसल, आप पंजाब में भाजपा और कांग्रेस की साझा दुश्मन है। आप को भले ही राष्ट्रीय दल का दर्जा मिल गया हो, पर उसका मुख्य राजनीतिक आधार दिल्ली और पंजाब में ही रहा है। दिल्ली की सत्ता पिछले साल विधानसभा चुनाव में गवां चुकी आप पंजाब की सत्ता भी खो देने का जोखिम नहीं उठाना चाहती। जाहिर है, फैसला तो अगले साल पंजाब के मतदाता ही करेंगे, लेकिन एक दिन के विशेष सत्र में विश्वास मत हासिल कर मान सरकार और आप ने अपने डगमगाते आत्म विश्वास को बचाने के साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव के लिए माहौल बनाने की कवायद शुरू कर दी है। पंजाब में न्यूनतम मजदूरी में 15 प्रतिशत की वृद्धि का फैसला स्वागत योग्य है, पर उसका चुनावी असर अगले साल चुनाव परिणाम ही बताएंगे। विपक्ष के वॉकआउट के बीच पेश विश्वास मत प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए सदन में 88 विधायक ही मौजूद थे। छह विधायक अलग-अलग कारणों से अनुपस्थित रहे। भगवंत मान सरकार द्वारा विशेष सत्र बुला कर इस तरह विश्वास मत हासिल करने का यह कारण समझना मुश्किल नहीं होना चाहिए कि विश्वास मत हासिल कर चुकी सरकार के विरुद्ध छह माह तक अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया जा सकता, लेकिन इसे आप विधायक दल में अनंतकाल तक एकता की गारंटी नहीं माना जा सकता। भाजपा में शामिल हुए आप राज्यसभा सांसदों में से किसी का भी जनाधार नहीं है। ऐसे में उनके आगामी विधानसभा चुनाव में 'गेम चेंजर' साबित होने की गलतफहमी खुद भाजपा को भी नहीं होगी, लेकिन वे विधायक दल में विभाजन की कोशिश अवश्य कर सकते हैं। अनेक आप विधायकों को टिकट दिलवाने में राघव चड्ढा और संदीप पाठक की भूमिका रही थी। इसलिए कुछ विधायक तो उनके साथ पाला बदलने की बाबत सोच ही सकते हैं। जाहिर है, 94 विधायकों में विभाजन के लिए जरूरी दो-तिहाई का आंकड़ा आसान नहीं, लेकिन अगर जोड़तोड़ ने रफ्तार पकड़ी तो राजनीतिक उठापटक के बीच राज्यपाल छह महीने की अवधि में भी मान सरकार को विधानसभा में बहुमत साबित करने का निर्देश दे सकते हैं। ऐसे में विशेष सत्र बुला कर हासिल किया गया विश्वास मत मान सरकार की सुरक्षा की असीमित गारंटी हरगिज नहीं है। इसमें दो राय नहीं कि पंजाब के मतदाताओं ने कांग्रेस, शिरोमणि अकाली दल और भाजपा सरीखे परंपरागत राजनीतिक दलों से निराश हो कर बड़ी उम्मीदों से 2022 में आप को सत्ता सौंपी थी, लेकिन उन पर खरा उतरने का दावा शायद ईमानदारी से आप भी नहीं कर पाएगी। न तो नशे का कारोबार रुका, न कानून –व्यवस्था सुधरी। शिक्षा, सेहत से लेकर रोजगार तक का हाल भी बुरा ही है। वैकल्पिक राजनीति का वादा करने वाली आप की सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के आरोप भी कम नहीं लगे। अगर आप में बड़ा विभाजन हुआ तथा शिरोमणि अकाली दल और भाजपा में फिर गठबंधन हो गया, तब अवश्य आगामी चुनाव दिलचस्प हो जाएंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# अतीत पर नहीं करना चाहिए शोक

संकलित
**दर्शन**

आचार्य चाणक्य ने अपने नीति ग्रंथ में जीवन से जुड़ी कई गहरी और उपयोगी बातें बताई हैं। उन्होंने रिश्तों, व्यवहार और सफलता के सिद्धांतों को बहुत ही सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाया है। उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही असरदार और प्रासंगिक हैं, जितनी प्राचीन समय में थीं। माना जाता है कि जो व्यक्ति इन नीतियों को अपने जीवन में अपनाता है, उसके लिए सफलता के रास्ते आसान हो जाते हैं। आचार्य चाणक्य कहते हैं कि यदि मनुष्य उज्जवल कर्म करके एक दिन भी जिंदा रहे, तो उसका जीवन सफल हो जाता है। ऐसा जीवन बहुत लंबा जीने से बेहतर है, जो कष्टों से भरा हो और इस लोक व परलोक दोनों के खिलाफ हो। यानी कम समय का अच्छा और सही जीवन, लंबे लेकिन गलत और दुखभरे जीवन से ज्यादा मूल्यवान होता है। बीती हुई बातों यानी अतीत पर शोक नहीं करना चाहिए, और आने वाले समय यानी भविष्य की ज्यादा चिंता भी नहीं करनी चाहिए। बुद्धिमान लोग हमेशा वर्तमान समय में रहकर ही काम करते हैं। अलग-अलग लोगों को प्रसन्न करने के तरीके अलग होते हैं और हमें उसी अनुसार व्यवहार करना चाहिए। देवता, सज्जन पुरुष और पिता ऐसे होते हैं जो स्वभाव से ही सरल और दयालु होते हैं। उन्हें खुश करने के लिए ज्यादा दिखावा या विशेष प्रयास की जरूरत नहीं होती।

# सबसे बड़ा धन है संतोष

संकलित
**प्रेरणा**

गौतम बुद्ध की शिक्षाएं आज भी हमें जीवन की कई परेशानियों से बचने का मार्ग दिखाती हैं। वे प्रतिदिन अपने शिष्यों को उपदेश देते थे और अपने प्रवचनों में क्रोध, अहंकार, लोभ और द्वेष को त्यागने पर जोर देते थे। उनके प्रेरणादायक विचार आज भी उतने ही प्रभावशाली हैं और हमें सफलता, संतुलन और आंतरिक शांति की ओर बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। वे कहते हैं, संतोष सबसे बड़ा धन है, वफादारी सबसे बड़ा संबंध है और स्वास्थ्य सबसे बड़ा उपहार है। दुख का मूल कारण आसक्ति है। यह विचार बताता है कि मोह और चिपकाव ही जीवन की समस्त पीड़ा का केंद्र हैं। अतीत में मत उलझो, भविष्य के सपने मत देखो, अपना ध्यान वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो। यह शिक्षा मानसिक तनाव से मुक्त होकर वर्तमान को भरपूर जीने का व्यावहारिक सूत्र है। सभा में, परिषद में और एकांत में किसी से झूठ न बोलें। झूठ बोलने के लिए दूसरों को प्रेरित न करें और न झूठ बोलने वाले को प्रोत्साहन दें। असत्य का सर्वांश में परित्याग कर देना चाहिए। गौतम बुद्ध कहते हैं अतीत पर ध्यान मत दो, भविष्य के बारे में मत सोचो, अपने मन को वर्तमान क्षण पर केंद्रित करो।

## जिरहनामा
कनक तिवारी

# बुनियादी न्यायिक अवधारणाएं कहां चली गईं

अंगरेजी के महान लेखक और दार्शनिक फ्रांसिस बेकन इंग्लैंड के 16 वीं शताब्दी में चीफ जस्टिस भी रहे। उनके जैसा उद्भट विद्वान दुनिया में नहीं हुआ। वे वहां के चीफ जस्टिस भी थे। दुखद यही था कि वे भ्रष्ट थे। वे दोनों ओर के पक्षकारों से घूस खा लेते थे। इस कारण उन्हें आजन्म कारावास भुगतना पड़ा। जेल में ही उनकी मौत हुई। उजला पक्ष यह है किसी भी संवैधानिक गुत्थी या उलझन को लेकर बेकन ने जो तर्कशास्त्र गढ़ा है। वह आज तक ढहाया नहीं जा सका। उनके फैसलों को बेकोनियन जजमेंट कहते हैं। दुनिया के तमाम न्यायिक महारथी बेकन के मुरीद हैं।

भारत दुनिया का सबसे बहुसंख्यक संवैधानिक लोकतंत्र है। जिस तरह देह में हड्डियों का ढांचा बुनियाद की तरह रहता है। उसी तरह देश का संविधान देश के विकास और जीवन की बुनियाद होता है। समझना ज़रूरी है कि संविधान में भारत का अतीत स्मरण या उससे निरंतरता नहीं है। आजकल लफ्फाजी का युग है। जो अपढ़, कुपढ़ और बहुत सा जानबूझकर स्वांग करते हैं। वे जबरिया संविधान पर ऊलजलूल टिप्पणियां करते लोकतंत्र को जख्मी करते रहते हैं। संविधान नियंता बाबा साहब अम्बेडकर के इस साहसिक बयान को अपनी दृष्टि बनाने के लिए समझना होगा कि यह संविधान हम भारतीय इतिहास, पूर्व उदाहरणों और परंपराओं से सीख लेकर बिल्कुल नहीं बना रहे हैं। यह संविधान की कोख यूरो अमेरिकन उन मानवीय साहसिक उद्घाटनों में से है जो इंग्लैंड, फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी जैसे कई देशों में हुई जनवादी क्रांति से पैदा हुई है। इसी नजरिए से संविधान को वैज्ञानिक ढंग से देखा और परखा जा सकता है। विकृत दृष्टि तो असंख्य लोगों में पैठ ही चुकी है। संविधान का अब तो कचूमर ही निकाला जा रहा है।

संविधान केवल शब्दो और लकीरों में लिखी हिदायतों का जखीरा नहीं होता। हर शब्द और वाक्य में अदृष्य लगती कोई परंपरा, अवधारणा या समझबूझ की बुद्धि होती है। संविधान केवल इबारतों को पढ़ना नहीं है। अपनी अनुगूंजों को सुनकर संविधान के मर्म की समझ विकसित करना न्याय सत्ता के लिए पहली और जरूरी शर्त है। खासतौर पर सुप्रीम कोर्ट के लिए जो अंतिम न्यायिक वचन का स्त्रोत है। कहती हैं परंपराएं कि बिना किसी को सुने उसके बारे में फैसला मत करो। नागरिकों की आजादी उनका बुनियादी अधिकार है। उन्हें गैर जरूरी वजह से जेल में मत ठूंसो। कहती हैं अवधारणाएं भारत को वैज्ञानिक परंपराओं वाला देश बनाओ यह भी कहती हैं कि जज को एक तरह से सन्यासी जैसा रहना है। उसे घूसखोरी करते रिटायरमेंट के बाद सरकारी पद, नेता बनने की हविश, सामंती भाषा में चीखने का षऊर और रोज बल्कि बरस दर बरस बीतते अपने सिद्धांतों को कर रहे थे। महाभारत के युद्ध में दुराचार और अनाचार को शिकस्त मिली ही थी। जय श्रीराम का नारा लगाना तो कंठ का नारा नहीं, उसमें रावण की कथा का संदेश भी है कि किसी भी अन्य तरह के समाज में न्याय दिलाने की ताकतों के रहते वे सफल नहीं हो पाएं। आजकल जो फल फूल ही रही हैं। देश का धन लेकर भगोडे.विदेशों में भी ऐश कर ही रहे हैं। सरकार से जनता की पूरी दौलत एक उद्योग को कानून तोड़कर चली जा रही है। सिलसिला रुक नहीं

बदलने का रवैया नहीं पालना चाहिए। इन्हीं अवधारणाओं से भारतीय न्यायपालिका को कठिन या संकुल चरित्र परिवार बनाया। मातृ संस्था बिटेन की सुप्रीम कोर्ट और उसके इतिहास से समानान्तर ढूंढ़े जाते हैं। वहां कोई ना कोई बीजक कथा मिल जाती है। वह अंधेरी राह के लिए टॉर्च की रोशनी बनकर उजाला बनती है। ऐसी कई मान्यताएं हैं जो भारतीय जजों के आचरण में पिछले 40, 50 वर्षों में स्थिर हो चुकी थीं। देश काफी कुछ भरोसे में रहा है कि अदालतों के रहते निजाम या और कोई जनता पर खुलेआम जुल्म नहीं कर पाएगा। धन डाकुओं को भी अदालतें ठिकाने तो लगाएंगी ही।

सृष्टि का नियम है कि समय बदलता है। भारतीय इतिहास में भी कुछ लोग संकीर्ण और जाहिल दिमाग के बने बैठे कौरव कहलाते पांडवों के साथ जुल्म रहा है। सैकड़ों, हजारों, करोड़ों की अफरातफरी करने वाले अचानक किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाते हैं। वे प्रेत आत्माएं देवता बन जाती हैं, विदेशी ताकतें भारत में तकनीकी आधारों पर जासूसी का जाल फैला चुकी हैं। लेकिन भारत इन सबसे बेखबर है।

न्यायपालिका ने कार्यपालिका और विधायिका के समानांतर अपनी आजाद हैसियत लगभग खो ही दी है। जनता की निगाह में वह एक सरकारी विभाग है। न्याय कॉरपोरेटियों के अंगूठे के नीचे दबा हुआ है।

देष के पूर्व चीफ जस्टिस एस पी भरूचा ने कभी कहा था भारतीय हाई कोर्ट में एक तिहाई जज भ्रष्ट हैं। और यह संख्या बढ़ सकती है। सुप्रीम कोर्ट के एक बहुत जानदार वकील दुष्यंत दवे ने बहुत संघर्ष करने के बाद खीझकर अदानी रुख के ही कारण अपनी वकालत बंद कर दी। यह केवल एक वकील का मामला नहीं है। न्याय व्यवस्था में चोरी से घुस गई कई कातिल अवधारणाओं का मुंह नोचना है। जो दुष्यंत ने एक प्रतीक बनकर किया। देश किसी न्यायिक देश के चरित्र की नकल नहीं करता। लेकिन उसका खुद का चरित्र अपने संस्कारों के अनुरूप हो जाए तो वह देष नजीरें बनाता है।

जज के घर से करोड़ों रुपयों के नोट निकल रहे हैं। उसका बाल भी बांका नहीं हो रहा। संविधान में नहीं लिखा है कि क्या ऐसा होना ही चाहिए कि देश के नागरिकों को इलाज और शिक्षा का कोई बुनियादी अधिकार तक नहीं है। जज खुलेआम कहते हैं कि हमें तथ्यों से अलग हटकर जनता में आस्था है हमको उसके मुताबिक न्याय करना है। यूरो अमेरिकी न्याय की अवधारणा में ऐसा कोई तत्व नहीं है। अमेरिका, इंग्लैंड, ब्रिटेन और फ्रांस चाहे जितने भी अमीर मुल्क कहे जाएं। वहां अब भी मजबूत परंपराओं और संविधानों के आधार पर ही न्याय हो रहा है। डोनाल्ड ट्रंप यदि किसी भी तरह का कोई टैरिफ लगाते भी हैं तो अमेरिकी अदालतें उसमें बाकायदा हस्तक्षेप करती हैं। न्यायपालिक अवधारणाओं के उल्लंघन के कारण सरकारें तक बदल जाती हैं। लेकिन भारत में यह सब नहीं ही हो रहा। भारतीय जज, श्रमिक यूनियनों, चरित्रवान नागरिकों और सच बोलने वाले नौजवान छात्रों को इतिहास के ऊबड़ खाबड़ रास्ते को समतल करने की कोशिश करने वाले भीमा कोरेगांव के मानव अधिकार कार्यकर्ताओं और अल्पसंख्यकों के छीने जा रहे अधिकारों को बचाने के लिए उसी तरह से मुखर नहीं हैं। दुनिया का कोई तटस्थ व्यक्ति अब यह नहीं कहता कि भारत में आम चुनाव पूरी तौर पर निष्पक्ष, न्यायप्रिय और भ्रष्टाचाररहित तरीके से ही हो रहे हैं। यदि वह कर पाए तब ही उसके ऐसा किया जाने को ही तो भारत को एक तरह से विश्व गुरू होना कहा जा सकता है।

कभी सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस पी. एन. भगवती, वी. आर. कृष्णा अय्यर, सगीर अहमद, साव्यसाची मुखर्जी, हंसराज खन्ना, जैसे कई नक्षत्र थे जिनकी रोशनी से न्याय की अदालते जगमग थीं। सुप्रीम कोर्ट जाने से इनकार करने वाले हाई कोर्ट के महान जज अब्दुल करीम चावला का नाम भी है। आजकल जस्टिस नागरत्ना कम से कम इस रोशनी को बाले हुए हैं।

# हज यात्रियों पर अतिरिक्त 10,000 का बोझ, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

हज 2026 के लिए रवाना होने वाले हजारों भारतीय यात्रियों पर केंद्र सरकार द्वारा अचानक अतिरिक्त 10,000 जमा कराने के आदेश को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अंतर्गत हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा 28 अप्रैल को जारी एक सर्कुलर में सभी हज यात्रियों को 15 मई तक 'डिफरेंशियल एयरफेयर' (अतिरिक्त हवाई किराया) के रूप में 10 हजार जमा करने का निर्देश दिया गया है।

सरकार ने इस अतिरिक्त राशि की वजह मध्य-पूर्व में जारी संकट और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में वृद्धि को बताया है। सर्कुलर के अनुसार, एयरलाइंस ने बेस फेयर में 400 अमेरिकी डॉलर से अधिक की वृद्धि की मांग की थी, जिसके बाद मंत्रालय ने प्रति यात्री 100 अमेरिकी डॉलर अतिरिक्त वसूलने का निर्णय लिया। भारतीय मुद्रा में यह लगभग 10,000 बैठता है।

हज कमेटी ऑफ इंडिया ने स्पष्ट किया है कि यह राशि सभी यात्रियों को, उनके एम्बार्केशन प्वाइंट की परवाह किए बिना, 15 मई तक जमा करनी होगी। भुगतान हज कमेटी की वेबसाइट, हज सुविधा ऐप, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, नेट बैंकिंग या एसबीआई और यूनियन बैंक की शाखाओं के माध्यम से किया जा सकता है।

## कांग्रेस का तीखा हमला

इस फैसले पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरते हुए इसे 'अव्यवस्था और प्रशासनिक विफलता' का परिणाम बताया है। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता नासिर हुसैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक विस्तृत पोस्ट में कहा कि यह अतिरिक्त मांग बिना पूर्व सूचना, बिना किसी परामर्श और अंतिम समय में थोपी गई है, जबकि अधिकांश यात्री पहले ही कई किश्तों में पूरी राशि जमा कर चुके थे।

उन्होंने कहा कि कई यात्री बुजुर्ग हैं और कई पहले ही सऊदी अरब पहुंच चुके हैं। ऐसे में यह फैसला केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक असुविधा भी पैदा करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हज यात्रियों को नागरिक नहीं बल्कि 'राजस्व का स्रोत' मान रही है। नासिर हुसैन ने लिखा कि मौजूदा सरकार के दौरान हज यात्रा की कुल लागत इतनी बढ़ गई है कि सामान्य भारतीय परिवारों के लिए यह धार्मिक कर्तव्य पूरा करना कठिन होता जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार द्वारा वसूला जाने वाला हवाई किराया खुले बाजार में उपलब्ध किराए से लगभग दोगुना है, जबकि निजी ऑपरेटर तुलनात्मक रूप से कम लागत पर समान सेवाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

### ईंधन कीमतों का बहाना

कांग्रेस सांसद ने सवाल उठाया कि यदि सरकार लगातार यह दावा करती रही है कि ऊर्जा क्षेत्र स्थिर है और नागरिकों को बाहरी संकटों से सुरक्षित रखा गया है, तो फिर हज यात्रियों पर ही यह अतिरिक्त बोझ क्यों डाला जा रहा है? उन्होंने कहा कि यदि ईंधन कीमतों में वृद्धि इतनी गंभीर थी, तो सरकार ने पहले से योजना क्यों नहीं बनाई!

उन्होंने इसे 'ग्लोबल एविएशन प्रेशर नहीं बल्कि 'संस्थागत विफलता करार देते हुए कहा कि सरकार के पास पर्याप्त कूटनीतिक और प्रशासनिक क्षमता होने के बावजूद यात्रियों के हित में प्रभावी बातचीत नहीं की गई।

### यूपीए सरकार का भी किया उल्लेख

नासिर हुसैन ने अपनी पोस्ट में यूपीए सरकार का हवाला देते हुए कहा कि उस समय निजी ऑपरेटरों को नियंत्रित किया जाता था, संस्थागत मूल्य निर्धारण जवाबदेह था और यात्रियों को प्रशासनिक विफलता की कीमत नहीं चुकानी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि आज वही जवाबदेही पूरी तरह गायब है।

### कांग्रेस की मांग

कांग्रेस ने 28 अप्रैल के सर्कुलर को तत्काल वापस लेने, अतिरिक्त वसूली गई राशि को पूर्ण रूप से लौटाने और 2027 हज सीजन से पहले 'हज प्राइस स्टेबिलिटी फ्रेमवर्क' लागू करने की मांग की है। पार्टी ने यह भी कहा कि हज संचालन में अनिवार्य प्रतिस्पर्धी निविदा प्रणाली (कंपीटीटिव टेंडरिंग) लागू की जाए, ताकि भविष्य में यात्रियों पर अचानक बोझ न डाला जाए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि हज यात्रियों और उनके परिवारों को केवल अंतिम समय की मांग और सोशल मीडिया पोस्ट नहीं, बल्कि सम्मानजनक और जिम्मेदार प्रशासन चाहिए।

## खबर संक्षेप

### चलती बस में ड्राइवर को हार्ट अटैक, कई घायल

**नूरपुर।** पठानकोट-मंडी नेशनल हाईवे पर नूरपुर के समीप न्याजपुर में रविवार सुबह 6.30 पर एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटने से चीखो पुकार मच गई। चंबा से ऊना के लिए निकली थी और सुबह 11 बजे के करीब नूरपुर में पहुंचने पर यह हादसा हो गया। न्याजपुर में तीखे मोड़ पर चालक को हार्ट अटैक आया, वह खिड़की से गिर गया।

### राष्ट्रपति से मिल चड्ढा करेंगे 'कई' खुलासे

**नई दिल्ली।** राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि वह उन्हें पंजाब के सरकारी तंत्र के कथित दुरुपयोग के बारे में बता सकें। चड्ढा का कहना है कि पंजाब का सरकारी तंत्र का इस्तेमाल राजनीतिक बदले की भावना से किया जा रहा है और उन सांसदों को निशाना बनाया जा रहा है, जो भाजपा में शामिल हुए हैं।

### राजस्थान के कई संभागों में 'महातूफान'

**जयपुर।** राजस्थान में भीषण गर्मी और झुलसाती लू के बीच मौसम ने ऐसी करवट ली है कि पूरा प्रदेश मानों ठिठुरने को तैयार है। उत्तर पाकिस्तान से उठे शक्तिशाली पश्चिमी विक्षोभ ने राजस्थान में हलचल मचा दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि जल्द प्रदेश के 12 से अधिक जिलों में न केवल हल्की से मध्यम बारिश होगी, बल्कि बिजली गिरने की भी प्रबल आशंका है।

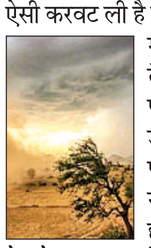

### 19 की उम्र में महिला क्रिकेटर ने की खुदकुशी

**पुडुचेरी।** भारतीय क्रिकेट जगत से बेहद दुखद खबर है। 19 वर्षीय उभरती महिला क्रिकेटर एंजल गंगवानी ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। बताया जा रहा टीम चयन में नाम न आने के बाद वह मानसिक रूप से काफी परेशान चल रही थीं।गंगवानी पुडुचेरी में रहकर क्रिकेट की ट्रेनिंग ले रही थीं। यहां महिला टी20 टीम के लिए ट्रायल दिया था।

### मुसलमानों के रोने का वक्त आ गया: मौलाना

**कोलकाता।** 4 मई को बंगाल चुनाव की मतगणना होगी। लोग बेसब्री से अपने-अपने कैंडिडेट के रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं। टीएमसी कार्यकर्ता ममता सरकार बनने का दावा कर रही है। एक वीडियो में मौलाना जर्जिश अंसारी कह रहा मुसलमानों के लिए रोने का वक्त आ गया है। मौलाना ने कहा, बंगाल वालों तुम्हें मुबारक, तुम यही चाहते थे और यही तुम्हें मिल गया।

## बंगाल में मतगणना के पहले ही पक्ष- विपक्ष में खिची तलवारें, आरोप- प्रत्यारोप का दौर जोरों पर

# टीएमसी का आरोप- भाजपा के झंडे वाले वाहन घुसे, चार घंटे तक धरना भी दिया

### ममता के निर्वाचन क्षेत्र में स्ट्रांग रूम के बाहर हंगामा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र के मतगणना केंद्र के बाहर रविवार को हंगामा हुआ। टीएमसीके कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे वाले 2वाहनों को उस परिसर में प्रवेश दिया गया, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) रखी गई हैं। यह घटना उस समय हुई, जब इससे एक दिन पहले ममता ने सखावत बालिका विद्यालय में स्थित इस मतगणना केंद्र के बाहर 4घंटे तक धरना दिया। उन्होंने स्ट्रांग रूम में अनधिकृतिक लोगों के के प्रवेश का आरोप लगाया था। मतदान खत्म होने के बाद अब बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी और भाजपा के बीच सत्ता को लेकर तनाव बढ़ गया है। दोनों दलों के नेता और कार्यकर्ता राज्यभर में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर नजर रखे हुए हैं, जहां उम्मीदवारों की किस्मत ईवीएम में बंद है। भारी जीत का भरोसा जताने के बावजूद ममता ने कई बार मतगणना में गड़बड़ी और ईवीएम से छेड़छाड़ की आशंका जताई है।

स्ट्रांग रूम की सुरक्षा पर नजर रख रहे भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता

#### वाहनों को प्रवेश पर उठाए सवाल

रविवार सुबह टीएमसी कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा के झंडे लगी 2 गाड़ियां परिसर में घुसीं और स्ट्रांग रूम के पास तक पहुंच गईं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि बिना पहचान पत्र के किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं है। फिर भी इन वाहनों को कैसे प्रवेश मिला? टीएमसी ने दावा किया कि पुलिस ने वाहनों को हटाने का भरोसा दिया। लेकिन वह कुछ समय तक वहां खड़े रहे। इससे पहले गुरुवार रात कोलकाता के दो मतगणना केंद्रों पर भी हंगामा हुआ था। टीएमसी नेताओं ने स्ट्रांग रूम में पारदर्शिता की कमी और गड़बड़ी की आशंका जताई थी। हावड़ा और अन्य जगहों पर भी टीएमसी कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और सीसीटीवी बंद होने के आरोप लगाए।

# अफसरों की 'ड्यूटी जानकारी' लीक, स्प्रेडशीट-सूचियां प्रसारित

### सुवेंदु ने आयोग से की कार्रवाई की मांग

बंगाल में मतगणना से पहले भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ अधिकारी अपनी ड्यूटी, स्थान और जिम्मेदारियों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी विभागीय संगठनों और संघों के साथ साझा कर रहे हैं। उन्होंने चुनाव आयोग से मामले पर तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इससे सोमवार को होने वाली मतगणना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर गंभीर असर पड़ सकता है और पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता खतरे में आ सकती है। अधिकारी ने रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मतगणना के दिन ड्यूटी के लिए तैनात कई अधिकारी कथित तौर पर अपनी ड्यूटी का विवरण, स्थान और पदनाम अपने-अपने विभागीय संगठनों और संघों को बता रहे हैं। मुझे यह जानकारी मिली है कि कुछ स्प्रेडशीट और सूचियां प्रसारित की जा रही हैं, जिनमें अधिकारी अपनी 'चुनाव ड्यूटी की जानकारी' स्वेच्छा से या किसी दबाव में भर रहे हैं। इसमें मतगणना प्रक्रिया के दौरान उनकी विशिष्ट भूमिकाओं का विवरण भी शामिल है।

#### भाजपा ने ईसी से की शिकायत

सुवेंदु ने पोस्ट के साथ कुछ वाट्सएप मैसेज के स्क्रीनशॉट भी शेयर किए। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संबंधी नियमों का एक गंभीर उल्लंघन है। मतगणना प्रक्रिया की पवित्रता और विश्वसनीयता, इसमें शामिल कर्मियों की तैनाती की गोपनीयता पर निर्भर करती है। इस गोपनीयता का कोई भी उल्लंघन परिणामों की निष्पक्षता को सीधे तौर पर प्रभावित करता है। जब किसी अधिकारी की तैनाती का विशिष्ट विवरण किसी राजनीतिक झुकाव वाले संगठन या संघ को पता चल जाता है, तो इससे अनावश्यक राजनीतिक प्रभाव और दबाव की गुंजाइश बन जाती है। उन्होंने ईसी और बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। सुवेंदु ने कहा, अधिकारियों को किसी भी संगठन के साथ अपनी मतगणना ड्यूटी साझा करने से रोकने के लिए सख्त निर्देश जारी किए जाएं।

**फाल्टा में दोबारा वोटिंग, भड़के अभिषेक**

### दिल्ली के किसी गॉडफादर को भेजो

अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बेनर्जी ने भाजपा को चुनौती दी है। सांसद ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, तुम्हारे बांग्ला बिरोधी गुजराती गिरोह और उनके कठपुतली ज्ञानेश कुमार के लिए दस जन्म भी मेरे डायमंड हार्बर मॉडल में जरा सी भी सेंध नहीं लगा पाएंगे। अपनी पूरी ताकत लगा दो। मैं पूरे भारत संघ को चुनौती देता हू, फाल्टा आओ। उन्होंने` कहा, अपने सबसे मजबूत उम्मीदवार को भेजो, दिल्ली के किसी गॉडफादर को भेजो। अगर हिम्मत है तो फाल्टा से चुनाव लड़ो।

**फाल्टा के भाजपा उम्मीदवार**

### 4 मई के बाद जहांगीर को जेल में डालेंगे

बंगाल की फाल्टा विधानसभा सीट को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा के फाल्टा से उम्मीदवार देबांग्शु पांडा नॉ पुनर्मतदान का स्वागत किया है। बंगाल की फाल्टासीट को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। पांडा ने चुनाव आयोग द्वारा फाल्टा सीट पर पुनर्मतदान कराने के फैसले का स्वागत किया है। पांडा ने कहा कि चुनाव आयोग का यह फैसला जरूरी था और इससे लोकतंत्र मजबूत होगा। पांडा ने यह भी कहा कि 4 मई के बाद जहांगीर खान को जेल में डाला जाएगा।

**तमिलनाडु चुनाव**

### नतीजों से पहले मतगणना केंद्रों पर 18,000 पुलिसकर्मी तैनात

**चेन्नई।** तमिलनाडु में 23 अप्रैल को सभी 234 विधानसभा क्षेत्रों में हुए मतदान के बाद सोमवार को होने वाली मतगणना की तैयारियों के बीच केंद्रों पर 18,000 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। प्राधिकरणों ने सभी 62 मतगणना केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की है, जहां इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन सुरक्षित रखी गई हैं और उन्हें सख्त निगरानी में खोला जाएगा।

### चुनावी राज्यों में ड्राई डे घोषित

**नई दिल्ली।** सोमवार को मतगणना के दिन भी पूरे दिन शराब की दुकानें बंद रहेंगी, यानी उस दिन भी ड्राई डे रहेगा। यह प्रतिबंध पूरे राज्य में लागू होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। चुनाव आयोग ने यह निर्देश दिया है।

**केंद्र सरकार ने दी मंजूरी**

# बीमा क्षेत्र में 100 फीसद विदेशी निवेश की अधिसूचना जारी

### एलआईसी में 20 फीसदी निर्धारित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बीमा क्षेत्र में सुधार करते हुए 100 फीसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को स्वचालित मार्ग के तहत मंजूरी दे दी। वित्त मंत्रालय ने विदेशी विनिमय प्रबंधन (गैर-ऋण साधन) नियम, 2026 में संशोधन करते हुए इसकी अधिसूचना जारी की। अब बीमा कंपनियों और उनसे जुड़े मध्यस्थों, जैसे कि बीमा ब्रोकर सहित अन्य में अब 100 फीसद तक विदेशी निवेश स्वचालित मार्ग से किया जा सकेगा। सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मामले में विदेशी निवेश की सीमा 20 फीसद ही निर्धारित की गई है। इससे जुड़ा फैसला पिछले साल दिसंबर में संसद द्वारा पारित 'सबका बीमा, सबकी रक्षा' (बीमा कानून संशोधन) विधेयक, 2025 के बाद लिया गया।

**कर्नाटक की श्रृंगेरी विधानसभा सीट**

# कांग्रेस नेता की 3 साल बाद छिनी विधायकी, गणना में कटे 255 वोट

एजेंसी ▶▶ श्रृंगेरी

कर्नाटक की श्रृंगेरी विधानसभा सीट पर 2023 के चुनाव परिणामों को लेकर चल रहा विवाद एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। हाईकोर्ट के आदेश पर पोस्टल बैलेट की दोबारा गिनती में कांग्रेस के मौजूदा विधायक टीडी राजेगौड़ा को बड़ा झटका लगा है। री-काउंटिंग के बाद उनके वैध वोटों की संख्या में भारी गिरावट आई है जिससे भाजपा उम्मीदवार डीएन जीवराज अब 52 वोटों की बढ़त बना चुके हैं। चुनाव में कांग्रेस के राजेगौड़ा ने भाजपा के जीवराज को मात्र 201 वोटों के बेहद कम अंतर से हराया था। भाजपा उम्मीदवार ने वोटों की गिनती में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट के आदेश पर जब पोस्टल बैलेट की दोबारा गिनती हुई तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। कांग्रेस विधायक के 255 वोट अवैध पाए गए, जिससे उनका कुल आंकड़ा गिर गया। उनका आंकड़ा 569 से गिरकर 314 पर आ गया।

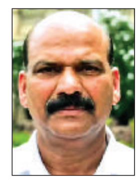

**पुलिस से झड़प मामले में दर्ज हुई थी एफआईआर**

# सीएम मान समेत आप नेताओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया चंडीगढ़ प्रशासन

एजेंसी ▶▶ चंडीगढ़

पुलिस से झड़प और डीसी के आदेशों का उल्लंघन करने के मामले में चंडीगढ़ प्रशासन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान समेत कई नेताओं के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। 6 साल पहले भगवंत मान, हरपाल चीमा, अमन अरोड़ा समेत आम आदमी पार्टी के दर्जनों नेताओं के खिलाफ चंडीगढ़ पुलिस ने केस दर्ज किया था।पिछले साल इन नेताओं को पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से राहत मिल गई थी।

आप के कई नेताओं के खिलाफ दर्ज था मामला

#### महिला कांस्टेबल की शिकायत पर कार्रवाई

यह मामला 10 जनवरी 2020 को सेक्टर-3 थाना में तैनात एक महिला कांस्टेबल की शिकायत पर दर्ज किया गया था। आम आदमी पार्टी के नेता बड़ी संख्या में तत्कालीन सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे।आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान कुछ व्यक्तियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों के साथ धक्का-मुक्की की।

**नई सर्जरी तकनीक विकसित की, 7 वर्षों के प्रयोग के बाद आखिरकार सफलता प्राप्त कर ली**

# रीढ़ की गंभीर विकृति से जूझ रहे मरीजों के लिए एम्स की बड़ी उम्मीद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वर्षों तक झुकी हुई पीठ, असहनीय दर्द, चलने-फिरने में कठिनाई और सामान्य जीवन जीने की जद्दोजहद रीढ़ की गंभीर विकृति से पीड़ित मरीजों के लिए यह केवल बीमारी नहीं, बल्कि रोज़मर्रा की एक कठिन लड़ाई होती है। ऐसे मरीजों के लिए अब अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने एक नई उम्मीद जगाई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आला अधिकारी ने हरिभूमि को बताया, एम्स अस्पताल के विशेषज्ञों ने एक नई सर्जिकल तकनीक विकसित की है, जिसे गंभीर स्पाइनल विकृतियों के इलाज में बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। संस्थान के अनुसार, पिछले सात वर्षों से इस तकनीक का सफल उपयोग किया जा रहा है और इससे उन मरीजों को राहत मिली है, जिनके लिए पहले सर्जरी अत्यधिक जोखिम भरी मानी जाती थी और उपचार के विकल्प बहुत सीमित थे।

### दर्द, डर और उम्मीद की कहानी

रीढ़ की गंभीर विकृति से पीड़ित मरीज अक्सर लंबे समय तक शारीरिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक पीड़ा भी झेलते हैं। कई मरीजों की कमर इतनी झुक जाती है कि वे सीधे खड़े नहीं हो पाते। बच्चों में यह समस्या पढ़ाई और खेलकूद से दूर कर देती है, जबकि वयस्कों के लिए नौकरी और सामान्य पारिवारिक जीवन भी मुश्किल हो जाता है।

ऐसे ही कई मरीजों के लिए नई तकनीक जीवन बदलने वाली साबित होगी। विशेषज्ञों का कहना है, पहले जिन मामलों में ऑपरेशन के दौरान जान का खतरा अधिक होता था, अब वहां सफलता की संभावना काफी बढ़ी है।

### क्या है यह नई तकनीक?

विशेषज्ञों की टीम में शामिल एक वरिष्ठ चिकित्सक ने बताया कि यह तकनीक जटिल स्पाइन सर्जरी पोस्टीरियर वार्टरबल कोलम रिजेक्शन (पीवीसीआर) का संशोधित रूप है। यह सर्जरी रीढ़ की अत्यधिक टेढ़ी या विकृत हड्डियों को ठीक करने के लिए की जाती है।

परंपरागत पीवीसीआर सर्जरी में ऑपरेशन के दौरान रीढ़ की स्थिरता बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती होती थी। कई बार जरा-सी अस्थिरता से गंभीर जटिलताएं पैदा हो सकती थीं।

नई संशोधित तकनीक में डॉक्टर रीढ़ के कुछ हिस्सों को अंतिम चरण तक सुरक्षित रखते हैं, जिससे ऑपरेशन के दौरान स्पाइन अधिक स्थिर बनी रहती है। इससे जटिलताओं का खतरा कम होता है। मरीज के रिकवरी की संभावना बढ़ती है।

### 2020 में अंतरराष्ट्रीय पहचान

मंत्रालय के अधिकारी के अनुसार, इस संशोधित तकनीक को पहली बार वर्ष 2020 में एक अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रकाशन में विस्तार से प्रकाशित किया गया था। इसके बाद इसे वैश्विक चिकित्सा जगत में भी गंभीरता से देखा गया। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि उन हजारों मरीजों के लिए आशा की किरण है, जो वर्षों से दर्द और असहायता के साथ जीवन जी रहे थे।

### विशेषज्ञों की राय

विशेषज्ञों के अनुसार, रीढ़ की गंभीर विकृति के मामलों में सही समय पर हस्तक्षेप बेहद जरूरी होता है। देरी होने पर नसों पर दबाव, सांस लेने में दिक्कत, चलने-फिरने में अक्षमता और स्थायी विकलांगता तक का खतरा बढ़ सकता है। नई तकनीक न केवल सर्जरी को अधिक सुरक्षित बनाती है, बल्कि मरीजों को आत्मविश्वास भी लौटाती है।

### मरीजों के लिए नई सुबह

एम्स, दिल्ली की यह उपलब्धि सिर्फ एक मेडिकल इनोवेशन नहीं, बल्कि उन परिवारों के लिए राहत है जो वर्षों से इलाज की उम्मीद में भटक रहे थे। एक सफल सर्जरी के बाद जब कोई मरीज पहली बार सीधा खड़ा होता है, तो वह सिर्फ शरीर नहीं, बल्कि उसका पूरा आत्मविश्वास फिर से खड़ा होता है। नई तकनीक अब गंभीर स्पाइनल विकृति के इलाज में भारत को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिला सकती है।

## खबर संक्षेप

### बाजार पूंजीकरण में सबसे अधिक लाभ में रिलायंस

**नई दिल्ली।** पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के बावजूद शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में चार के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2.20 लाख करोड़ रुपये का उछाल आया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक लाभ में रही। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 249.29 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़ा।

### डी-मार्ट का शुद्ध लाभ 19% बढ़कर 656.42 करोड़

**नई दिल्ली।** खुदरा श्रृंखला डी-मार्ट का स्वामित्व और संचालन करने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स लिमिटेड ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 19.17 प्रतिशत बढ़कर 656.42 करोड़ रुपये हो गया। एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने शेयर बाजार को बताया कि उसने एक साल पहले की जनवरी-मार्च तिमाही में 550.79 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व 18.9 % बढ़कर 17,683.86 करोड़ रुपये हो गया।

### जिंदल स्टील का लाभ 1,041 करोड़ रुपए पर

**नई दिल्ली।** जिंदल स्टील का एकीकृत शुद्ध लाभ मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में 1,041 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से ''रिकॉर्ड बिक्री'' के कारण कंपनी को लाभ हुआ है। इस कंपनी को पिछले साल की इसी तिमाही में 304 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में, कंपनी की कुल आय 25 प्रतिशत बढ़कर 16,484.28 करोड़ रुपये हो गई।

# भारत को लेकर एप्पल बहुत उत्साहित, बड़ी वृद्धि की उम्मीद: कुक

एजेंसी ▸▸ न्यूयॉर्क

एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी टिम कुक ने कहा कि वह भारत को लेकर 'बेहद उत्साहित' हैं और इसे कंपनी के लिए एक 'बेहद बड़ा अवसर' मानते हैं। एप्पल की 2026 की दूसरी तिमाही का आय विवरण देते हुए उन्होंने कहा, हां, यह हमारे लिए बहुत बड़ा अवसर है। हम इस पर काफी समय से ध्यान दे रहे हैं। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार और तीसरा सबसे बड़ा पीसी बाजार है। कुक ने भारतीय बाजार को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने स्वीकार किया कि कंपनी का भारत में प्रदर्शन अच्छा रहने के बावजूद उसकी हिस्सेदारी अभी 'सीमित' है। कुक ने भारत के बढ़ते मध्यम वर्ग और उसकी संभावनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कंपनी के अधिकतर ग्राहक अभी ब्रांड के लिए नए हैं जो विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाता है।

## कंपनी के सीईओ कुक ने दूसरी तिमाही का आय विवरण दिया

### मैक खंड का राजस्व छह प्रतिशत बढ़ा

कुक ने साथ ही बताया कि आईफोन के लिए अमेरिका, लैटिन अमेरिका, ग्रेटर चीन, पश्चिमी यूरोप, भारत, जापान और दक्षिण-पूर्व एशिया सहित अधिकतर बाजारों में दोहरे अंकों की वृद्धि देखी जा रही है। मुख्य वित्तीय अधिकारी केवन पारेख ने बताया कि ''मैक'' खंड का राजस्व छह प्रतिशत बढ़कर 8.4 अरब डॉलर रहा, जिसे ''मैकबुक नियो'' जैसे नए उत्पादों की मांग से बल मिला।

### टर्नस एक सितंबर से संभालेंगे सीईओ का पद

कंपनी के मैक और आईपैड दोनों की बिक्री में भारत सहित उभरते बाजारों में मजबूत वृद्धि देखी गई। इस बीच एप्पल ने हाल ही में घोषणा की है कि टिम कुक सीईओ पद से हटकर निदेशक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष बनेंगे। कंपनी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष जॉन टर्नस एक सितंबर 2026 से एप्पल के सीईओ पद का कार्यभार संभालेंगे।

### एप्पल का राजस्व 17 फीसदी बढ़कर 111.2 अरब डॉलर

एप्पल का तिमाही राजस्व 17 प्रतिशत बढ़कर 111.2 अरब डॉलर हो गया। कुक ने बताया कि कंपनी ने विकसित और उभरते दोनों बाजारों में जनवरी-मार्च तिमाही के रिकॉर्ड बनाए जिनमें भारत उन क्षेत्रों में शामिल है जहां दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज हुई। कंपनी ने भारत में अपना छठा स्टोर खोलने पर भी खुशी जाहिर की। फरवरी में मुंबई के बोरीवली में नया स्टोर खोला गया जो शहर में दूसरा स्टोर है।

### एप्पल के भारत में चार स्टोर

एप्पल के स्टोर नयी दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और नोएडा में भी हैं। कुक ने कहा, ' भारत में पिछले कुछ वर्ष में हमारी निरंतर वृद्धि देखना शानदार रहा है। यह दुनिया भर के उभरते बाजारों में अधिक ग्राहकों से जुड़ने की हमारी व्यापक रणनीति का हिस्सा है।'

## वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लाभ में कमी आने की उम्मीद

# कबाड़ वाहन नियम के कारण वाहन उद्योग को 25,000 करोड़ रुपए के नुकसान की आशंका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

**भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग को वित्त वर्ष 2025-26 के शुद्ध लाभ में लगभग 25,000 करोड़ रुपये के नुकसान की आशंका है, क्योंकि पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली 2025 के तहत वाहन विनिर्माताओं को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए पर्यावरण मुआवजे हेतु बजटीय प्रावधान करना होगा।**

उद्योग के अधिकारियों के अनुसार पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जनवरी 2025 में अधिसूचित पर्यावरण संरक्षण (उपयोग समाप्त हो चुके वाहन) नियमावली, 2025 में एक साधारण दिखने वाले उपबंध ने वाहन विनिर्माताओं को उस समय डरा दिया, जब उनके ऑडिटरों ने इसके परिणामों की गंभीरता की ओर इशारा किया। जनवरी 2025 की अधिसूचना का ''नियम 4 (6)'' कहता है, ''यदि विनिर्माता अपना परिचालन बंद कर देता है, तो विनिर्माता को परिचालन बंद होने तक बाजार में पहले से उपलब्ध कराए गए वाहनों के संबंध में अपनी विस्तारित उत्पादक जिम्मेदारी (ईपीआर) का पालन करना होगा।''

एक उद्योग कार्यकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ''यह नियम लेखा मानक 'इंड एएस AS 37- प्रावधान, आकस्मिक देनदारियां और आकस्मिक संपत्ति' को सक्रिय करता है, जिसका अर्थ है कि वाहन विनिर्माताओं को पिछले 20 वर्षों में बेचे गए निजी वाहनों और 15 वर्षों में बेचे गए वाणिज्यिक वाहनों के लिए ईपीआर प्रमाणपत्रों की लागत हेतु पर्याप्त वित्तीय प्रावधान करने होंगे।''

### विनिर्माता यदि परिचालन बंद करता है तो जिम्मेदारी का पालन करना होगा

### मारुति की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 42 प्रतिशत

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने नए वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत 42 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ की है, जो पिछले वित्त वर्ष के 39 प्रतिशत से अधिक है। उद्योग के अनुमानों के अनुसार कंपनी ने अप्रैल में 1,91,122 इकाइयों की रिकॉर्ड घरेलू बिक्री दर्ज की और इस महीने बाजार हिस्सेदारी में लगभग तीन प्रतिशत अंकों की वृद्धि की है।

### कंपनियों को ईपीआर के प्रावधान करने होंगे

एक अन्य उद्योग अधिकारी ने कहा, ''इस नियम के कारण ऑटो कंपनियों को अतीत में बेचे गए वाहनों के लिए ईपीआर के प्रावधान करने होंगे, भले ही उनका बाजार से बाहर निकलने का कोई इरादा न हो, जिससे धनराशि फंस जाएगी और मुनाफा प्रभावित होगा।''

### उद्योग के लिए उस वर्ष का मुनाफा कम कर देगा

यह समझा जाता है कि उद्योग निकाय सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने भी मंत्रालय के समक्ष इस मामले को उठाया था। एक अन्य उद्योग कार्यकारी ने कहा, ''एक बार जब बहीखातों में प्रावधान हो जाएगा, तो यह पूरे वाहन उद्योग के लिए उस वर्ष के मुनाफे को काफी कम कर देगा।''

### वृद्धि की अगुवाई यात्री कारों ने की

मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री), पार्थो बनर्जी ने बताया कि हालांकि कंपनी की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि की अगुवाई उसकी यात्री कारों ने की है, लेकिन इसमें एसयूवी का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा, ''हमने अप्रैल में रिकॉर्ड बिक्री के साथ नए वित्त वर्ष की शानदार शुरुआत की है और बाजार हिस्सेदारी भी हासिल की है।''

### एसयूवी में अब तक की सबसे अधिक बिक्री

कंपनी की इससे पहले की सबसे अधिक घरेलू बिक्री दिसंबर 2025 में 1,82,165 इकाइयों की थी। इस साल अप्रैल में यात्री कारों की बिक्री 96,725 इकाई रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 68,244 इकाई थी। बनर्जी ने कहा, ''एसयूवी में हमने अप्रैल में 55,065 इकाइयों की अब तक की सबसे अधिक बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 141.6 प्रतिशत अधिक है। हम शीर्ष स्थान के लगभग करीब हैं।''

## पांच लाख कार्यबल पर नजर

# एसआईएस का 20,000 करोड़ के राजस्व का लक्ष्य

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुरक्षा और सुविधा प्रबंधन सेवा प्रदाता एसआईएस लिमिटेड का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026-27 तक 20,000 करोड़ रुपये के राजस्व को पार करना है। कंपनी के समूह प्रबंध निदेशक ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि मजबूत दोहरे अंकों की वृद्धि, सेवा नेटवर्क के विस्तार और नए श्रम कोड के तहत एक सरलीकृत नियामक ढांचे की मदद से उसे यह लक्ष्य हासिल करने का भरोसा है।

एसआईएस वर्तमान में लगभग 3.46 लाख लोगों को रोजगार देती है। उसे चालू वित्त वर्ष में अपने मुख्य सुरक्षा समाधान और सुविधा प्रबंधन सेवाओं में तेज वृद्धि की उम्मीद है। कंपनी का परिचालन भारत के अलावा सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे बाजारों में भी है। वह 2030 तक अपने कार्यबल को बढ़ाकर पांच लाख करने का लक्ष्य बना रही है। अगर ऐसा हुआ तो कंपनी निजी क्षेत्र के शीर्ष पांच नियोक्ताओं शामिल हो जाएगी। सिन्हा ने बातचीत में कहा, ''वित्त वर्ष 2026-27 में हमारी ऑर्डर बुक और हमारी वर्तमान वृद्धि दर को देखते हुए हम लगभग 20,000 करोड़ रुपये के राजस्व और कर पश्चात लाभ (पीएटी) में लगभग 500 करोड़ रुपये का लक्ष्य रख रहे हैं।''

### सभी क्षेत्र में मजबूत मांग

सिन्हा ने कहा कि कंपनी अर्थव्यवस्था के बढ़ते औपचारिकरण और संगठित सुरक्षा एवं सुविधा प्रबंधन सेवाओं के लिए बढ़ती प्राथमिकता के समर्थन से सभी क्षेत्रों में मजबूत मांग देख रही है।

**सूचना**

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

# चमड़ा,जूता उद्योग ने प्रमुख कच्चे माल पर शुल्क छूट की मांग की

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे माल की लागत में 40 से 60 प्रतिशत तक वृद्धि होने के बीच चमड़ा और जूता उद्योग ने कृत्रिम चमड़ा, धातु सहायक सामग्री, मशीनरी, धागे, सांचे और कुछ रसायनों जैसे महत्वपूर्ण कच्चे माल पर आयात शुल्क में छूट देने की मांग की है।

एक उद्योग अधिकारी ने यह जानकारी दी। उद्योग ने हाल ही में इस संबंध में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के समक्ष मामला उठाया है। अधिकारी ने कहा कि निर्यातकों ने सरकार से प्रस्तावित 'फ्लोट' (फुटवियर एवं चमड़ा उन्मुख परिवर्तन) योजना को शीघ्र लागू करने का सुझाव दिया है, ताकि पूरे उत्पाद वर्ग, कच्चे माल, मशीनरी और अन्य आवश्यक सामग्रियों को इसमें शामिल किया जा सके।

अधिकारी ने कहा कि घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए क्रस्ट और तैयार चमड़े के शुल्क-मुक्त आयात की भी मांग की गई है।

अधिकारी ने कहा, पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे माल और अन्य आवश्यक सामग्रियों की लागत में 40-60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। ऐसे में हमने सरकार से कृत्रिम चमड़ा , जूता घटक, धातु सहायक सामग्री, चमड़ा एवं जूता मशीनरी, धागे, सांचे, टो पफ, आईलेट, कुछ रसायन और पैकेजिंग सामग्री पर आयात शुल्क में छूट देने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि रबर से जुड़े कुछ रसायन, पीयू चमड़ा, चिपकाने वाले पदार्थ, प्लास्टिक और जूते के तलवे पेट्रोलियम उत्पादों से तैयार होते हैं।

### आयात घटकर 93.8 करोड़ डॉलर रह गया

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य बंद किए जाने से तेल और गैस के जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है, जिससे लागत पर असर पड़ा है। कुछ अन्य आवश्यक सामग्री चीन, कोरिया, इंडोनेशिया और जापान जैसे देशों से आयात की जाती है। इस क्षेत्र में देश का आयात सालाना आधार पर 4.49 प्रतिशत घटकर 93.8 करोड़ डॉलर रह गया।

## राशिफल

**मेष** – शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। आय वृद्धि के साधन विकसित होंगे।

**वृष** – व्यर्थ के क्रोध से बचें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

**मिथुन** – अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ रहेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**कर्क** – आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ सकता है। खानपान के प्रति सचेत रहें। मन में निराशा एवं

**सिंह** – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय के साधन बन सकते हैं। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

**कन्या** – क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव रहेंगे। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। व्यर्थ के ववादों से बचने का प्रयास

**तुला** – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

**वृश्चिक** – घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

**धनु** – पिता का साथ रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आएंगे। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**मकर** – परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। स्थान परिवर्तन सम्भव है। लंबे समय से रुके हुए काम बनने की उम्मीद है।

**कुंभ** – परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। वाहन के रख-रखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं। शिक्षा में सुधार होगा। आत्मविश्वास में कमी आएगी।

**मीन** – वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। मित्र के सहयोग से आय वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। परिवार में अशांति रहेगी।

# नेस्ले इंडिया का जोर बिक्री बढ़ाने पर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) बेचने वाली प्रमुख कंपनी नेस्ले के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा कि कच्चे माल की लागत में तेजी और वैश्विक भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच कीमतों में उतार-चढ़ाव को लेकर चिंताएं हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी नए वित्त वर्ष

में मात्रा आधारित वृद्धि पर ध्यान बनाए हुए है। मैगी, नेस्कैफे और किटकैट जैसे उत्पाद बनाने वाली कंपनी ने सतर्क रुख अपनाते हुए कहा कि मौजूदा हालात में स्थिति का अनुमान लगाना कठिन है और वह देखो और इंतजार करो की नीति पर चल रही है। तिवारी ने कहा, समय काफी अनिश्चित है। दो महीने बाद स्थिति क्या होगी, इसका अनुमान लगाना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव, मानसून को लेकर चिंता और जिंस कीमतों में उतार-चढ़ाव के कारण लागत पर दबाव बना हुआ है।

### कंपनी अधिग्रहण के लिए तैयार

तिवारी ने कहा कि कंपनी उपयुक्त अवसर मिलने पर अधिग्रहण के लिए भी तैयार है। वित्त वर्ष 2025-26 में नेस्ले इंडिया का कुल राजस्व 14.46 प्रतिशत बढ़कर 23,194.95 करोड़ रुपये रहा। चौथी तिमाही में कंपनी का लाभ 1,110.9 करोड़ रुपये रहा, जबकि उत्पाद बिक्री से आय 6,723.75 करोड़ रुपये दर्ज की गई।

### बीते सप्ताह सरसों, सोयाबीन और पामोलीन तेल में सुधार

**नई दिल्ली।** बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सस्ता होने के कारण मांग बढ़ने से सरसों तेल-तिलहन, डीओसी की स्थानीय मांग बढ़ने से सोयाबीन तिलहन, गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने के कारण कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा उपलब्धता घटने और मांग होने से बिनौला तेल के दाम में सुधार आया। दूसरी ओर ऊंचे भाव पर मांग प्रभावित रहने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट आई जबकि आयातकों द्वारा लागत से नीचे दाम पर बिकवाली के बीच सोयाबीन तेल कीमतें स्थिर रहीं।

# कमजोर कीमतों से चीनी निर्यात 8 लाख टन रहने का अनुमान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

देश का चीनी निर्यात प्रतिकूल वैश्विक मूल्य स्थिति के कारण चालू 2025-26 विपणन सत्र में केवल 7.5 से आठ लाख टन रहने का अनुमान है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। चीनी का विपणन सत्र अक्टूबर से सितंबर तक होता है। भारत, दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है जो निर्यात को कोटा प्रणाली के जरिये नियंत्रित करता है। इससे चीनी मिल को अनुपात के आधार पर कोटा दिया जाता है। विपणन सत्र 2025-26 के लिए खाद्य मंत्रालय ने शुरुआत में 15 लाख टन निर्यात की अनुमति दी थी। इसके बाद पांच लाख टन का अतिरिक्त कोटा खोला गया जिसमें से अब तक केवल 87,587 टन की ही मंजूरी दी गई है। अधिकारी ने कहा, 'पूरे सत्र में वास्तविक निर्यात 7.5 से आठ लाख टन के आसपास रहने के आसार हैं।

## शब्द पहेली - 6215

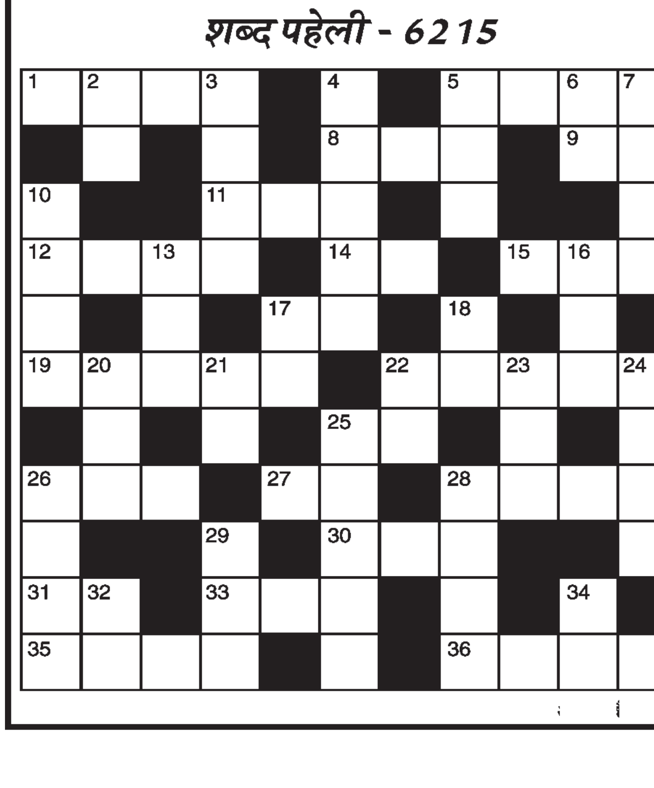

**बाएँ से दाए-**
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

**ऊपर से नीचे**
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

### शब्द पहेली -6214 का हल

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| आ | ला | क | मा | न | | | क | मी | ज | |
| रा | ल | | न | | श | प | थ | | मा | मा |
| म | | | ध | नि | क | | न | | | लि |
| दे | ह | दा | न | | | अ | | ल | ल | क |
| ह | | खि | | बे | शु | मा | र | | ह | |
| | सा | ल | | ल | | न | | सु | र | |
| | हि | | ब | गा | व | त | | र | | हा |
| ज | ल | न | | म | | | अ | भि | मा | नि |
| ग | | | चु | | रा | ज | न | | | का |
| त | र | | ना | ह | क | | ब | | चा | र |
| | ब | हा | व | | | म | न | मो | ह | क |

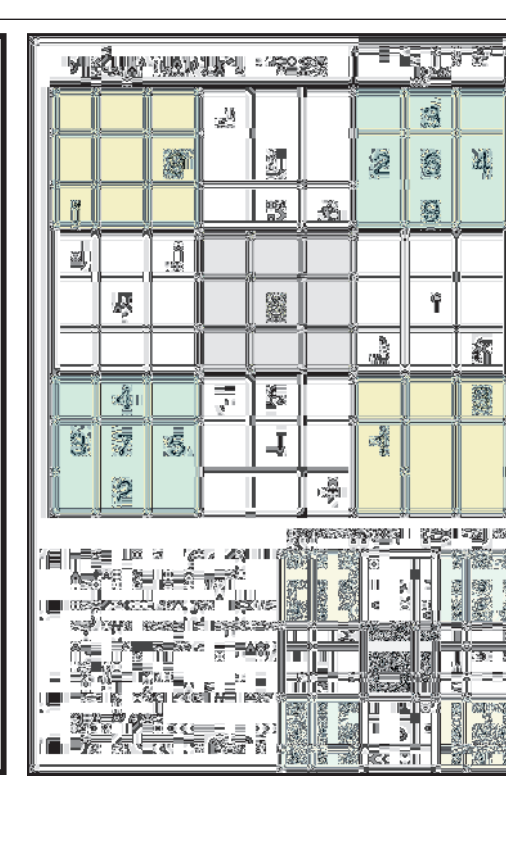

## आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| पंजाब | 8 | 6 | 1 | 13 |
| बेंगलुरु | 9 | 6 | 3 | 12 |
| हैदराबाद | 10 | 6 | 4 | 12 |
| राजस्थान | 10 | 6 | 4 | 12 |
| गुजरात | 9 | 5 | 4 | 10 |
| चेन्नई | 9 | 4 | 5 | 8 |
| दिल्ली | 9 | 4 | 5 | 8 |
| कोलकाता | 8 | 2 | 5 | 5 |
| मुंबई | 9 | 2 | 7 | 4 |
| लखनऊ | 8 | 2 | 6 | 4 |

ऑरेंज कैप

लोकेश राहुल
433 रन
दिल्ली

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

# मुंबई और लखनऊ के बीच मैच में हार्दिक और सूर्यकुमार पर होगी निगाह

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई इंडियंस को यदि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए अगर मगर की कठिन डगर की उम्मीदें जीवंत रखनी हैं तो सबसे निचले पायदान पर काबिज लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मुकाबले में उसके कप्तान हार्दिक पंड्या और प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पंड्या (146 रन और चार विकेट) और सूर्यकुमार (186) का अब तक का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जिससे मुंबई को काफी नुकसान हुआ है। विशेषकर तब जबकि पूर्व कप्तान रोहित शर्मा हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। वह हालांकि अब वापसी की राह पर हैं।

■ मुंबई इंडियंस को आज लखनऊ को हराना होगा

### मुंबई को क्वालीफाई करने सभी मैच जीतने होंगे

पांच बार की आईपीएल विजेता मुंबई इंडियंस नौ मैचों में सिर्फ दो जीत के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। उसकी आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने की उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी हैं। मुंबई को अगर मगर से क्वालीफाई करने की उम्मीद बनाए रखने के लिए अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे और साथ ही अन्य टीम के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी।

### हार्दिक की कप्तानी सवालों के घेरे में

मुंबई के खराब प्रदर्शन से हार्दिक की कप्तानी भी सवालों के घेरे में आ गई है। रणनीति के मामले में वह पूरी तरह नाकाम रहे हैं। मुंबई के बल्लेबाज एकजुट होकर प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं जबकि हार्दिक का बल्ले और गेंद दोनों से साधारण प्रदर्शन रहा है। गेंदबाजी में हार्दिक का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है, लेकिन उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है।

### बल्लेबाजों की कमजोरी राह में रोड़ा बन रही

एलएसजी ने पहले मैच में हार के साथ शुरुआत करने के बाद लगातार दो जीत से वापसी की। हालांकि जब उनकी टीम को अच्छा प्रदर्शन करना चाहिए था तब वह ऐसा नहीं कर पाई। उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है लेकिन बल्लेबाजों की कमजोरी उसकी राह में रोड़ा बन रही है।

### सूर्यकुमार बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम

सूर्यकुमार अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील करने में नाकाम रहे हैं, जो वास्तव में चिंता का विषय है क्योंकि अब वह पहले की तरह गेंदबाजों पर हावी नहीं हो पा रहे हैं। भारत की टी20 टीम के कप्तान ने 2025 में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया था। उन्होंने 2026 की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन इसके बाद उनका बल्ला नहीं चल पाया। वह न तो पूरी तरह से फॉर्म से बाहर नजर आ रहे हैं और ना ही वह क्रीज पर लंबा समय बिता पाए हैं।

### दोनों टीमों के बल्लेबाज विफलता से जूझ रहे

मुंबई इंडियंस और एलएसजी का इस सत्र में प्रदर्शन एक जैसा रहा है। यह दोनों ही टीमें बल्लेबाजों की सामूहिक विफलता से जूझ रही हैं, जिसने अंतिम चार में पहुंचने की उनकी संभावनाओं को काफी हद तक धूमिल कर दिया है। एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। उनकी टीम लगातार पांच मैच हारकर अंक तालिका में सबसे नीचे खिसक गई है।

## खबर संक्षेप

### मार्टा ने मैड्रिड ओपन का खिताब जीता

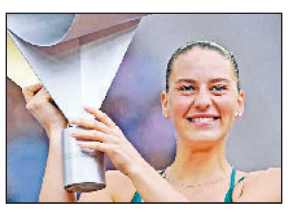

**मैड्रिड।** यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक ने रूस की मीरा एंड्रीवा को सीधे सेटों में हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता। कोस्त्युक ने फाइनल में पहले सेट में संघर्ष करने के बाद एंड्रीवा को 7-5, 6-3 से हराया। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण किया था और तब से उनके बीच युद्ध चल रहा है। यही कारण था कि दोनों खिलाड़ियों ने मैच के बाद नेट पर हाथ नहीं मिलाया और ना ही पुरस्कार समारोह में एक साथ फोटो खिंचवाई। विश्व में 23वीं रैंकिंग की खिलाड़ी कोस्त्युक मैच जीतने के बाद क्ले कोर्ट पर गिर पड़ीं और अपने चेहरे पर हाथ रख लिया। बाद में उन्होंने दर्शकों की तालियों के बीच कलाबाजी भरी बैकफ्लिप की। वहीं एंड्रीवा कोर्ट के किनारे अपनी सीट पर बैठ गईं और तौलिए से अपना चेहरा छिपाकर रोने लगीं। यह कोस्त्युक का तीसरा डब्ल्यूटीए खिताब है।

### दीक्षा डागर मॉरिशस में खिताब की दौड़ में

**पोर्ट लुईस (मॉरिशस)।** भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर बोगी मुक्त तीन अंडर 69 के शानदार कार्ड से लेडीज यूरोपीय टूर पर यहां एमसीबी लेडीज क्लासिक - मॉरिशस में खिताब की दौड़ में शामिल हो गईं। एलईटी पर दो बार की विजेता दीक्षा ने पहले दौर में 68 का स्कोर किया और दूसरे दौर के बाद वह सात अंडर पर पहुंच गईं हैं जिससे वह संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। वहीं चार भारतीय खिलाड़ियों में से तीन ने कट हासिल किया। दीक्षा के साथ हिताशी बख्शी (71-69) और त्वेसा मलिक (70-71) भी कट हासिल कर अंतिम दौर के लिए शामिल हुईं। हिताशी संयुक्त रूप से 19वें और त्वेसा संयुक्त रूप से 26वें स्थान पर हैं। वाणी कपूर (78-77) कट हासिल करने से चूक गईं।

### शिमकेंट में उपविजेता रहे मानस धामने

**नई दिल्ली।** भारत के युवा खिलाड़ी मानस धामने अपने पहले एटीपी चैलेंजर एकल फाइनल में खिताब जीतने से चूक गए और उन्हें

रविवार को कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले गए एक कड़े मुकाबले में बेल्जियम के बुवेसर गदामौरी से हार का सामना करना पड़ा। इस 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 6-7(8), 4-6 से हारने से पहले अपनी प्रतिद्वंद्वी के सामने कड़ी चुनौती पेश की। धामने ने पहले सेट में अपने अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी को टाई-ब्रेक तक खींच लिया और यहां तक कि सेट प्वाइंट भी हासिल किया लेकिन गदामौरी 10-8 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी दूसरे सेट में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया और बेल्जियम के खिलाड़ी ने निर्णायक बढ़त हासिल करके खिताब अपने नाम कर दिया।

*तेज गेंदबाजों का कमाल : साई सुदर्शन की फिफ्टी और होल्डर को 4 विकेट*

# गुजरात की लगातार तीसरी जीत पंजाब ने सीजन में दूसरा मैच गंवाया

भाषा ▶▶| अहमदाबाद

जेसन होल्डर (चार ओवर में 24 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के कमाल के प्रदर्शन के बाद साई सुदर्शन (57) और वाशिंगटन सुंदर (नाबाद 40) की शानदार बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 के एक मैच में रविवार को यहां तालिका में शीर्ष पर काबिज पंजाब किंग्स को चार विकेट से शिकस्त दी। आईपीएल मैचों में गुजरात की यह लगातार तीसरी जीत और पंजाब ने इस सीजन में अपना यह दूसरा मैच गंवाया। पंजाब किंग्स के लिए सूर्यांश शेडगे ने 57 रनों की उत्कृष्ट पारी खेली, लेकिन होल्डर के साथ कागिसो रबाडा (22 रन पर दो विकेट) और मोहम्मद सिराज (28 रन पर दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के सामने टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 163 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटंस ने 19.5 ओवर में चार विकेट पर 167 रन बनाकर प्लेऑफ की अपनी दावेदारी मजबूत की। टाइटंस ने इसके साथ ही इस सत्र में पंजाब किंग्स से 31 मार्च को मिली तीन विकेट की शिकस्त का बदला भी चुकता कर लिया। इस हार के बावजूद पंजाब किंग्स नौ मैचों में 13 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है, वहीं टाइटंस 10 मैचों में छठी जीत के बाद 12 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। मौजूदा सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ने वाले सुदर्शन ने जोस बटलर (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करने के बाद निशांत सिंधू (15) के साथ 20 गेंदों में 25 और सुंदर के साथ चौथे विकेट के लिए 20 गेंदों में 30 रन की साझेदारी कर जीत की नींव रखी।

■ पंजाब किंग्स के लिए सूर्यांश शेडगे ने 57 रनों की उत्कृष्ट पारी खेली

सुदर्शन ने 41 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का जड़ा, जबकि सुंदर ने 23 गेंदों की नाबाद पारी में इतने ही चौके और एक छक्का लगाया। पंजाब किंग्स के लिए अर्शदीप सिंह और विजयकुमार वैशाख ने दो-दो, जबकि मार्को यानसन और स्टोइनिस ने एक-एक विकेट चटकाए। पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर 8.4 ओवर में 47 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे।

शेडगे ने इसके बाद मार्कस स्टोइनिस (40) के साथ छठे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में अहम योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सुदर्शन ने जेवियर बार्टलेट की दूसरी गेंद पर ही बेहतरीन कवर ड्राइव से चौका जड़ा। गिल ने अर्शदीप की गेंद को मिडविकेट बाउंड्री की तरफ भेजा, लेकिन अगली गेंद को हवा में खेल बैठे और कूपर कोनोली ने आसानी से कैच लपक लिया। बटलर ने यानसन और बार्टलेट पर छक्कों के साथ हाथ खोला, जबकि सुदर्शन ने छठे ओवर में यानसन के खिलाफ एक और छक्का जड़कर पावरप्ले में टीम का स्कोर एक विकेट पर 58 रन कर दिया।

### कोलकाता ने हैदराबाद की जीत का सिलसिला तोड़ा

**हैदराबाद।** कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने स्पिनरों चक्रवर्ती (36 रन देकर तीन विकेट) और सुनील नारायण (30 रन देकर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद अंगकृष रघुवंशी (59 रन) के अर्धशतक की बदौलत रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। फॉर्म में लौटे चक्रवर्ती और नारायण की शानदार गेंदबाजी की बदौलत केकेआर ने धीमी पिच का पूरा फायदा उठाते हुए सनराइजर्स हैदराबाद की टीम को 19 ओवर में महज 165 रन पर समेट दिया। इसके बाद रघुवंशी (47 गेंद, पांच चौके, दो छक्के) और कप्तान अजिंक्य रहाणे (43 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 11 ओवर में 84 रन की साझेदारी निभाई। हैदराबाद तालिका में तीसरे स्थान पर इससे टीम ने यह लक्ष्य 10 गेंद शेष रहते तीन विकेट पर 169 रन बनाकर हासिल कर लिया। फिन एलेन ने 13 गेंद में 29 रन बनाए। रिंकू सिंह ने 11 गेंद में नाबाद 22 रन बनाकर टीम को सनराइजर्स हैदराबाद की लगातार पांच जीत की लय तोड़ने में मदद की। सनराइजर्स हैदराबाद 12 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर, जबकि केकेआर सात अंक लेकर आठवें स्थान पर बरकरार है।

*निर्णय लेने में काफी निरंतरता दिखाई*

## गायकवाड़ को बल्लेबाजी की फॉर्म से कप्तानी में मदद मिल रही : फ्लेमिंग

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि रुतुराज गायकवाड़ ने निर्णय लेने में काफी निरंतरता दिखाई है और इसका काफी श्रेय बल्लेबाज के रूप में उनकी शानदार फॉर्म को दिया जा सकता है। आईपीएल के शुरू में खराब प्रदर्शन करने वाले गायकवाड़ ने पिछले दो मैचों में क्रमशः नाबाद 74 रन और नाबाद 67 रन बनाए। इससे सीएसके अपने पिछले पांच मैचों में से तीन में जीत दर्ज करके अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गया है। फ्लेमिंग ने शनिवार को मुंबई इंडियंस पर सीएसके की आठ विकेट से जीत के बाद कहा, ''वह हर मैच में बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इसकी शुरुआत थोड़ी धीमी रही थी, लेकिन पिछले कुछ मैचों में उसने शानदार प्रदर्शन किया है।'' पिछले 18 सत्र से सीएसके के कोच रहे फ्लेमिंग का यह भी मानना है कि गायकवाड़ के बल्लेबाजी में अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें कप्तान के रूप में आत्मविश्वास भी मिला।

■ आईपीएल के शुरू में रुतुराज का प्रदर्शन खराब रहा था

फ्लेमिंग ने कहा, ''कप्तानी में सफलता के लिए बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन काफी महत्वपूर्ण होता है। पिछले दो मैचों में उसने शानदार फॉर्म दिखाई है।

### नीलामी में रुतुराज की कीमत काफी अधिक थी

कोच ने कहा, ''वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और नीलामी में उसकी कीमत काफी अधिक थी। दूसरे लोग भी यही मानते हैं। उसने आज अपने कौशल और जज्बे का अच्छा नमूना पेश किया और उम्मीद है कि वह आगे भी अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखेगा।''

*पूनावाला के साथ मिलकर 15,600 करोड़ से अधिक की हिस्सेदार की हासिल*

## मित्तल परिवार ने राजस्थान रॉयल्स में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जाने-माने उद्योगपति लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर 1.65 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 15,600 करोड़ रुपये) की बोली लगाकर राजस्थान रॉयल्स में सबसे अधिक हिस्सेदारी हासिल कर ली है। उन्होंने कल सोमानी-रॉब वाल्टन-शीला फोर्ड हैम्प के समूह के दौड़ से हटने के बाद यह सौदा किया। इस सौदे में दी गई राशि (1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर) राजस्थान रॉयल्स की पुरुष फ्रेंचाइजी पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स के उद्यम मूल्य को दर्शाती है। यह सौदा बीसीसीआई, सीसीआई, आईपीएल संचालन परिषद और अन्य लागू नियामक प्राधिकरणों के अनुमोदन सहित अन्य शर्तों के अधीन है। यह सौदा 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा होने की उम्मीद है। इससे पहले सोमानी के नेतृत्व वाले अमेरिका स्थित समूह ने 1.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर की पेशकश की थी, लेकिन सूत्रों के अनुसार कई मुद्दों के कारण यह उचित जांच प्रक्रिया में खरा नहीं उतर पाया। मित्तल परिवार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''लक्ष्मी एन मित्तल और आदित्य मित्तल ने आज घोषणा की है कि अदार पूनावाला के साथ मिलकर मनोज बदाले और उनके समूह से राजस्थान रॉयल्स का अधिग्रहण करने के लिए एक निश्चित समझौते पर सहमति बन गई है।

### मुझे क्रिकेट से प्यार है: मित्तल

राजस्थान रॉयल्स आईपीएल टीम के अलावा दक्षिण अफ्रीका में पार्ल रॉयल्स और वेस्टइंडीज में बारबाडोस रॉयल्स का भी मालिक है। उत्तरी राजस्थान के सादुलपुर में जन्में लक्ष्मी एन मित्तल ने कहा, ''मुझे क्रिकेट से प्यार है और मेरा परिवार राजस्थान से है, इसलिए आईपीएल में मैं किसी अन्य टीम का हिस्सा बनने के बजाय राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा बनना पसंद करूंगा।''

## जब चीजें आपके अनुकूल नहीं होतीं : जयवर्धने

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने खराब फॉर्म में चल रहे सीनियर बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का समर्थन करते हुए कहा कि वह अपने करियर के ऐसे दौर से गुजर रहे हैं जहां उनके लिए कुछ भी अनुकूल नहीं है और उनके पास कड़ी मेहनत करते रहने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं है। सूर्यकुमार टी20 विश्व कप में कप्तान रहते हुए खिताब जीतने के बावजूद खराब दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने आईपीएल के मौजूदा सत्र में अब तक नौ पारियों में कुल 183 रन बनाए हैं, जिसमें दिल्ली के खिलाफ लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। कोच ने इसके बाद अच्छी शुरुआत की लेकिन वह उसे बड़े स्कोर ने नहीं बदल पाए। उन्हें शरीर का निशाना बनाकर की गई गेंदों पर संघर्ष करना पड़ रहा है। जयवर्धने ने सूर्यकुमार के खराब प्रदर्शन के बारे में कहा, ''अगर वह (सूर्या) कुछ अच्छे स्कोर बना लेता है तो मुझे लगता है कि उसे लय मिल जाएगी। मुझे लगता है कि कभी-कभी जब चीजें आपके हिसाब से नहीं चलतीं, तो सब कुछ ठीक नहीं होता है।'' श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने कहा, ''मुझे लगता है कि उसने (रामकृष्ण घोष की गेंद पर आउट होना) काफी अच्छा शॉट खेला था जो सीधे फील्डर के पास चला गया। मेरा मतलब है कि मैंने इतनी क्रिकेट खेली है कि मैं इसे समझ सकता हूं।''

■ कोच ने खराब फॉर्म में चल रहे सूर्यकुमार का समर्थन किया

### सूर्या के अधिकतर शॉट बाउंड्री पर कैच कर लिए गए

कोच ने कहा, ''वह निश्चित रूप से इसके लिए तैयार है। वह अच्छी स्थिति में है। बस इतनी सी बात है कि इस सत्र में जितनी बार वह बाउंड्री पर कैच आउट हुआ है, पहले ऐसा नहीं हुआ था।'' कोच ने कहा, ''मुझे लगता है कि वह खुद भी निराश है, लेकिन उसे और कड़ी मेहनत करनी होगी।''

## ओसासुना को हरा बार्सिलोना ला लिगा खिताब के करीब

एजेंसी ▶▶| बार्सिलोना

रॉबर्ट लेवांडोव्स्की और फेरान टोरेस के गोल की मदद से बार्सिलोना ने ओसासुना को 2-1 से हराकर स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट ला लिगा में फिर से चैंपियन बनने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। बार्सिलोना ने इस तरह से दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड पर 14 अंकों की बढ़त बना ली है। इस सप्ताहांत के बाद प्रतियोगिता में केवल चार दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं। बार्सिलोना को लगातार दूसरी बार ला लिगा का खिताब जीतने से रोकने के लिए रियाल मैड्रिड को अपने अगले मैच में एस्पेनयोल के खिलाफ जीत हासिल करनी होगी। मैड्रिड की जीत से खिताब की जंग एक और सप्ताह तक खिंच जाएगी, जब बार्सिलोना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रियाल मैड्रिड की मेजबानी करेगा। मैच में तीनों गोल दूसरे हाफ में हुए। लेवांडोव्स्की ने 81वें मिनट में हेडर से गोल करके बार्सिलोना को बढ़त दिलाई जबकि टॉरेस ने पांच मिनट बाद दूसरा गोल दागा। राउल गार्सिया ने 89वें मिनट में ओसासुना के लिए गोल किया।

*अंडर-17 : हरियाणा की बेटियों ने गाड़े झंडे*

## राष्ट्रीय गर्ल्स क्रिकेट चैंपियनशिप की ट्रॉफी पर किया कब्जा

■ विजेता हरियाणा और उप-विजेता राजस्थान की टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जिला शिक्षा विभाग रोहतक द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय अंडर-17 गर्ल्स क्रिकेट चैंपियनशिप का रविवार को भव्य समापन हुआ। फाइनल मुकाबले में मेजबान हरियाणा की टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर राजस्थान को शिकस्त देकर खिताबी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। 29 अप्रैल से शुरू हुए इस खेल महाकुंभ में देश भर की प्रतिभाओं ने अपना दम दिखाया। प्लेयर ऑफ द मैच फलक साहनी और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट परी को मिला।

टूर्नामेंट के अंतिम दिन खेले गए सेमीफाइनल मुकाबलों में हरियाणा और राजस्थान की टीमों ने जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया। खिताबी भिड़ंत बेहद रोमांचक रही, जिसकी शुरुआत विशिष्ट अतिथि कर्ण सिंह पुनिया ने की। मैच के दौरान हरियाणा की टीम ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों क्षेत्रों में दबदबा बनाए रखा और दबाव के क्षणों में उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए जीत हासिल की।

समापन समारोह में रोहतक के उपायुक्त सचिन गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उनके साथ भाजपा हरियाणा के उपाध्यक्ष सतीश नांदल और जैन एजुकेशन सोसायटी के महासचिव मनीष जैन विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। अतिथियों ने विजेता हरियाणा और उप-विजेता राजस्थान की टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया।

### इनका रहा विशेष योगदान

जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने टूर्नामेंट की सफलता का श्रेय विभाग की टीम के समन्वय को दिया। इस अवसर पर ऑब्जर्वर मुक्ता बब्बर, रविन्द्र हुड्डा, डीपीसी सुमन हुड्डा, उप जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. नरेश कुमार व सुनीता चहल, बीईओ अशोक नांदल, संजय हुड्डा, गीता और साधना सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पूरे आयोजन को सफल बनाने में एईओ संजय हुड्डा, समस्त डीपीई और पीटीआई का विशेष योगदान रहा।

## गैलेक्सी आई का 'मिशन दृष्टि' सफलतापूर्वक लॉन्च, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

# भारत के लिए गेमचेंजर होगी नई 'दृष्टि', अंतरिक्ष की ये नई उड़ान बढ़ाएगी चीन और पाकिस्तान का टेंशन

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

बेंगलुरु स्थित एक निजी अंतरिक्ष स्टार्टअप गैलेक्सी आई द्वारा विकसित उपग्रह मिशन दृष्टि रविवार को स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट की मदद से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। इसकी मदद से प्रतिकूल मौसम आपदा के असर, कृषि और सीमा निगरानी से जुड़ी तस्वीरें प्रभावी ढंग से मिल सकेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पोस्ट के माध्यम से गैलेक्सी आई के संस्थापकों और पूरी टीम को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, गैलेक्सी आई द्वारा शुरू किया गया मिशन दृष्टि अंतरिक्ष यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। विश्व के पहले ऑप्टोसार उपग्रह और भारत में निर्मित सबसे बड़े निजी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, नवाचार और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे युवाओं के जुनून का प्रमाण है। गैलेक्सी आई के संस्थापकों और

अब हर मौसम में पृथ्वी की निगरानी की क्षमता बढ़ जाएगी

भविष्य में सैटेलाइट्स का पूरा कॉन्स्टेलेशन तैयार हो जाएगा

भारत को साल के 365 दिन निरंतर कवरेज प्राप्त होगी

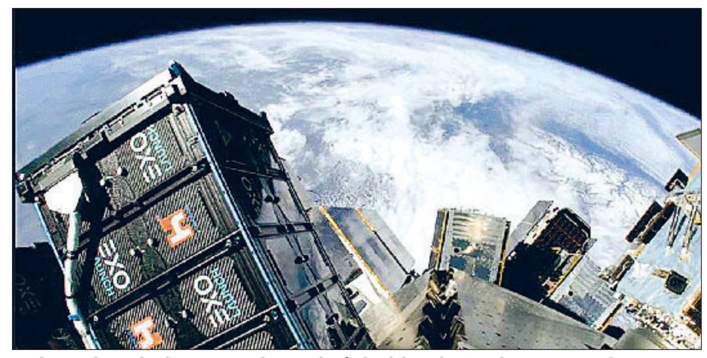

*रविवार को 190 किलोग्राम वजनी मिशन दृष्टि कैलिफोर्निया से लॉन्च किया गया। यह किसी भारतीय निजी कंपनी द्वारा निर्मित अब तक का सबसे बड़ा उपग्रह है। इस विशेष उपग्रह की विशेषता यह है कि इसमें एक ही उपग्रह पर मल्टी स्पेक्ट्रल कैमरा और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) इमेजर लगा हुआ है। दृष्टि मिशन का मूल आधार ऑप्टोसार नामक एक नवीन हाइब्रिड प्रणाली है, जो एक ही प्लेटफॉर्म पर ऑप्टिकल इमेजिंग और सिंथेटिक एपर्चर रडार (एसएआर) को संयोजित करने वाली तकनीक है।*

### बेहद महत्वपूर्ण है यह उपलब्धि

इस उपलब्धि का महत्व इसलिए भी बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे पहले भारत के पास ऐसी सर्विलांस क्षमता का अभाव था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के एयरबेस पर भारतीय वायुसेना की कार्रवाई के प्रमाण के तौर पर भारत को अमेरिका की कमर्शियल सैटेलाइट इमेजरी पर निर्भर रहना पड़ा था। रक्षा सूत्रों के अनुसार, उस समय देश के पास अपने स्तर पर हर मौसम और हर समय निगरानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी। यही वजह है कि मिशन दृष्टि को रणनीतिक नजरिए से बेहद अहम माना जा रहा है। एक सैन्य कमांडर ने के कहना है कि अब हम कुछ ऐसे अंतर को भर पाने में सक्षम होंगे जो हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान थे।

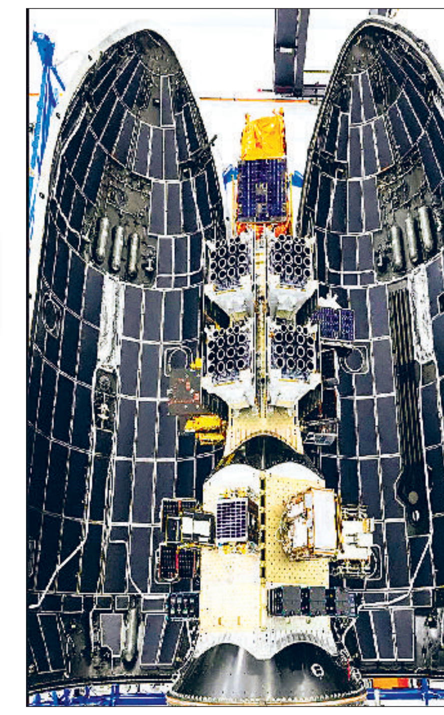

## खबर संक्षेप

### अमेरिका ने निक को सलाहकार बनाया

**वॉशिंगटन।** अमरीका ने निक स्टीवर्ट को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष को समाप्त करने के लिए काम कर रही राजनयिक टीम में सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की टीम में शामिल शस्टीवर्ट एक अनुभवी नीति विशेषज्ञ हैं। उन्होंने पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान विदेश विभाग में ईरान से संबंधित मुद्दों पर काम किया है। अमरीका के अधिकारियों के अनुसार जेरेड कुशनर ने निक स्टीवर्ट को ईरान के साथ वार्ता दल में शामिल करने में मदद की। इससे पहले, श्री स्टीवर्ट फाउंडेशन फॉर डिफेंस ऑफ डेमोक्रेसीज से जुड़े थे। यह संस्था ईरान के प्रति कड़ा रुख अपनाने के लिए जानी जाती है।

### ब्रिटेन ने उड़ानों के ईंधन से जुड़ी योजना तैयार की

**लंदन।** ब्रिटेन सरकार ने रविवार को उड़ानों के संबंध में आकस्मिक उपायों की घोषणा की जिनके तहत विमानन कंपनियों को एक ही दिन में एक ही जगह जाने वाली कई उड़ानों को समायोजित करके उनकी संख्या कम करने के लिए कहा गया है। ब्रिटेन के परिवहन विभाग ने अमेरिका-ईरान संघर्ष और होर्मुज जलडमरुमध्य की नाकेबंदी के कारण हुई विमान ईंधन की कमी के चलते कुछ अस्थायी योजनाएं पेश की हैं। सरकार ने कहा कि अभी विमानन कंपनियों के सामने ईंधन की आपूर्ति से जुड़ी कोई समस्या नहीं है, लेकिन अगर संघर्ष के कारण आगे परेशानी बढ़ती है। तो गर्मियों की छुट्टियों में अचानक उड़ान रद्द होने से यात्रियों को बचाने के लिए सरकार पहले से तैयारी कर रही है।

### साइबर धोखाधड़ी में 130 विदेशी गिरफ्तार

**कोलंबो।** श्रीलंका में पिछले दो दिनों में कथित साइबर अपराध को लेकर 130 से अधिक विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने श्रीलंका में सक्रिय सीमापार ऑनलाइन धोखाधड़ी नेटवर्क पर व्यापक कार्रवाई के तहत ये गिरफ्तारियां की हैं। उसने यहां उपनगरीय क्षेत्र थलंगामा में शनिवार को 37 चीनी नागरिकों को गिरफ्तार किया। रविवार को एक अन्य छापेमारी में यहां उपनगरीय क्षेत्र राजगिरिया में 100 से अधिक लोग गिरफ्तार किये गये थे। ये लोग चीन, वियतनाम, मलेशिया, मेडागास्कर, फिलीपिन, थाईलैंड एवं कंबोडिया समेत विभिन्न देशों के नागरिक हैं।

## नाकेबंदी से ईरान को लगभग 4.8 अरब डॉलर का नुकसान हुआ

# यूएस की नाक के नीचे से ईरान ने निकाला खुद का टैंकर, होर्मुज से 2 हजार करोड़ का तेल किया पार

एजेंसी ▶▶ तेहरान

समंदर में अमेरिका और ईरान के बीच एक बड़ी लुकाछिपी का खेल चल रहा है। एक ताजा रिपोर्ट ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। मॉनिटरिंग फर्म टैंकरट्रैकर्सडॉटकॉम ने दावा किया है कि ईरान का एक बहुत बड़ा तेल का जहाज अमेरिकी नौसेना की सख्त नाकेबंदी को चकमा देकर बाहर निकल गया है।

यह जहाज अब एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पहुंच गया है। इस घटना से अमेरिका की पहरेदारी पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। अमेरिका ने ईरान को आर्थिक नुकसान पहुंचाने के लिए उसके तेल व्यापार पर रोक लगाने की कोशिश की है।

इस भारी मात्रा में मौजूद तेल की कीमत लगभग 220 मिलियन डॉलर आंकी गई है

ईरान का यह जहाज करीब 1.9 मिलियन बैरल कच्चा तेल लेकर वहां से निकला है

### खाली हुए लेबनान के गांव

इजराइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के कई गांवों और कस्बों के निवासियों को अपने घर तुरंत खाली करने का आदेश दिया है। यह आदेश ऐसे समय में जारी किया गया है, जब हिजबुल्ला और इजराइल के बीच संघर्ष रोकने के लिए युद्धविराम लागू है। इजराइली सेना के अरबी भाषा के प्रवक्ता अविचाय अद्रई ने सोशल मीडिया पर कहा कि लोगों को अपनी सुरक्षा के लिए तुरंत घर छोड़कर कम से कम 1000 मीटर दूर खुले इलाकों में जाना चाहिए।

### जहाज ने छिपाई अपनी लोकेशन

- रिपोर्ट के अनुसार, इस जहाज को आखिरी बार करीब डेढ़ हफ्ते पहले श्रीलंका के समुद्री इलाके के पास देखा गया था।
- फिलहाल यह विशाल तेल टैंकर लोमबोक स्ट्रेट के रास्ते से होकर रिओ आर्किपेलेगो (द्वीप समूह) की दिशा में आगे बढ़ रहा है।
- फर्म ने बताया कि 13 अप्रैल को जब अमेरिकी नौसेना ने नाकेबंदी की घोषणा की थी, तब यह टैंकर ईरान के ही जलक्षेत्र में मौजूद था।

### नाकेबंदी पर अमेरिका और ईरान के दावे

ईरानी सरकारी मीडिया ने 29 अप्रैल को दावा किया था कि उनके कम से कम 52 जहाज अमेरिकी नाकेबंदी को तोड़ने में सफल रहे हैं। वहीं, अमेरिकी सेना के अधिकारियों का कहना है कि जब से नाकेबंदी शुरू हुई है, तब से ईरान से जुड़े करीब 41 जहाजों को वापस लौटने पर मजबूर किया है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि उनकी यह नाकेबंदी काफी असरदार और प्रभावी साबित हो रही है।

## दोसांझ के कॉन्सर्ट में खालिस्तानी झंडा लहराए

# दिलजीत ने प्रदर्शनकारियों को रोका कहा- हंगामा बंद करें और चले जाएं

एजेंसी ▶▶ टोरंटो

कनाडा के कैलगरी में आयोजित एक म्यूजिक कॉन्सर्ट के दौरान मशहूर पंजाबी गायक दिलजीत दोसांझ ने खालिस्तान समर्थकों को कड़ी फटकार लगाई है।

कार्यक्रम के दौरान जब कुछ लोग भारत में प्रतिबंधित आतंकी समूहों के झंडे लहराकर हंगामा करने लगे, तो दिलजीत ने मंच से ही उन्हें टोक दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को स्पष्ट शब्दों में हंगामा बंद करने और वहां से चले जाने की हिदायत दी। यह पहली बार नहीं है जब दिलजीत के कार्यक्रमों में खालिस्तानी तत्वों ने बाधा डालने की कोशिश की हो, लेकिन गायक ने इस बार कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें मंच से ही बाहर का रास्ता दिखा दिया।

यह घटना ऐसे समय में हुई है जब कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा ने अपनी हालिया रिपोर्ट में देश के भीतर खालिस्तानी चरमपंथ के बढ़ते खतरे को स्वीकार किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, कनाडा स्थित ये समूह स्थानीय संस्थानों का इस्तेमाल कर हिंसक एजेंडा फैला रहे हैं और समुदाय के सदस्यों से धन इकट्ठा कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में खालिस्तानी गतिविधियों के प्रति कनाडा की कथित नरमी को लेकर भारत और कनाडा के कूटनीतिक संबंधों में भारी तनाव देखा गया है। ताजा घटनाक्रम ने एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को चर्चा में ला दिया है।

## धमकाया कहा- ये मुंबई में भी हो सकता है

# कपिल शर्मा के कैप्स कैफे के पास फायरिंग, बिश्नोई ने ली जिम्मेदारी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

एक बार फिर से कॉमेडियन कपिल शर्मा के कनाडा वाले रेस्टोरेंट कैप्स कैफे के पास गोलीबारी की गई। यह फायरिंग उनके कैफे के पास स्थित रेस्टोरेंट पर की गई। बिश्नोई गैंग के एक कथित सदस्य ने सोशल मीडिया के जरिए कपिल शर्मा को धमकाया भी है।

इस फायरिंग की घटना के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट सामने आई। जिसे टायसन बिश्नोई जोरा सिद्धू नाम के व्यक्ति ने साझा किया है। यह बिश्नोई गैंग का कथित सदस्य बताया जाता है। इसमें वह लिखता है, चाय सुट्टा बार कैफे पर गोली चली है। यह कैप्स कैफे के पड़ोस में है। हमारा इसको और कपिल शर्मा को मैसेज है कि लाइन पर आ जाओ।

आगे पोस्ट में कपिल शर्मा को चेतावनी देते हुए कहा गया, चाय सुट्टा बार की जगह पर तेरा कैप्स कैफे और मुंबई वाला घर होगा। अबकी बार हम किसी की सिफारिश पर नहीं रुकेंगे। कपिल शर्मा के कैफे पर पहले तीन बार फायरिंग हो चुकी है। सबसे पहले हुई फायरिंग की घटना की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी।

### पहले भी हो चुकी है फायरिंग

यह गिरोह बॉलीवुड हस्तियों को धमकियां देने के लिए चर्चा है। तीसरी बार भी इस गैंग के मेंबर्स ने कपिल शर्मा के कैफे पर फायरिंग की थी। पहली बार फायरिंग पिछले साल जुलाई में और दूसरी बार फायरिंग अगस्त महीने में हुई थी। तीसरी फायरिंग की घटना पिछले साल दिवाली से पहले की गई थी।

### अमेरिकी सैनिक बुलाए गए वापस कारों पर 25% टैरिफ भी लगाया

**वॉशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जर्मनी के खिलाफ एक साथ दो मोर्चों पर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पूरी दुनिया को चौंका दिया है। ट्रंप ने न केवल जर्मनी से अमेरिकी सैनिकों की वापसी का दायरा बढ़ाने का संकेत दिया है, बल्कि यूरोपीय संघ से आने वाले वाहनों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा भी कर दी है। ट्रंप का अटैक अटलांटिक पार के रिश्तों में बढ़ती तल्खी को साफ दर्शाता है। जर्मनी में तैनात अमेरिकी सैनिकों की संख्या में होने वाली कटौती केवल 5 हजार तक सीमित नहीं रहेगी।

## नेपाल में खलबली, खुलेंगी पुरानी फाइलें!, आयोग करेगा संपत्तियों की जांच

45 दिन के भीतर जांच प्रक्रिया शुरू हो जाएगी

# पूर्व जजों, मंत्रियों और सेना प्रमुखों समेत 10,000 संपत्तियां आईं जांच के दायरे में

एजेंसी ▶▶ काठमांडू

नेपाल में इस हफ्ते हुए एक घटनाक्रम ने हलचल मचा दी है। नेपाल में नए बने उच्च-स्तरीय संपत्ति जांच आयोग को 10,000 लोगों की प्रोप्टी की जांच करने के लिए व्यापक अधिकार दिए गए हैं।

इससे पहली बार सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और नेपाली सेना के पूर्व प्रमुख जांच के दायरे में आए हैं। नेपाल के पूर्व चीफ जस्टिस और सेना प्रमुख की संपत्ति में बढ़ोत्तरी की जांच ये आयोग कर सकता है, जिससे शीर्ष स्तर पर फिक्र देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुवार को प्रकाशित नेपाल राजपत्र (गैजेट) की एक सूचना में आयोग के अधिकार क्षेत्र की रूपरेखा दी गई है।

इससे पता चलता है कि आयोग का दायरा काफी विस्तृत है। इसमें सरकारी कर्मचारी, राजनीतिक रूप से नियुक्त अधिकारी, प्रधानमंत्री, मंत्री, सांसद, स्थानीय सरकार के प्रमुख, उनके उप-प्रमुख जांच के दायरे में हैं।

### सेना प्रमुखों से होगी शुरुआत

काठमांडू में आयोग के एक अधिकारी ने बताया है कि 10,000 से अधिक लोग इस जांच के दायरे में आएंगे। हालांकि अभी इसकी सटीक संख्या बताना संभव नहीं है। जांच आयोग अधिनियम, 1969 के तहत 15 अप्रैल को गठित इस संस्था को पूर्व अधिकारियों की संपत्ति की जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। आयोग को अपने पहले चरण में सेना प्रमुखों और जनरलों के साथ-साथ 2006 के बाद सेवा देने वाले जजों की संपत्ति पर ध्यान केंद्रित करेगा।

### सेवारत अधिकारी फिलहाल इससे दूर

सेवारत अधिकारी फिलहाल आयोग की सीधी जांच के दायरे में नहीं हैं। उनके खिलाफ मिलने वाली किसी शिकायत को संबंधित अधिकारियों के पास भेजा जाएगा। आयोग को पूर्व अधिकारियों की संपत्ति की जांच करने का दायित्व सौंपा गया है। इनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं। जिन्होंने नॉन-गजटेड प्रथम श्रेणी अधिकारी (नायब सुब्बा) या उसके समकक्ष स्तर पर कार्यालय प्रमुख के रूप में कार्य किया है। करीब 10,000 असर इस जांच के दायरे में आएंगे।

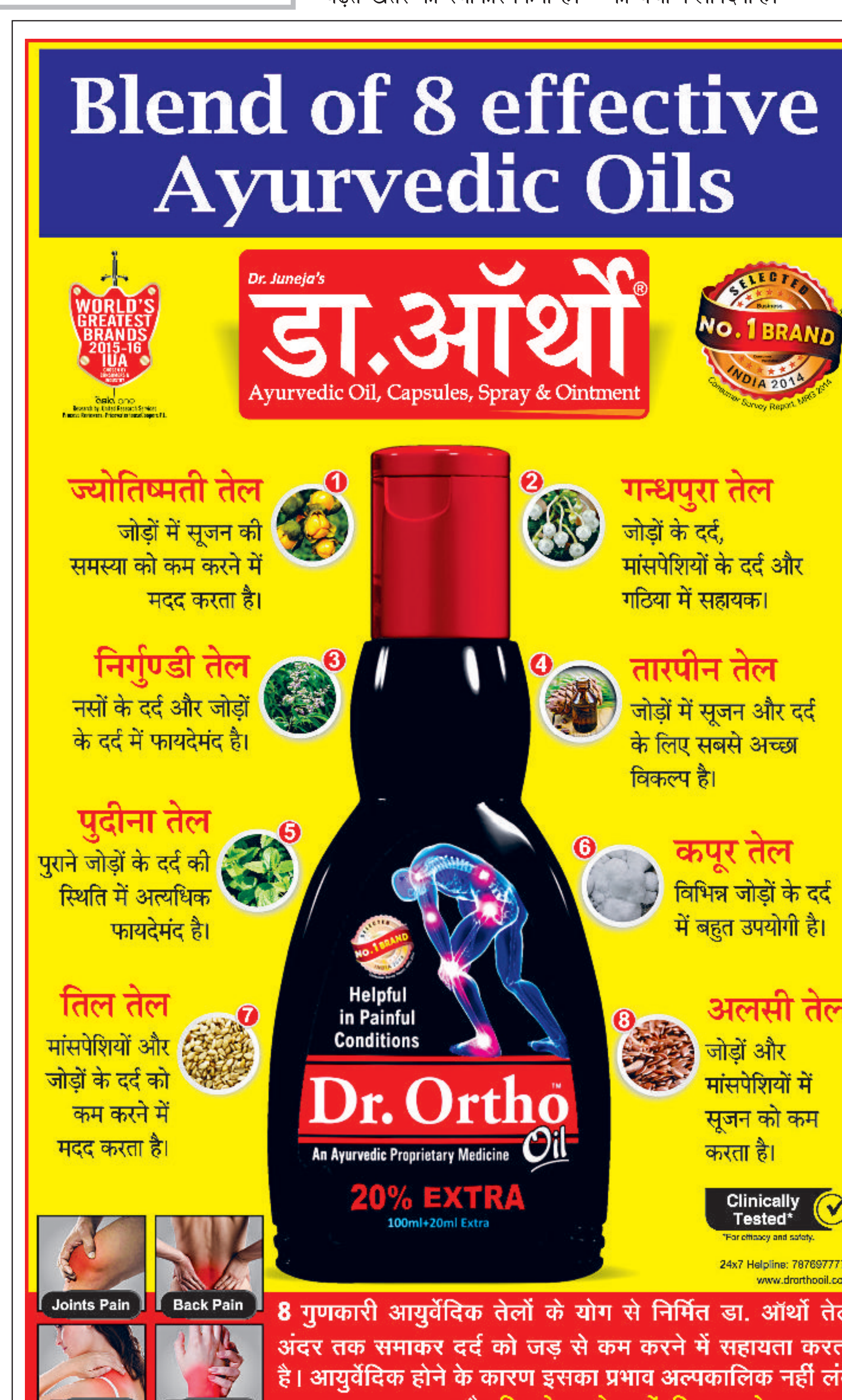


हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109